सुविचार
किसी से भी झूठ बोलें लेकिन स्वयं से कभी भी झूठ ना बोलें।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 05 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 258 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com | E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
अमिताभ बच्चन ने वहीदा रहमान के जीनियस...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,226.04
निफ्टी	:	19,436.10

SARAFA

सोना	:	5,420
चांदी	:	73.01

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

...नहीं रहे CARDINAL TELESPHORE P TOPPO
मसीही समाज में शोक की लहर, अस्पताल में थे इलाजरत, 83 की उम्र में हुआ निधन

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मसीही समाज के कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का बुधवार को निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। झारखंड की राजधानी रांची में स्थित बिशप हाउस की ओर से यह जानकारी दी गई है। बिशप हाउस ने बताया है कि मंगलवार को कार्डिनल की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें मांडर के लिंवस हॉस्पिटल में आईसीयू में भर्ती कराया गया था। बुधवार को दोपहर बाद चार बजे उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। कार्डिनल के निधन की सूचना से पूरे झारखंड और मसीही समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। तेलेस्फोर पी टोप्पो के फेफड़ों में पानी भर गया था। इसकी वजह से उनका स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा था। डॉक्टरों ने फेफड़ों से पानी निकालने के लिए उनके फेफड़े में एक ट्यूब डालने की सलाह दी थी। कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो की स्थिति को देखते हुए रांची के धर्माध्यक्षों ने उन्हें संत अन्ना वृद्धाश्रम में रखने का विचार किया। वहां कुछ दिन रखने के बाद वर्ष 2023 में बेहतर देखभाल के लिए कार्डिनल को कॉन्स्टेंट लिंबर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को जब उनकी तबीयत बिगड़ी, तो उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। कार्डिनल ने बुधवार को आईसीयू में ही अंतिम सांस ली। इससे पहले, रांची के सहायक धर्माध्यक्ष थेओडोर मसकरेन्हास एसएफएक्स ने कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा था कि मंगलवार को तीन बजे रिटायर्ड कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि भारी और दर्द भरे दिल के साथ, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि सेवानिवृत्त कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का स्वास्थ्य, जो पिछले कुछ समय से कॉन्स्टेंट लिवेंस हॉस्पिटल में अस्पताल में बिस्तर पर हैं, की अचानक बिगड़ गई। उन्हें तुरंत आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया है। बुधवार को खबर आई की कार्डिनल अब इस दुनिया में नहीं रहे।

मृतक की पत्नी को नौकरी दिलाने के नाम पर मांगी घूस
CBI ने 30 हजार के साथ क्लर्क को दबोचा

RAMGARH : सीबीआई ने सीसीएल के सिरका कोलियरी के क्लर्क संदीप कुमार को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। संदीप कुमार अनुकंपा के आधार पर नौकरी लगाने के लिए दस्तावेजों को स्क्रीनिंग कमेटी से पास करने के नाम पर घूस ले रहा था। पीड़ित लता देवी ने सीबीआई से इसकी शिकायत की थी। जानकारी के अनुसार सिरका कोलियरी में कार्यरत डम्पर ऑपरेटर राजू मुण्डा की मृत्यु 15 जुलाई को हो गई थी। अनुकम्पा के आधार पर नौकरी पाने के लिए उसकी पत्नी लत्ता देवी ने आवेदन दिया था। परियोजना पदाधिकारी ने आवेदन को सिरका कोलियरी में कार्यरत क्लर्क ग्रेड ll संदीप कुमार के पास भेज दिया। जब लता देवी संदीप कुमार के पास गई तो कई बार उसे दौड़ाया गया। फिर बाद में संदीप कुमार ने कहा कि नौकरी तब ही मिलेगी जब स्क्रीनिंग कमेटी पास करेगी। संदीप ने कहा कि स्क्रीनिंग कमेटी में पास करवाने के लिए 30 हजार रुपये लगेगा। लता देवी ने कोलियरी मजदूर कांग्रेस के क्षेत्रीय सचिव संजय कुमार को पैसा मांगे जाने की पूरी जानकारी दी। इसके बाद संजय कुमार और लता देवी ने इस मामले की जानकारी सीबीआई और एसीबी को दी।

BRIEF NEWS

कुलगाम में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू

KULGAM : कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। दोनों ओर से फिलहाल गोलीबारी जारी है। कुलगाम जिले के कुज्जर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों को पास आते देखकर आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने भी कुलगाम में मुठभेड़ शुरू होने की जानकारी एक्स पर साझा की है। उन्होंने कहा कि पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों का अभियान फिलहाल जारी है। क्षेत्र में कितने आतंकी मौजूद हैं, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

RANCHI : कैबिनेट की बैठक पांच अक्टूबर को होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को दोपहर दो बजे प्रोजेक्ट भवन में यह बैठक होगी, जिसमें राज्य हित में कई बड़े फैसले लिए जाने की संभावना है। कैबिनेट की बैठक के संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं संबंध में विभाग में आदेश जारी किया है और सभी विभागों को इस संबंध में प्रस्ताव देने का निर्देश दिया है।

न्यूजक्लिक फाउंडर और एचआर हेड सात दिनों की रिमांड पर

NEW DELHI : दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर की रात न्यूजक्लिक वेबसाइट के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था। 4 अक्टूबर की सुबह उन्हें 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। न्यूजक्लिक पर विदेशी फंडिंग लेने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह न्यूजक्लिक से जुड़ी 30 से ज्यादा लोकेशंस पर छापेमारी की थी। पुलिस ने बताया कि 9 महिलाओं समेत 46 लोगों से पूछताछ की गई। इनमें पत्रकार उर्मिलेश, औनिंद्यो चक्रवर्ती, अभिसार शर्मा, प्रांजय गुहा के अलावा इतिहासकार सोहेल हाशमी भी शामिल हैं। करीब 6 घंटे की पूछताछ के बाद इन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस ने पत्रकारों से उनकी विदेश यात्रा, दिल्ली के शाहीन बाग में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, किसान आंदोलन सहित विभिन्न मुद्दों से जुड़े 25 सवाल पूछे।

LAND FOR JOB CASE
लालू यादव, राबड़ी देवी व तेजस्वी को मिली बेल

AGENCY PATNA : लैंड फॉर जॉब्स मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से लालू परिवार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट से मामले में लालू, तेजस्वी, राबड़ी देवी को जमानत मिल गई है। 50 हजार के मुचलके पर सभी को नियमित जमानत दी गई है। अब 16 अक्टूबर को इस मामले में सुनवाई होगी। इस दिन से मामले में सुनवाई शुरू की जाएगी। सीबीआई ने जमानत का विरोध कर हुए कहा था कि सभी आरोपी बड़े पद पर हैं। ये केस को प्रभावित कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि हमें ऐसा कुछ नहीं लगता। लालू, राबड़ी और तेजस्वी के साथ मीसा भारती भी कोर्ट पहुंची थीं। इधर, दिल्ली पहुंचने पर लालू यादव ने कहा था कि सुनवाई होती रहती हैं। हमने कोई ऐसा काम नहीं किया है जिससे हमें डरना पड़े। तेजस्वी यादव का भी बयान सामने आया है उन्होंने कहा कि मोदी जी के राज में जो सच बोलेगा उसके ऊपर तो कार्रवाई होती ही है। ये एजेंसियों और पुलिस का दुरुपयोग कर रहे हैं। दरअसल, 22 सितंबर को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत 17 आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया था।

ये सब चलता रहेगा, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता : तेजस्वी यादव

डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा है कि ये कोई पहला और आखिरी मामला नहीं है। ये सब चलता रहेगा। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इन सब मामलों में कोई दम नहीं है। सुशील मोदी ने कहा है कि लैंड फॉर जॉब्स केस में कोई बच नहीं पाएगा। ललन सिंह ने पुख्ता सबूत दिए हैं। इससे पहले सीबीआई ने कोर्ट को बताया था कि तीन रेल अधिकारियों के खिलाफ केस चलाने की इजाजत गृह मंत्रालय से मिल गई है। रेल अधिकारी मनदीप कपूर, मनोज पांडे, डॉ. पीएल बंकर के खिलाफ केस चलाने की परमिशन मिली है। वहीं, 12 सितंबर को ही लालू प्रसाद यादव पर केस चलाने की इजाजत गृह मंत्रालय ने दे दी थी।

ED को SC की फटकार, कहा बदला लेने की नीयत न रखें
निष्पक्षता के साथ करें काम, कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में दो अरेस्टिंग को किया कैंसिल

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) को फटकार लगाते हुए मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों में दो अरेस्टिंग कैंसिल कर दिया। जस्टिस ए एस बोपन्ना और संजय कुमार की बेंच ने कहा कि जांच एजेंसी को पूरी निष्पक्षता के साथ काम करना चाहिए और बदला लेने की प्रवृत्ति रखने से बचना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने ये बात मंगलवार को गुरुग्राम के एक रियल्टी ग्रुप एम3एम के डायरेक्टर्स की याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। कोर्ट ने कहा कि उम्मीद की जाती है कि ईडी का हर एक्शन पारदर्शी, ईमानदार और कार्रवाई के सबसे ऊंचे और पुराने स्तर के मुताबिक होगा। हालांकि इस केस में तथ्य बताते हैं कि एजेंसी अपनी जिम्मेदारी निभाने और अपनी शक्ति का सही इस्तेमाल करने में नाकाम रही है। कोर्ट के आदेश की कॉपी बुधवार को जारी की गई। इसके मुताबिक, कोर्ट ने टिप्पणी की कि बसंत और पंकज बंसल को 14 जून को पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर बुलाया गया था, जबकि ईडी की तरफ से रजिस्टर किए गए किसी और केस में दोनों को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी जवाब न दे पाए तो ये गिरफ्तारी के लिए काफी नहीं

कोर्ट ने कहा कि आरोपियों से जो सवाल पूछे गए, अगर वे उनका जवाब नहीं दे पाते हैं, तो ये उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काफी नहीं है। जिस व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया गया है, उससे ये उम्मीद रखना कि वह गुनाह कबूल लेगा, इसका ईडी को कोई अधिकार नहीं है।

ईडी को पत्र लिख हाईकोर्ट के निर्णय आने तक कार्रवाई नहीं करने की गुहार

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन को समन जारी कर ईडी के रांची स्थित जनरल कार्यालय में बुलाए जाने मामले में सीएम के अधिवक्ता ने ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को आज यानी 4 अक्टूबर को पत्र लिखा है। इसमें 25 सितंबर को ईडी द्वारा सीएम की उपस्थिति को लेकर जारी समन का हवाला दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि सीएम हेमंत सोरेन ने समन के खिलाफ हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। इस याचिका की त्रुटि हटा ली गई है। हाईकोर्ट की अनुमति से अब मामले की सुनवाई होगी। क्योंकि यह मामला अभी कोर्ट में विचारणीय है। इसलिए जब तक इस मामले को कोर्ट डिसाइड नहीं कर देता है तब तक ईडी द्वारा सीएम को जारी समन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शराब घोटाला मामले में आप सांसद संजय गिरफ्तार

NEW DELHI : आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह को ईडी ने किया गिरफ्तार कर लिया है। शराब घोटाला मामले में पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है। इससे पहले शराब घोटाला मामले में उनके आवास पर ईडी ने रेड भी किया था। वहीं, उनकी गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी में भारी गुस्सा है। आम का कहना है कि 'इंडिया' गठबंधन की बढ़ती ताकत देखकर केंद्र सरकार घबरा गई है। इस कारण वो अनुचित कार्रवाई कर रही है। ईडी ने आप नेता संजय सिंह को गिरफ्तार करने से पहले उनके आवास पर रेड किया था। वहीं ईडी की कार्रवाई को लेकर आप नेता राघव चड्ढा ने कहा कि बते करीब पंद्रह महीनों से बीजेपी आम आदमी कार्यकर्ता पर शराब घोटाले का आरोप लगा रही है। पिछले 15 महीनों में उसने ईडी और सीबीआई से 1000 स्थानों पर छापे मारे हैं। कुछ लोगों को गिरफ्तार करने के बाद जांच के बहाने और 1000 जगहों पर छापेमारी की। किसी भी एजेंसी को एक भी पैसा नहीं मिला। यह हताश बीजेपी है जो आगामी चुनाव हारने वाली है इसलिए डर के मारे ऐसा कर रही है जिसके कारण आज हमारी पार्टी के सदस्य संजय सिंह के घर पर ईडी ने छापा मारा है।

एशियाड के 11वें दिन भारत ने जीते तीन गोल्ड
जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण, किशोर ने जीता सिल्वर

AGENCY HANGZHOU : भारत ने 19वें एशियन गेम्स के 11वें दिन बुधवार को तीन गोल्ड जीते हैं। वर्ल्ड एंड ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद भारतीय टीम मेंस 4७400 मीटर रिले रेस में अव्वल रही। इस इवेंट की खास बात यह रही कि सिल्वर मेडल भी भारत की झोली में आया। भारत के किशोर कुमार दूसरे नंबर पर रहे। इससे पहले, आर्चरी मिक्स्ड टीम ने दिन का पहला गोल्ड दिलाया। तीसरा गोल्ड 4*400 रिले मेंस में भारत को मिला। बुधवार को भारत ने तीन गोल्ड के अलावा पांच सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज समेत 12 मेडल जीते हैं। इन मेडल के साथ भारत के कुल मेडल 81 हो गए हैं। इनमें 18 गोल्ड, 31 सिल्वर और 32 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इन मेडल के सहारे भारत ने एशियन गेम्स में अपने ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस को पीछे छोड़ दिया है।

गोल्ड जीतने के बाद चीयरअप मूड में नीरज चोपड़ा।

हॉकी में भारतीय मेंस टीम फाइनल में पहुंची

भारतीय मेंस हॉकी टीम साउथ कोरिया को 5-3 से हराकर फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम का फाइनल मुकाबला जापान से 6 अक्टूबर को होगा। भारत के लिए हार्दिक सिंह (5वें मिनट), मनदीप सिंह (11वें मिनट), ललित उपध्याय (15वें मिनट), अमित रोहिदास (24वें मिनट) और अभिषेक (54वें) ने गोल किए। साउथ कोरिया के लिए तीन गोल हुए और तीनों ही माने जुंग (17वें, 20वें और 42वें मिनट) ने किए। डिफेंडिंग चैंपियन जापान ने दिन के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में चीन को 3-2 से हराया।

महाराष्ट्र के अस्पताल में 31 मौतों का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

MUMBAI : महाराष्ट्र में नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में 1 से 3 अक्टूबर के बीच 31 मरीजों की मौत पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने खुद सुनवाई का फैसला किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से गुरूवार तक हेल्थ बजट का ब्योरा मांगा है। इससे पहले 3 अक्टूबर की शाम शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल नांदेड के अस्पताल पहुंचे और मौत के मामले पर नाराजगी जताते हुए डीन एसआर वाकोडे से टॉयलेट साफ करवाया। घटना का फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने हेमंत पाटिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। डीन ने आरोप लगाया है कि सांसद ने उन्हें उनकी ड्यूटी करने से रोका और बेइज्जत किया। उधर, छत्रपति संभाजीनगर के शासकीय मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में 24 घंटे में 18 मरीजों की मौत हुई, इनमें 2 नवजात थे। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि ये मौतें 2 अक्टूबर सुबह 8 बजे से 3 अक्टूबर की सुबह 8 बजे के बीच हुईं। नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में हुई. 31 मौतों को मिलाकर महाराष्ट्र के दो अस्पतालों में बीते तीन दिनों में 49 मरीजों की मौत हुई है। नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में जिन 31 लोगों की मौत हुई, उनमें 16 बच्चे थे। इस अस्पताल में 30 सितंबर की रात से मौतों का सिलसिला जारी है। यहां अभी भी 70 मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सिक्किम में फटा बादल 8 की मौत, 49 लापता कैंप व 41 गाड़ियां डूबीं

बादल फटने से राज्य को देश से जोड़ने वाला हाईवे भी बहा।

AGENCY GANGTOK : सिक्किम में मंगलवार देर रात बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने की वजह से 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 49 लोग लापता हो गए। इनमें सेना के 23 जवान हैं। मामले में पाक्योंग के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ताशी चोपेल ने सभी जवानों के मौत की आशंका जताई है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नदी से लगे इलाके में ही आर्मी कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आने के बाद बह गया और यहां खड़ी 41 गाड़ियां डूब गईं। आसपास के 4 हजार लोगों को 5 राहत शिविरों में सुरक्षित पहुंचा दिया गया है। बाढ़ की वजह से राज्य को देश से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे एनएच-10 भी बह गया। इसकी वजह से आवागमन की सुविधा बंद हो गई है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

गुवाहाटी के डिफेंस पीआरओ ने बताया कि हादसे के बाद सेना के लापता जवानों की तलाशी के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन भी अपने स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। हालांकि जानमाल के नुकसान को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है। एनडीआरएफ ने सिक्किम के सिंगतम से 7 लोगों को बचाया जहां बादल फटने से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। एनडीआरएफ की एक टीम गंगटोक में और दो टीमें पश्चिम बंगाल के सिक्किम से सटे इलाकों में तैनात हैं। इससे पहले सिक्किम में 16 जून को भी बादल फटा था। यहां के पेक्योन्ग में जमीन खिसकने और फिर बादल फटने से घरों में पानी भर गया था।

तेलंगाना में 889 करोड़ की लागत से बनेगी सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, 600 रुपये में मिलेगा सिलेंडर

मोदी कैबिनेट का फैसला : LPG और 100 रुपये सस्ता

AGENCY NEW DELHI : मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला आया है। सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी राशि 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति एलपीजी सिलेंडर कर दी है। कैबिनेट फैसले को लेकर मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह बात कही है। वहीं, कैबिनेट में फैसला लिया गया है कि तेलंगाना में 889 करोड़ की लागत से सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी बनेगी। कैबिनेट में किये गये फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गये है। जिसके तहत केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर पर अतिरिक्त 100 रुपये की सब्सिडी दे रही है। इसके साथ ही तेलंगाना में केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय खोलने को भी मंजूरी दी गई है। वहीं कैबिनेट ने सेंट्रल टर्मरिक बोर्ड बनाने को भी मंजूरी दी है।

अगस्त माह में कीमत पर 200 रुपये की हुई थी कटौती

मोदी सरकार ने आज यानी बुधवार को उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिये सब्सिडी 200 रुपये प्रति सिलेंडर से बढ़ाकर 300 रुपये करने की घोषणा की है। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद के यह जानकारी दी। बता दें, उज्ज्वला लाभार्थी फिलहाल 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के लिये 703 रुपये देते हैं, जबकि इसका बाजार मूल्य 903 रुपये है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद उन्हें सिलेंडर 603 रुपये में मिलेगा। इससे पहले अगस्त में रक्षाबंधन से ठीक पहले सरकार ने एलपीजी सिलेंडर के दामों में 200 रुपए की कटौती की थी। ये कटौती सभी के लिए की गई थी। इस कटौती के बाद भोपाल में बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 1108.50 रुपए से घटकर 903.50 रुपए हो गई थी। योजना के तहत लाभार्थियों को पहली बार में गैस सिलेंडर और गैस चूल्हा फ्री में दिया जाता है। योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा होती है। अब तक देश में 9.6 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन दिए जा चुके हैं। अगस्त में कैबिनेट ने योजना के तहत 75 लाख लाभार्थियों को और जोड़ने की मंजूरी दी थी।

BRIEF NEWS

लोहरदगा में याद किए गए शहीद एसपी अजय सिंह

LOHARDAGA : शहर में स्थित अजय उद्यान में शहीद एसपी अजय कुमार सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुलिस के जवानों ने उन्हें सलामी दी। शहीद एसपी की याद में लोहरदगा ब्लॉक परिसर स्थित नगर भवन में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर डीडीसी, एसपी, एसडीओ सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा शहर के लोग मौजूद थे।

पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश ने बढ़ाया पतरातू डैम का जलस्तर

RAMGARH : जिले में पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। यहां तक की पतरातू डैम में भी पानी खतरे के निशान तक पहुंचने वाली है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से डैम प्रशासन ने एक फाटक खोलकर पानी का बहाव दामोदर नदी में छोड़ दिया है। जिला प्रशासन और पतरातू के प्रबंधन के द्वारा लोगों को अलर्ट किया जा रहा था। पतरातू डैम का फाटक खोलने से नलकारी जलाशय और दामोदर नदी मैं भी पानी बढ़ गया है। आम नागरिकों से जिला प्रशासन ने अपील की है कि वह इस दौरान नदियों के किनारे ना रहे। यहां तक कि वह अपने मवेशियों को भी नदियों से दूर रखें।

जिला स्तरीय तीन दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न, विजेता खिलाड़ी पुरस्कृत

KHUNTI : जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय हेल्थ क्लब में आयोजित जिला स्तरीय तीन दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन बुधवार को हुआ। इस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 45 प्लस, 35 प्लस, अंडर 19 सिंगल व डबल्स, अंडर 15 सिंगल व डबल्स और महिला वर्ग में 35 प्लस, अंडर 19 सिंगल व डबल्स, अंडर 15 सिंगल व डबल्स, मिक्स डबल ओपेन तथा ओपेन डबल के लिए अलग-अलग टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 60 मैच हुए जिसमें 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का संचालन झारखंड बैडमिंटन संघ के रेफरी वसीम अकरम द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के समापन पर बुधवार को विभिन्न वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। पुरस्कारों का वितरण मुख्य अतिथि डीसीएलआर जितेंद्र मुंडा, जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार, ओलंपिक संघ खूंटी के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल बैडमिंटन एसोसिएशन खूंटी के सचिव सचिव शशि पांडे, कोषाध्यक्ष दिलीप कर आदि अतिथियों ने किया। मौके पर सुमित पाल लकड़ा, प्रेम सागर सुरीन, शशि होरो, सत्यम मिश्रा, वसीम अकरम, लखन प्रधान अनिल तिडू, अमन कुमार, गौरव कुमार, देवा हस्सा आदि उपस्थित थे।

झारखंड राज्य खाद्य आयोग रांची के अध्यक्ष ने की कई योजनाओं की समीक्षा

KHUNTI : झारखंड राज्य खाद्य आयोग, रांची के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को परिसदन, खूंटी में सुनवाई और जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पीडीएस, एमडीएम, आइसीडीएस और एमटीसी से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। जनसुवाई कार्यक्रम के दौरान जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वारा राशन वितरण में बरती जा रही अनियमितता के संबंध में 70 लाभुकों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। मौके पर अध्यक्ष द्वारा संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में कर्रा प्रखंड के कई लोगों ने राशन कार्ड नहीं मिलने की शिकायत की। पीडीएस के लाभुकों ने अध्यक्ष को बताया कि राशन सामग्री देने से पूर्व ही ठेपा लगवा लिया जाता है और राशन भी नहीं दिया जाता है। कई लाभुकों ने बताया कि डीलरों द्वारा नाप-तौल में भी अनियमितता बरती जाती है। एक अन्य महिला ने मातृ वंदना योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष द्वारा फरियादियों को यथोचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया गया।

बाबूलाल ने सीएम हेमंत सोरेन पर जमकर साधा निशाना, बोले-

ईडी के डर से भागते फिर रहे सीएम

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के छतरपुर प्रखंड के फुलवारी मैदान में बुधवार को संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबों के लिए पीएम आवास दिया। फ्री गैस कनेक्शन दिया। जनधन योजना को चालू करवाया। कोरोना काल में मुफ्त में राशन कार्डधारी को 5-5 किलो अनाज दिया। मोदी गरीबों और महिलाओं की चिंता करते हैं, ताकि कोई गरीब घर में भूखा न रहे।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जनकल्याण योजना के तहत 13 हजार करोड़ रुपये की योजना पारित किया गया है। देश में 35 प्रतिशत का आरक्षण महिलाओं को देकर जन कल्याण के लिए भागीदार बनाया है। आयुष्मान कार्ड के तहत गरीबों के लिए पांच लाख का बीमा का प्रावधान किया। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोला गया।

मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके राज में भ्रष्टाचार की दुकान खुल चुकी है। बस पैसा फेंकिए और तमाशा देखिए। राज्य में सभी विभागों में व्यवस्था चरमरा गई है। मुख्यमंत्री ईडी के डर से भागते फिर रहे हैं। आज मेरा जहां संकल्प यात्रा हो रहा है, वहां मेरे पीछे-पीछे भागते आ रहे हैं, ताकि मेरी संकल्प यात्रा फेल हो जाए लेकिन कुछ होने वाला नहीं है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि झारखंड को बचाना है तो 2024 में भाजपा को लाना है।

छत्तरपुर-पाटन विधायक पुष्पा देवी ने भी हेमंत सोरेन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस सरकार में किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं है, चाहे वो शिक्षा विभाग हो या स्वास्थ्य विभाग या जनवितरण प्रणाली, सभी जगह व्यवस्था चरमरा गई है। स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों की कमी है। कोई सुध लेने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण बिल लाकर महिलाओं को सम्मान दिया है। इसलिए सभी जनता से अपील करती हूं कि 2024 में हेमंत सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना है, तभी राज्य का कल्याण होगा।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद सह भाजपा नेता मनोज कुमार, पूर्व सांसद ब्रजमोहन राम, प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय, जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक, प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह, उपाध्यक्ष सुनील पासवान, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ललन पांडे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व लोग उपस्थित थे।

छतरपुर प्रखंड के फुलवारी मैदान में बाबूलाल का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

जमीन विवाद में मंत्री सहित आठ के खिलाफ आरोप गठन

PHOTON NEWS DUMKA : जमीन विवाद मामले में बुधवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. हफीजुल हसन सहित आठ आरोपी एमपी एमएलए की विशेष अदालत में पेश हुए। अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी जितेन्द्र राम की अदालत में देवघर जिले के मधुपुर अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में दाखिल परिवाद केस में मंत्री समेत आठ आरोपियों की ओर से वरीय अधिवक्ता एखलाक अहमद उर्फ पप्पू ने पैरवी की। अदालत में आरोपियों के खिलाफ आरोप गठन किया गया।

अगली तिथि 13 अक्टूबर मुकर्रर की गयी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता के अनुसार देवघर जिले के मधुपुर की रहनेवाली शांति देवी नामक महिला ने मधुपुर के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में चोरी, जमीन विवाद और मारपीट का आरोप लगाते हुए पीसीआर दाखिल किया था। 24 नवंबर 2013 को हुई घटना में हफीजुल अंसारी,मो. तनवीर, सुबोधानंद चौधरी, मुरारी चौधरी, सुशील अग्रवाल, राजेश पंसारी,पप्पू बथवाल और पल्टु बथवाल को आरोपित बनाया गया था।

मो. हफीजुल वर्तमान में राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हैं। इस मामले में सभी आरोपित पूर्व से जमानत पर हैं। बचाव पक्ष के अधिवक्ता के अनुसार संबंधित मामले में दोनों पक्षों में सुलह हो गई और न्यायालय में पूर्व में ही संयुक्त रूप से सुलह पत्र दाखिल किया जा चुका है। परिवादी की ओर से अभिजीत शेखर न्यायालय में पैरवी की।

भाजपा नेता का मकान ढहा तीन वाहन क्षतिग्रस्त, कोई हताहत नहीं

PHOTON NEWS DHANBAD : झरिया के भाजपा नेता सह मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल का जर्जर मकान लगातार हो रही बारिश की वजह से ढह गया। इससे वहां खड़ी गई गाड़िया उसके चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना में लाखों रुपए के वाहनों को क्षति हुई है।

बताया जाता है कि झरिया थाना क्षेत्र के चार नंबर टैक्सी स्टैंड स्थित भाजपा नेता राजकुमार अग्रवाल के एक जर्जर मकान का क्षतिग्रस्त हिस्सा बुधवार की अहले सुबह लगभग 4:30 बजे गिर गया। इसकी चपेट में आकर महिंद्रा जाइलो, टाटा इंडिगो और एक एंबेसडर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं बगल में खड़ी स्विफ्ट डिजायर कर में मामूली क्षति हुई है। गनीमत यह रही कि इसकी चपेट में कोई इंसान नहीं आया, अन्यथा यह एक बड़ी घटना का रूप ले सकता था।

मकान का हिस्सा गिरने की खबर जंगल में लगी आग की तरह इलाके में फैल गई, जिससे सुबह होते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मकान पिछले कई महीनो से जर्जर स्थिति में था। वहीं पिछले चार दिनों से लगातार धनबाद में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण मकान बुधवार की अहले सुबह एकाएक ढह गया।

घटना के बाद सड़क पर मकान का मलवा गिरने से आवागमन बाधित हो गया। अंदर मोहल्ले से सड़क की ओर कोई भी दो पहिया या चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया था। इसके बाद जेसीबी की मदद से हटवाया गया, तब जाकर आवागमन सामान्य हो सका।

क्षतिग्रस्त मकान का मलबा हटाता जेसीबी। ● फोटोन न्यूज

नाले में फंसी प्लास्टिक निकाल रहे अधेड़ पर गिरी चहारदीवारी, मौत

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के निमियां गांव में नाले में फंसी प्लास्टिक को निकालने के दौरान चहारदीवारी गिर जाने से उसके मलबे में दबकर एक अधेड़ की मौत हो गई। अधेड़ की पहचान 45 वर्षीय निर्जल कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना मंगलवार की देर रात बताई गई है। बुधवार सुबह में घटना की जानकारी हुई।

बताया जाता है कि निर्जल कुमार सिंह के घर के बगल से नाला बहता है। नाले में प्लास्टिक फंस गई थी। पानी निर्जल के घर में सीपेज कर रहा था। फंसी प्लास्टिक को निकालने के लिए मंगलवार की रात करीब एक बजे निर्जल नाले की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान चहारदीवारी गिर गई, जिसके मलबे में कई घंटे तक निर्जल दबे रहे। सुबह करीब 4.30 बजे उनकी मां ने खोजबीन की तो देखा गया कि नाले के पास मलबे में निर्जल दबे हुए हैं। सिर पर पिलर गिर गया था। उनकी सांस चल रही थी। आनन-फानन में उन्हें एमएमसीएच ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

परिजनों के अनुसार निर्जल की पत्नी पुलिस विभाग में सहायक अवर निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। एक लड़का एक लड़की है। मां और दोनों बच्चे और निर्जल निमियां स्थित घर में रहते थे। उनका अपना घर मेराल पाटन में है।

निर्जल कुमार सिंह की फाइल फोटो।

अधेड़ को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

SAHIBGANJ : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के श्रीराम चौकी स्थित संथाली बस्ती के तुरी टोला में शंकर तुरी (50) को अपराधियों ने गर्दन में गोली मारकर घायल कर दिया। परिजनों ने आनन-फानन में मंगलवार रात को जिला सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सूचना मिलने के बाद बुधवार अहले सुबह ओपी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल ने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। कुछ संदिग्ध लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार शंकक तुरी के घर के बगल में कुछ लोग शराब के नशे में झगड़ा कर रहे थे। झगड़ा को सुलझाने के लिए वो वहां गया था। अपराधियों ने उसके गर्दन में गोली मार दी। खून से लथपथ अधेड़ वहीं गिर गया। गोली मारकर अपराधी फरार हो गए।

थाना प्रभारी प्रणीत पटेल ने बताया कि घटना में शामिल आरोपितों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

लगातार बारिश से गिरे कई घर, दीवार से दबकर अधेड़ की मौत

बारिश से गिरे मिट्टी के घर। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA : जिले के जयनगर प्रखंड के सतडीहा पंचायत के लतबेधवा गांव में अधिक वर्षा होने के कारण मिट्टी का घर गिरने से सदानंद सिंह (54) की मौत हो गयी। बताया जाता है कि वह घर में था और इसी दौरान मिट्टी के घर की दीवार गिरने से वह उसमें दब गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। सदानंद सिंह को दो पुत्र एक पुत्री, पत्नी और मां है। अबतक उसे किसी भी आवास योजना का लाभ नहीं मिला था और पूरे परिवार के साथ कच्चे घर में रहता था।

इधर, मरकच्चो में चार दिनों से हो रही बारिश से प्रखंड में आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस बारिश से खरीफ फसलों से के फायदा के साथ-साथ जल स्त्रोतों में पानी लबालब भर गया है। लेकिन वही गरीब परिवारों को भारी संकट से गुजरना पड़ रहा है। मरकच्चो प्रखंड के पपलो पंचायत स्थित ग्राम बिन्धनिया निवासी आशा देवी और पपलो निवासी अंजनी देवी का कच्चा मकान मंगलवार की रात गिर गया। घर के अंदर कई आवश्यक सामान दब गया।

भारी बारिश से तोरपा में गिरे कई घर, मुआवजे की मांग

KHUNTI : पिछले चार दिनों से लगातार हो रही झमाझम वर्षा से सड़कों पर जलजमाव हो गया है। पानी की निकासी नहीं होने से इस तरह की समस्या उत्पन्न हुई है। इसके कारणआवागमन मे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही कई कच्चे मकान गिर गये। तोरपा प्रखंड मुख्यालय के साहू मुहल्ला निवासी बालचंद साहू का घर बुधवार अहले सुबह ढह गया। मंगलवार की रात हुई मूसलाधार वर्षा की वजह से दीवार गिर गई, जिससे घरेलू उपयोग की वस्तुएं बर्बाद हो गई। तोरपा पूर्वी पंचायत के उप मुखिया राजू साहू ने मामले को संज्ञान में लेकर बीडीओ दयानंद कार्जी और अंचलाधिकारी सच्चिदानंद वर्मा को घटना से अवगत कराया तथा उचित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बीडीओ से बालचंद साहू को पीएम आवास का लाभ देने की भी मांग की। इसके अलावा दियांकेल बडरूोली निवासीहीरा स्वांसी, लकरियास तोपनो तथा डोड़मा तेली टोली के साधु महतो, बबलू लोहरा और किशोर महतो तथा बिमल भेंगरा केघरभी भारी बारियश के कारणगिर गये। घटना जाकनारी मिलने पर तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख संतोष कर ने घटना की जानकारी ली और प्रशासन से उचित मुआवजा प्रभावितों को देने की मांग की।

पिठोरिया मंडल में बूथ सशक्तिकरण के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी पिठोरिया मंडल में बूथ सशक्तिकरण के निमित दूसरा बैठक बुधवार को पिठोरिया में किया गया। बैठल में मुख्य रूप से बूथ सत्यापित का कार्य किया गया। जिसमें पिठोरिया मंडल के सभी 63 बूथों का सत्यापन किया गया। पिठोरिया मंडल अध्यक्ष गोपाल महतो की अध्यक्षता में बैठक की गई। प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रभारी अनिल टाईगर और रामप्रवेश नायक भी मौजूद रहे।

मौके पर अनिल टाईगर ने कहा कि आगामी 2024 चुनाव के मद्देनजर पार्टी के निदेर्शानुसार सभी मंडल में बूथ सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि 2024 में फिर से हमारे यषस्वी नेता नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनना है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐसी मोर्चा प्रदेश मंत्री खुदा राम, लखन उरांव, शंकर महतो, मनोज राम, सुरेश राम, मुनि मुंडा, सुरेंद्र गोप, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्रवण गोप, उदय कुमार, विकास मुडां, महिला मोर्चा अध्यक्ष मीरा देवी, उषा देवी, अनुराधा देवी, फुल मनी लकड़ा, मनीषा देवी, विनोद रजक, अखिलेश्वर पाठक, बीरवा लिंडा, साल्कू महतो, इंद्रजीत मिश्रा, रामप्रसाद गोप, रविंद्र प्रसाद, मोती राम महतो, अर्जुन महतो, सहित सेकड़ौ भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैठक में शामिल कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

नैक की तैयारियों को लेकर बनायी गयी कमेटी, डॉ अनिल चंद्र पाठक बने अध्यक्ष

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वर्कर्स कॉलेज में नैक की तैयारी जारी है। इसके लिए नैक प्रिपरेशन कमिटी गठन किया गया है, जिसके अध्यक्ष डॉ. अनिल चंद्र पाठक को नियुक्त किया गया है। नैक के सात क्राइटेरिया के अंतर्गत महाविद्यालय का मूल्यांकन किया जाता है। इस हेतु सभी सातों क्राइटेरिया के लिए सात अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। बुधवार को सभी तैयारियों का जायजा लेने के लिए इन्ही टीमों के प्रभारी एवं सदस्यों की एक बैठक का आयोजन, महाविद्यालय के ऑडियो-विजुअल हॉल में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त पदाधिकारी डॉ पीके पाणि ने की।

मौके पर उन्होंने नैक के विभिन्न मूल्यांकन बिंदुओं के बारे में बताया तथा महाविद्यालय की नैक की तैयारियों का जायजा लिया। सात क्राइटेरिया के सभी सदस्यों ने अपनी-अपनी प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी प्रो कुमारी प्रियंका, नैक कमिटी के अध्यक्ष प्रो. अनिल चंद्र पाठक तथा महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।

गहरी खाई में गिरा बॉक्साइट लदा ट्रक, 2 की मौत, 6 घायल

PHOTON NEWS GUMLA : जिले के बिशुनपुर प्रखंड के नेतरहाट घाटी स्थित जोहन डेरा के समीप बुधवार सुबह बॉक्साइट लदा ट्रक पांच सौ फुट नीचे खाई में गिर गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार कुजाम पाठ से माइंस ट्रक (जेएच 08सी 2638) बॉक्साइट लोड कर लोहरदगा जा रहा था। ट्रक में चालक सहित आठ व्यक्ति सवार थे। गाड़ी के नेतरहाट घाटी स्थित जोहन डेरा के समीप एक संकरे घुमावदार तीखे मोड़ के पास पहुंचते ही चालक ने नियंत्रण खो दिया। ट्रक लगभग 500 फीट नीचे खाई में जा गिरा। गाड़ी में सवार दो लोगों कोरकोट निवासी ज्योतिष मुंडा एवं चपटोली निवासी सयुब मियां की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बिशुनपुर पुलिस एवं गुरदरी पुलिस घटनास्थल पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायलों लोहरदगा निवासी नदीम अंसारी, कोरकोट निवासी जॉनसन ठिठियो, पोलपोल पाठ निवासी डेविड असुर, नीलिमा असुर, कोरकोट निवासी कमला ठिठियो, लूटो कोटा निवासी नौशाद अंसारी को रेस्क्यू कर खाई से बाहर निकाला।

घायलों को लेकर अस्पताल पहुंचे लोग। ● फोटोन न्यूज

अपनी जमीन ढूंढने POLICE LINE पहुंची जिला परिषद की टीम, मचा हड़कंप

सार्जेंट मेजर के साथ टीम ने की वार्ता, मामला शांत

PHOTON NEWS RAMGARH : जिला परिषद की पूरी टीम अचानक अपनी जमीन को ढूंढने में जुट गई है। बुधवार को यह टीम जैसे ही पुलिस लाइन में पहुंची, वहां हड़कंप मच गया। क्वार्टर और बैरक में मौजूद सिपाही अचानक से इस बात से गुस्सा हो गए की महिलाओं की पूरी फौज बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक से लाइन में घुस गई। जिला परिषद की टीम अपनी जमीन तलाश रही थी, लेकिन आधारभूत संरचना के अभाव में किसी तरह अपनी ड्यूटी करने के लिए तैनात सिपाही काफी अस्त-व्यस्त थे।

महिलाओं को देख पुलिस लाइन में हर व्यक्ति सकपका गया। जिला परिषद की टीम के साथ डीडीसी भी मौजूद थे। वे लोग अपनी जमीन की भौतिक स्थिति की जांच कर रहे थे। अचानक उनकी इस पहल से पुलिस लाइन में मौजूद पदाधिकारी और सिपाहियों की भौंहें चढ़ गई थी। हालांकि बाद में जिला परिषद की टीम और सार्जेंट मेजर के बीच हुई बैठक के बाद पूरा मामला शांत हो गया।

रामगढ़ शहर में जिला परिषद की जमीन कई स्थानों पर मौजूद है। उसकी जमीन पर वर्तमान में पुलिस लाइन भी संचालित हो रहा है। जिला परिषद की जमीन का पूरा निरीक्षण भी किया गया। इस संबंध में डीसी रोबिन टोप्पो ने बताया कि रामगढ़ शहर में कई स्थानों पर जिला परिषद की जमीन मौजूद है। कुछ स्थानों पर इसका अतिक्रमण कर लिया गया है। कुछ स्थानों पर अभी भी सरकारी कार्यालयों का संचालन हो रहा है।

सार्जेंट मेजर के साथ वार्ता करते जिला परिषद की टीम। ● फोटोन न्यूज

छोड़ दिए जाने से नाराज प्रेमी ने प्रेमिका पर किया चाकू से किया जानलेवा हमला

PHOTON NEWS CHAIBASA : प्रेमिका के छोड़ देने से आहत प्रेमी ने प्रेमिका पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपित युवक को पकड़ कर लोगों ने जमकर पिटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के पोकाम गांव में बुधवार सुबह युवती घर के पास बर्तन धो रही थी। इसी दौरान संजय बेहरा हाथ में धारदार भुजाली लेकर आया और युवती के पेट पर कई वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। लहूलुहान अवस्था में युवती को जगन्नाथपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित भाग गया। बाद में आरोपित प्रेमी भी घायल प्रेमिका को देखने के लिए मोटरसाइकिल से पीछा करते हुए आया, जिस पर लड़की के जीजा और उसके सहयोगी ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और जगन्नाथपुर पुलिस को सौंप दिया।

BRIEF NEWS

रांची में मॉक ड्रिल, लश्कर ए तैयबा के तीन आंतकी ढेर

RANCHI : जिले के डोरंडा स्थित जैप-1 ग्राउंड में बुधवार को बम के धमाके होने लगे। यह धमाका आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) और लश्कर-ए-तैयबा के बीच हुआ। एटीएस की टीम वीवीआईपी को छुड़ाने को लेकर हमला कर रही थी। यह लाइव मॉक ड्रिल 18वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट में हो रहा था। झारखंड पुलिस मुख्यालय को सूचना मिली कि गढ़वा से रांची जा रहे एक वीवीआईपी को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने अगवा कर लिया है। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने आतंकियों से निपटने के लिए तुरंत एटीएस को भेजा। एटीएस की टीम वारदात की जगह पहुंची और बहादुरी दिखाते हुए बंधक बनाए गए वीवीआईपी को छुड़ा लिया। साथ ही एटीएस ने लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों को भी मार गिराया।

80 फीसदी से अधिक मतदान हो, इसके लिए काम करें : के रवि कुमार

RANCHI : मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग के तत्वावधान में राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों से संबद्ध सभी एईआरओ के दो दिवसीय क्रमागत प्रशिक्षण बुधवार को शुरू हुआ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने प्रखंड स्तरीय अधिकारियों से कहा कि आगामी आम चुनाव में झारखंड में मतदान प्रतिशत को 80 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसको लेकर सभी को अपने-अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने होंगे। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सबसे पहले जो काम करना होगा, वह है मतदाता सूची को त्रुटि विहीन बनाना तथा छूटे हुए मतदाताओं का पंजीकरण करना।

आंगनबाड़ी सेविकाओं का राजभवन के सामने धरना

RANCHI : राज्य भर के आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं बुधवार को मोरहाबादी मैदान में जुटीं। इसके बाद मार्च किया। प्रशासन ने इन्हें राजभवन के पास ही रोक दिया, जहां पर प्रदर्शन किया गया। झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम को झारखंड राज्य अनुबंध कर्मचारी महासंघ ने भी समर्थन दिया। सेविका और सहायिकाएं हाथ में आंगनबाड़ी सेविका को महिला पर्यवेक्षिका की बहाली में आरक्षण ,उम्र सीमा में छूट , विषय और शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता को शिथिल करने , केंद्रांश मानदेय मद की राशि में वृद्धि, हर महीने पांच तारीख को मानदेय देने आदि की तख्तियां ली हुई थीं।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रेमडेसिविर इंजेक्शन कालाबाजारी केस : 6 आरोपियों पर चार्जशीट व दुकान का लाइसेंस रद्द करने के बाद एसआईटी की जांच खत्म

रिम्स के दो कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू, आईपीएस अनिल पालटा ने दी जानकारी

CRIME REPORTER RANCHI : रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी की जांच के लिए गठित एसआईटी ने इस केस में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी साझा की है। एसआईटी के अध्यक्ष और वरीय आईपीएस अधिकारी अनिल पालटा ने यह जानकारी दी है कि इस मामले की जांच पूरी कर ली गई है और इसकी जानकारी झारखंड हाईकोर्ट को भी दे दी गई है। इस केस में 6 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है, जिसमें राजीव कुमार, सुषमा कुमारी, कविलाश चौधरी, अंजू कुमारी, अनीश कुमार सिन्हा, पुनीत प्रजापति और आशीष गुप्ता शामिल हैं। इसके साथ ही जिस दुकान से रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी होती थी, उस दुकान (श्री साईं कृपा मेडिकल एन्ड सर्जिकल) का लाइसेंस रद्द करवा दिया गया है और इस केस में संलिप्त पाए जाने वाले रिम्स के दो कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू हो गई है।

अनिल पाल्टा के नेतृत्व में गठित की गई थी SIT

वर्ष 2021 में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी का यह बहुचर्चित मामला तब सामने आया था, जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच लोगों की जान जा रही थी। तब रांची पुलिस की टीम ने कालाबाजारी मामले में कांके रोड निवासी राजीव कुमार सिंह को गिरफ्तार किया था। इस मामले में रांची के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसके बाद इस केस के अनुसंधान की जिम्मेदारी सीआइडी को मिली थी। सीआइडी ने गिरफ्तार राजीव कुमार सिंह को जेल भेज दिया था। हाईकोर्ट के आदेश पर रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी मामले के अनुसंधान के लिए सीआईडी के तत्कालीन एडीजी अनिल पाल्टा के नेतृत्व में गठित एसआइटी को दी गई थी।

कालाबाजारी मामले की जांच में कई अहम खुलासे हुए

कोरोना काल में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी मामले जांच में कई अहम खुलासे हुए थे। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी की जांच में खुलासा हुआ है कि रांची के हिनू में स्थित सृष्टि अस्पताल के साथ साईं कृपा दवाखाना में 250 रेमडेसिविर इंजेक्शन दिया गया था। बता दें कि साईं कृपा दवाखाना का संचालन सृष्टि अस्पताल परिसर में ही होता है। साईं कृपा दवाखाना द्वारा सेल इनवॉइस में छेड़छाड़ कर जाली कागजात तैयार किए गए थे। इसके अलावा काफी मरीजों को बिना रेमडेसिविर का इंजेक्शन लगाए ही, इंजेक्शन लगाया हुआ दिखा दिया गया। एसआईटी जांच में खुलासा हुआ है कि साईं कृपा दवाखाना से इंजेक्शन का गबन किया गया। फिर उसे दुगार्पुर, गिरिडीह और बोकारो भेजा गया। एसआईटी ने साईं कृपा दवाखाना के कंप्यूटर का हार्ड डिस्क जब्त कर उससे उड़ाए गए सभी डाटा को रिकवर किया। इसमें खुलासा हुआ है कि साईं कृपा दवाखाना को इंजेक्शन का सरकारी रेट पता होने के बावजूद उसे महंगे दाम पर बेचा गया था।

मदरसे में बच्ची से छेड़छाड़, मौलाना समेत दो के खिलाफ एफआईआर

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के ओरमांझी स्थित मदरसे में पढ़ने वाली मासूम बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मदरसे में पढ़ाने वाला मौलाना और मस्जिद की देखभाल करने वाला ही मासूम के साथ गंदी हरकत करता था। जब बच्ची ने अपने घर मौलाना की इस करतूत के बारे में बताया, तब घरवालों ने ओरमांझी थाना पहुंचकर आरोपी मौलाना के खिलाफ मामला दर्ज करवाई। पीड़ित परिवार की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक पीड़िता और उसके साथ पढ़ने वाली अन्य बच्ची जामा मस्जिद मखतब में पढ़ने जाती है। मदरसे में मौलाना आलम अंसारी और देखभाल करने वाला बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करते है। जबरन अपने गोदी में बैठाकर अश्लील विडियो दिखाया जाता है। इस

दौरान अश्लील हरकत भी की जाती थी। पीड़ित के परिजनों ने अनुसार मामले की शिकायत मस्जिद कमेटी से भी की गई लेकिन वो लोग इंकार करते हुए कहा कि जो करना है करो। इसके बाद पीड़ित ओरमांझी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया। पुलिस परिजनों की शिकायत पर मौलाना और उसके सहयोगी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और पॉक्सो की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर ली है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

NTPC भूमि मुआवजा घोटाला की जांच के लिए दायर PIL खारिज, प्रार्थी पर एक लाख जुर्माना

भूमि अधिग्रहण के दौरान हुए तीन हजार करोड़ का घोटाला मामले में हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : हजारीबाग में एनटीपीसी के लिए हुए भूमि अधिग्रहण के दौरान कथित रूप से हुए तीन हजार करोड़ के भूमि-मुआवजा घोटाला की जांच के लिए दायर याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। साथ ही अदालत ने इस केस के याचिकाकर्ता मंटू सोनी पर एक लाख का जुर्माना भी लगाया है। सुनवाई के दौरान अदालत में एनटीपीसी की ओर से उपस्थित वरीय अधिवक्ता अजित कुमार ने कोर्ट को बताया कि मंटू सोनी पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसकी जानकारी छिपाकर उन्होंने यह याचिका दाखिल की है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई।

जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित हुई थी

दरअसल वर्ष 2016 में हजारीबाग में भूमि-मुआवजा से संबंधित गड़बड़ियों के सामने आने के बाद तत्कालीन डीसी मुकेश कुमार की अनुसंशा पर राज्य सरकार ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की थी। एसआईटी की टीम ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट में 3000 करोड़ के भूमि मुआवजा घोटाले किए जाने और 300 करोड़ मुआवजा बांट दिए जाने की जानकारी दी थी। प्रार्थी के मुताबिक, राज्य सरकार द्वारा कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ एनटीपीसी के प्रबंध निदेशक और हजारीबाग उपायुक्त को पत्राचार किया गया है। वहीं देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता वाली एसआईटी की रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

विधानसभा सचिव सात दिन में जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद कमीशन की रिपोर्ट प्रस्तुत करें : हाईकोर्ट

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट अब तक कोर्ट में प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि कोर्ट के तीन बार आदेश के बाद भी विधानसभा सचिव की ओर से अब तक जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट नहीं आई है। यह कानूनी प्रक्रिया में व्यवधान का मामला बनता है। कोर्ट ने विधानसभा सचिव को सात दिनों के भीतर जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए मामले के अगली सुनवाई गुरुवार को निर्धारित की। रिपोर्ट पेश नहीं होने से नाराज कोर्ट ने कहा कि यदि विधानसभा सचिव द्वारा जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उन पर आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी। सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता जयप्रकाश और अधिवक्ता अनिल कुमार ने कोर्ट को बताया कि कैबिनेट सेक्रेटेरिएट ने जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद कमीशन की रिपोर्ट को जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली कमीशन के पास भेजा है। इसलिए कैबिनेट सेक्रेटेरिएट से जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट मांगी गई है। यह रिपोर्ट अब तक नहीं मिली है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी, जिसने मामले की जांच कर राज्यपाल को वर्ष 2018 में रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को एक्शन लेने का निर्देश दिया था लेकिन वर्ष 2021 के बाद से अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। राज्यपाल के दिशा निर्देश के बावजूद भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस मामले को लंबा खींचा जा रहा है। मामले में देरी होने से गलत तरीके से चयनित होने वाले अधिकारी सेवानिवृत हो जाएंगे। पूर्व की सुनवाई विधानसभा की ओर से बताया गया था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की कमीशन की रिपोर्ट पूरी तरीके से स्पेसिफिक नहीं थी। इस कारण जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद के कमीशन की रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए एक और जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली कमीशन बनी है।

जवाब दाखिल नहीं करने पर प्रार्थी को 25 हजार का जुर्माना

RANCHI : आवास बोर्ड द्वारा निर्मित फ्लैट पर अन्नाधिकृत रूप से कब्जा करने और बाद में बोर्ड के अधिकारियों की मिलीभगत से उस फ्लैट का मालिकाना हक प्राप्त करने के खिलाफ दायर सुधीर चौधरी की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी द्वारा सरकार के जवाब पर अपना प्रतिउत्तर देने के लिए बार-बार समय मांगे जाने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए प्रार्थी पर 25000 रुपए का जुमार्ना लगाया। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता कृष्ण प्रजापति ने पैरवी की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया की प्रार्थी को सरकार के जवाब पर अपना प्रतिउत्तर देने के लिए पांच बार का समय दिया गया है, लेकिन अब तक उनकी ओर से जवाब दाखिल नहीं हुआ है। दरअसल, प्रार्थी ने याचिका दाखिल कर कहा था कि आवास बोर्ड द्वारा झारखंड में अपनी जमीन पर भवन बनाकर उसके फ्लैट को कई वर्षों तक छोड़ दिया जाता है। आवास बोर्ड द्वारा निर्मित इन फ्लैटों को किसी को आवंटित नहीं किया जाता है। जिस कारण कई अनाधिकृत लोग उस फ्लैट पर कब्जा कर लेते हैं। बाद में आवास बोर्ड के अधिकारियों की मिली भगत से कब्जाधारी उस फ्लैट को अपने नाम पर आवंटित करवा लेते हैं।

डीजेएन के संचालक इवातुरी संतोष की बेल याचिका ईडी कोर्ट से खारिज

RANCHI : चिटफंड कंपनी डीजेएन ग्रुप के संचालक इवातुरी संतोष को जमानत देने से रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के स्पेशल कोर्ट ने इनकार कर दिया है। इवातुरी की ओर से दायर जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अपना फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने इवातुरी संतोष की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इवातुरी पर ऑनलाइन बिजनेस के नाम पर भोले-भाले गरीब निवेशकों से करोड़ों रुपए की ठगी का आरोप है। जांच में यह बात

सामने आई है कि उसने अधिक ब्याज का झांसा देकर निवेशकों से करोड़ों की ठगी की और फरार हो गया। जिसके बाद निवेशकों ने लालपुर थाना में मामला (कांड संख्या 220/2016) दर्ज करवाया था, जिसे ईडी ने टेकओवर करते हुए जांच शुरू की। ईडी ने जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया है।

जमीन घोटाले मामले के आरोपी भानु को बेल देने से ईडी कोर्ट का इंकार

RANCHI : जमीन घोटाले मामले के आरोपी बड़गाईं अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप की जमानत याचिका ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत ने बुधवार को खारिज कर दी। इससे पूर्व अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद भानु की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। भानू को ईडी ने अप्रैल में गिरफ्तार किया था। ईडी ने भानु को राजधानी के बरियातू स्थित सेना की जमीन घोटाला और चेशायर होम रोड की भूमि की फर्जी दस्तावेज के सहारे खरीद-बिक्री मामले में संलिप्त बताते हुए गिरफ्तार किया

अमित अग्रवाल की बेल पर 11 को होगी सुनवाई

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में लैंड स्कैम के आरोपी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अमित अग्रवाल की बेल पर अगली सुनवाई के लिए 11 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा की कोर्ट में अमित की याचिका पर सुनवाई हुई। रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल,बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

वीरेंद्र राम के सहयोगी तारा चंद की जमानत पर 11 को होगी सुनवाई

RANCHI : टेंडर घोटाला के जरिए अवैध कमाई करने और उसे अलग-अलग जगह निवेश कर मनी लाउंड्रिंग करने के आरोपी निलंबित इंजीनियर इन चीफ वीरेंद्र राम के सहयोगी तारा चंद की याचिका पर रांची ईडी कोर्ट में सुनवाई हुई। बुधवार की सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। तारा चंद पर आरोप है कि वह वीरेंद्र राम के कालेधन को विभिन्न खातों से सफेद बनाकर वीरेंद्र राम के पारिवारिक सदस्यों के खाते में जमा करवाता था। इसके लिए वह मुकेश मित्तल का सहयोग लेता था।

जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होगी तब तक आंदोलन और धरना प्रदर्शन करते रहेंगे : चंद्रदीप

प्रोजेक्ट भवन का घेराव करने पहुंचे पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के कर्मियों को POLICE ने रोका

PHOTON NEWS RANCHI : पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ मांगों को लेकर प्रोजेक्ट भवन का घेराव करने निकला लेकिन पुलिस ने धुर्वा गोलचक्कर के समीप बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। 24 जिलों से आये कर्मी बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे लेकिन पुलिस बार-बार बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक रही थी। इसके लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया। मौके पर मजिस्ट्रेट अमित कुमार मौजूद थे। वह लोगों को लाउडस्पीकर से बैरिकेडिंग के आगे आने से रोक रहे थे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप ने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होगी

बैरिकेडिंग लगाकर प्रर्दशनकारियों को रोकती पुलिस।

तब तक आंदोलन और धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को हमसे वार्ता करनी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 90 दिनों से संघ के कर्मचारी राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी पिछले चार सालों के वेतनमान और मानदेय बढ़ोतरी को लेकर बार-बार सरकार से गुहार लगा रहे हैं लेकिन सरकार उनकी एक नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख मांगों में पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की वार्ता करने, स्वयं सेवकों की सेवा स्थायी करने, नियमित मानदेय लागू किया करने, स्वयं सेवकों का समायोजन करने और संघ का नाम बदलकर पंचायत सहायक करना शामिल है। उल्लेखनीय है कि संघ के घेराव को लेकर जिला प्रशासन ने प्रोजेक्ट भवन के 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दी थी। इसके बावजूद संघ के कर्मचारी प्रोजेक्ट भवन घेराव करने पहुंचे हैं।

संघ की पांच सूत्री मांगें

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करें।
- स्वयं सेवकों की सेवा स्थायी की जाये।
- नियमित मानदेय लागू किया जाये।
- स्वयं सेवकों का समायोजन किया जाये।
- संघ का नाम बदलकर पंचायत सहायक किया जाये।

रंगदारी मांगने के मामले में गैंगस्टर अनिल शर्मा से पूछताछ करेगी पुलिस

RANCHI : जगन्नाथपुर थाना की पुलिस हजारीबाग जेल में बंद गैंगस्टर अनिल शर्मा से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पूछताछ करेगी। पुलिस का कहना है कि अनिल शर्मा से जेल में कौन कौन मिलता है इसका लिस्ट निकाला जा रहा है। अनिल शर्मा पर आरोप है कि उसके इशारे पर रंगदारी का खेल चलता है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच के बाद अनिल शर्मा के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पुलिस ने पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में रोहित सिंह और कृष्ण मुरारी को गिरफ्तार जेल भेज दिया है। दोनों युवकों पर आरोप है कि अनिल शर्मा के इशारे पर इन्होंने न्युटेक जेटिंग इक्विपमेंट्स, इंडिया प्राईवेट लिमिटेड कंपनी के हटिया रेलवे स्टेशन के साइड इंचार्ज से रंगदारी मांग रहे थे। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। दोनों आरोपियों के द्वारा बार बार बोला जा रहा था कि रेलवे का कोई काम बिना रंगदारी दिए बगैर नहीं हो सकता है।

निम्न दबाव का असर कमजोर आज से बारिश में आएगी कमी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में पिछले कुछ दिनों से मानसून सक्रिय है। जिसका असर राज्य भर में देखा जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो चार अक्टूबर तक राज्य में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान राज्य के पूर्वी दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश तो कुछ हिस्सों में मध्यम दर्जे की बारिश रिकॉर्ड की जा सकती है। इन हिस्सों में देवघर, गिरिडीह, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, धनबाद, बोकारो, रांची, रामगढ़, खूंटी, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां जिला शामिल है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो सक्रिय मानसून की स्थिति बंगाल में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण देखा जा रहा है। पांच अक्टूबर से इसमें कमी देखी जायेगी। जहां पांच अक्टूबर से निम्न दबाव क्षेत्र का असर राज्य के दक्षिणी हिस्सों में देखा जायेगा। वहीं, मध्य भाग में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। जबकि छह अक्टूबर से बारिश में पूरी तरह कमी आ जायेगी। इस दौरान हल्के दर्जे की बारिश कुछ स्थानों में रिकॉर्ड किया जा सकता है। चार अक्टूबर की बात करें तो रांची में 62 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। खूंटी में 64, गुमला में 51, बोकारो में 20 मिमी, रामगढ़ में 34 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले तो आने वाले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके बाद, तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। राजधानी रांची की बात करें तो आने वाले सात अक्टूबर तक राज्य में सामान्यता बादल छाये रहेंगे।

BRIEF NEWS

सहायक कलेक्टर सुस्मिता मिंज की मौत के मामले में सुंदरगढ़ बंद का आह्वान

ROURKELA : सहायक कलेक्टर सुस्मिता मिंज मौत मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा ने गुरुवार को 12 घंटे के सुंदरगढ़ बंद का आह्वान किया। जिला की सहायक कलेक्टर सुष्मिता मिंज की मौत मामले में बीजेपी महिला मोर्चा और आदिवासी मोर्चा ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर कल गुरुवार को सुंदरगढ़ में 12 घंटे का बंद बुलाया है। सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रहेगा। सांसद जोएल ओराम ने बंद को सफल करने में लोगों से अपील की है।

ड्रेनेज का पानी सड़क पर आने से लोगों को हो रही परेशानी

ROURKELA : बारिश से राउरकेला शहर की स्थिति बदहाल दिख रही है। ड्रेनेज सही तरीके से साफ नहीं होने से गंदा पानी सड़क पर आ जा रहा है। शहर के मेन रोड स्थित माडू महाराज गली में हाई ड्रेन का इनक्लोजमेंट के कारण गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। वहीं दूसरी और शहर के मुख्य मार्ग में मुख्य ड्रेन से गंदगी बाहर आने के साथ-साथ सड़क पर बह रही है। वही रिंग रोड के किनारे भी बरसात का पानी जमा होने के कारण लोग को आवागमन में परेशानी हो रही है। शहर के रिहायशी इलाके में गलियों में नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। नगर निगम के विभागीय अधिकारी एवं सफाई कर्मचारियों की लापरवाही से लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राउरकेला को अलग रेल डिवीजन बनाने की मांग

ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष सुब्रत पटनायक ने रेलवे संबंधी समस्या को लेकर बुधवार को प्रेस वार्ता की। सुब्रत पटनायक ने राउरकेला को अलग रेलवे डिवीजन बनाने की मांग की। भुवनेश्वर-राउरकेला के बीच एक और इंटर सिटी एक्सप्रेस, हटिया गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस का हटिया से राउरकेला तक विस्तार करने और राउरकेला रेलवे स्टेशन को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने की मांग की मांग की।

ट्रैफिक एएसआई की हार्ट अटैक से मौत

ROURKELA : ट्रैफिक एएसआई रुचिचरण विशाल (59 वर्ष) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। दोपहर करीब 1.30 बजे अपने आवास पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा। गंभीर हालत में परिजनों ने उन्हें राउरकेला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रुचिचरण ट्रैफिक पुलिस में कार्यरत कर्मठ अधिकारी थे। वह काम के सिलसिले में कुछ दिनों से छुट्टी पर घर आया हुआ था। उनकी मौत से ट्रैफिक पुलिस अधिकारी एवं पुलिस कर्मचारियों में मातम छाया हुआ है।

उदितनगर मिनी स्टेडियम में मिल रहा बच्चों को फुटबॉल का प्रशिक्षण

ROURKELA : शहर के उदितनगर मिनी स्टेडियम में 7 से 14 वर्ष के बच्चों को फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कलिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाता है। कलिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन के लगभग 50 कोच अनुभवी खिलाड़ियों के द्वारा दिए जा रहे हैं। शहरों, गांवों, बस्तियों के बच्चों को मुफ्त कोचिंग प्रदान की जाती है। फुटबॉल में प्रोफेशनल ट्रेनिंग पाकर बच्चे भी काफी खुश हैं। पहले बिसरा मैदान में कलिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन बच्चों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते थे। अब वहां स्टेडियम बन जाने से बच्चों को कोचिंग संभव नहीं है। अब राउरकेला एडीएम के प्रयास से उदितनगर मिनी स्टेडियम में फुटबॉल प्रशिक्षण का संचालन किया जा रहा है।

10.91 करोड़ की लागत से करो नदी पर बनने वाली 271.04 मीटर लंबे पुल निर्माण का हुआ शिलान्यास

स्व. देवेंद्र मांझी के नेतृत्व में गुदड़ी वासियों ने जो सपना देखा था, आज वह हकीकत में बदल रहा : जोबा मांझी

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत गुदड़ी प्रखंड क्षेत्र में झारखंड राज्य की महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री जोबा माझी के कर-कमलों से उपायुक्त अनन्य मित्तल, सहायक समाहर्ता श्रुति राजलक्ष्मी की मौजूदगी में गुदड़ी एवं कमार गांव के बीच करो नदी पर 10.91 करोड रुपए की लागत से बनने वाली 271.04 मीटर लंबी पुल निर्माण का शिलान्यास किया गया। इस पुल के निर्माण होने से गुदड़ी प्रखंड के ही बिरकेल-बांदु पंचायत आपस में जुड़ जाएंगे तथा इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए खूंटी, तोरपा होते हुए रांची पहुंचना भी आसान हो जाएगा। इसके अलावा गुदड़ी, रंजगांव, किचिनदा, गेरु, तेरकेरा

शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री जोबा मांझी, उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सहित आसपास के अन्य कई गांव के ग्रामीणों को भी आवागमन में सुविधा होगी। शिलान्यास कार्यक्रम के उपरांत मंत्री जोबा माझी ने गुदड़ी प्रखंड कार्यालय परिसर के समीप एस्पायर संस्था द्वारा संचालित सेंटर का भी अवलोकन किया।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जोबा माझी ने कहा कि इस क्षेत्र के लोकप्रिय नेता तथा मेरे दिवंगत पति स्व देवेंद्र माझी के नेतृत्व में गुदड़ी वासियों ने विकास का जो सपना देखा था, आज वह सपना हकीकत में बदल रहा है। साथ ही एक ही प्रखंड के दो पंचायतों के बीच में जो दूरी थी, इस पुल के निर्माण से वह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गुदड़ी क्षेत्र के लोगों को विकास से जोड़ने के लिए राज्य सरकार के निर्देशन में जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रही है। आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में और भी विकासपरक कार्य को धरातल पर उतारा जाएगा।

नदी के उस पार रहने वाले नागरिकों को अब प्रखंड कार्यालय आने में होगी सहूलियत : डीसी

समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि विगत वर्ष मंत्री के निर्देशन पर कमार गांव में आयोजित आपकी सरकार आपका अधिकार आपके द्वार कार्यक्रम में शिरकत करने हेतु ट्रैक्टर के माध्यम से इसी जगह से नदी को पार किया गया था। उन्होंने कहा कि इस पूल के निर्माण से नदी के उस पार रहने वाले हमारे जिले के नागरिकों को अब प्रखंड कार्यालय आने में काफी सहूलियत होगी।

समारोह में अपनी बातों को रखते हुए उपायुक्त ने बताया कि गुदड़ी प्रखंड वासियों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ पहुंचाने हेतु डीएमएफटी मध्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट का परिचालन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले 6 महीने में इस क्षेत्र में तकरीबन 50 मोबाइल टावर का भी अधिष्ठापन किया जाएगा, जिससे इस क्षेत्र में मोबाइल कनेक्टिविटी में भी काफी सुधार रहेगा। कार्यक्रम में गुदड़ी प्रखंड की जिला परिषद सदस्य, स्थानीय पंचायत के मुखिया गण, मानकी-मुंडा संघ के केंद्रीय अध्यक्ष, स्थानीय प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

एएसआई एलिश नरमी लुगुन की हत्या मामले में SP के लिखित आदेश के बाद विवाद समाप्त

PHOTON NEWS ROURKELA : उदितनगर थाने के एएसआई एलिश नरमी लुगुन की हत्या को लेकर कल से जारी तनाव एसपी मित्रवाणु महापात्रा द्वारा पति संजय कुमार लाकड़ा और उनके परिवार की पांच मांगों को पूरा करने का लिखित आश्वासन देने के बाद समाप्त हो गया। परिवार और रिश्तेदारों ने रास्ते अवरोध हटा दिए। पोस्टमार्टम के बाद शाम को रिजर्व लाइन में एलिश नरमी लुगुन को गार्ड ऑफ ऑनर दी गई। बाद में पुलिस ने एलीश नरमी लुगुन का शव परिजनों को सौंप दिया।

एलीश नरमी का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। एसपी के आदेश के बाद गिरोह की झड़प के दौरान मृतक एलिश नरमी के साथ मौजूद दो पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया जाएगा। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। एलिश नरमी के दोनों बच्चों की बेहतर शिक्षा का सारा खर्च जिला प्रशासन उठाएगा।

एलिश नरमी लुगुन को गार्ड ऑफ ऑनर देते जवान। ● फोटोन न्यूज

अंतिम दिन उदितनगर थाने का सीसीटीवी फुटेज परिवार को दिया जायेगा। जांच के 60 दिन (दो माह) के अंदर जांच रिपोर्ट परिजनों को सौंप दी जायेगी। मृतक एलीश नरमी के बेटे को 18 साल का होने पर सरकारी नौकरी मिलेगी।

बुधवार सुबह करीब 10 बजे विभिन्न आदिवासी संगठनों और जिला सरपंच संघ की ओर से एलिश नरमी लुगुन और सहायक जिलाधिकारी सुष्मिता मिंज की रहस्यमय मौत की सीबीआई जांच की मांग को लेकर एक विशाल जुलूस निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक एसपी घटनास्थल पर नहीं आते, तब तक उपरोक्त पांच मांगें पूरी कर ली जाये और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाये। अंततः एसपी कार्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, परिजनों व रिश्तेदारों के साथ मांगों को पूरा करने को लेकर वार्ता हुई। करीब एक घंटे की चर्चा के बाद एसपी मित्रभाणु महापात्र ने पांच मांगों को पूरा करने का लिखित आश्वासन दिय।

मालूम हो कि पिछले रविवार की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उदितनगर आरएमसी कार्यालय के पास बस-कार की टक्कर को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट हो गयी थी। खबर मिलते ही एएसआई एलिश नरमी लुगुन के नेतृत्व में कुछ पुलिसकर्मी पीसीआर वैन से घटनास्थल पर पहुंचे। एएसआई एलीश नरमी दोनों गुटों मे मध्यसता कर रहे थे।

अचानक एक महिला ने एलीश का हाथ पकड़ लिया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके विरोध में परिजन और रिश्तेदार उदितनगर थाने पहुंचे और नारेबाजी की। शव को मुर्दाघर से नहीं उठाया गया। पुलिस बिरजापाली के दो अभीयुक्त को गिरफ्तार कर कोर्ट कोर्ट चालान की है। भाजपा महिला मोर्चा और आदिवासी मोर्चा ने नरमी और सहायक जिला मजिस्ट्रेट सुष्मिता मिंज की रहस्यमय मौत की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सुंदरगढ़ जिले में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है।

32 STARTUP को 1.5 करोड़ का समर्थन, युवा उद्यमियों को तैयार करने में FTBI की अहम भूमिका

बैठक में शामिल एफबीआई के अध्यक्ष व अन्य। ● फोटोन न्यूज

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), राउरकेला के फाउंडेशन फॉर टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस इनक्यूबेशन (एफटीबीआई) ने युवा उद्यमियों को तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के तहत प्रौद्योगिकी डीएसटी फंड पहल, डीएसटी फंड ईआईआर जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। स्टार्टअप्स को एफटीबीआई में विशेष सुविधाओं और सलाह के माध्यम से उत्पादक स्टार्टअप बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इसी कड़ी में कुल 32 स्टार्टअप्स को डेढ़ करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। इस अवसर पर आयोजित बैठक में संस्थान के निदेशक एवं एफबीआई के अध्यक्ष के. उमामहेश्वर राव की अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथि जिला खनन संस्थान (डीएमएफ) की सीईओ सुषमा बिलुंग ने कहा जब तक हम समस्या की पहचान नहीं करेंगे और लोगों की स्थिति को नहीं समझेंगे तब तक हम उनकी मदद नहीं कर सकते।युवा उद्यमी समाज में योगदान देने के लिए स्वेच्छा से आगे आएं। आत्मनिर्भर बनें और दूसरों को सशक्त बनाने के अंतिम लक्ष्य के साथ अपना खुद का स्टार्टअप विकसित और स्थापित करें। प्रोफेसर आरके. साहू, एफटीबीआई प्रमुख प्रोफेसर एमके. मिश्रा बोले इस मौके पर कुल 20 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई, जबकि 10 स्टार्टअप्स को 360,000 रुपये और 2 स्टार्टअप्स को 7 लाख रुपये दिए गए।

विधायक कुसुम टेटे ने विधानसभा में उठाया सरंपचों के आंदोलन का मामला

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ जिला सरपंच संघ की 10 सूत्री मांग को लेकर सुंदरगढ़ विधायक कुसुम टेटे ने विधानसभा में सवाल उठाया। कुसुम टेटे ने पूछा कि पंचायत क्षेत्रों में उद्योग लगाने से पहले प्राथमिकता के आधार पर ग्राम सभा बुलाने, सरपंचों को सेवानिवृत्ति पेंशन देने, डीएमएफ से ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट बिल का भुगतान करने की मांग पर सरकार ने क्या कदम उठाया हैं। जवाब में, पंचायतीराज और पेयजल मंत्री प्रदीप कुमार अमात ने कहा कि सरकार सुंदरगढ़ जिला सरपंच एसोसिएशन की मांगों से अवगत है, और मांगों पर विचार किया जा रहा है। ओडिशा ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा 5 के अनुसार, विभिन्न

योजनाएं, कार्यक्रम और परियोजनाएं ग्राम पंचायत में ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित किया जाता है, और ग्राम पंचायत अधिनियम सरपंच की पेंशन से संबंधित है। मंत्री ने जवाब दिया कि डीएमएफ से स्ट्रीट लाइट बिल के भुगतान के संबंध में जिला कलेक्टर निर्णय लेंगे क्योंकि इसमें कोई प्रावधान नहीं है।

गौरतलब है कि पंचायत क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में ग्राम सभा को सर्वोच्च दर्जा प्राप्त है।प्रत्येक वित्तीय वर्ष में पंचायत के विकास के लिए जिला खनन संस्थान से 20 लाख रुपये का भुगतान, वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग भत्ता जिला खनन संस्थान से मिलता है। जब तक आवेदक को भत्ता नहीं मिल जाता, तब तक सरपंच का मासिक भत्ता 2350 रुपये से बढ़ाकर 15000 रुपये, पेंशन, मृत सरपंच के परिवार को 20 लाख रुपये की सहायता सहित 10 मांगों को लेकर सुंदरगढ़ जिला सरपंच एसोसिएशन ने 1 अगस्त से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया। 36 दिन बाद राज्य सरपंच महासंघ के निर्देश पर जिला संघ ने आंदोलन तेज करने का विचार वापस ले लिया।

बोतल बम फटने से युवक के हाथ में चोट, गंभीर अवस्था में टीएमएच रेफर

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र में बोतल बम फटने से 20 वर्षीय एक युवक साउ बानरा गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल युवक को सदर अस्पताल लाया गया. जहां उसकी प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए उसे जमशेदपुर रेफर कर दिया. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार टोंटो थाना अंतर्गत बड़ा टोंटो निवासी 20 वर्षीय साउ बानरा बुधवार को दोपहर में अपने घर पर था। उसी समय बरामदे में रखे एक प्लास्टिक के डब्बा पर नजर पड़ी। वह डब्बे के पास जाकर उसे हाथ से उठाया और

अस्पताल में इलाजरत युवक। ● फोटोन न्यूज

उसे खोलने लगा. डिब्बे के अंदर एक बोतल था. अचानक जोरदार धमाके के साथ बोतल बम फट गया. बोतल बम काफी शक्तिशाली होने के कारण उसका दाहिना हाथ उड़ गया और बायीं हथेली के सभी उंगली उड़ गये. साथ ही दोनों पैर में भी काफी जख्म हैं. बाद में साउ बानरा को परिजनों ने घटनास्थल से उठा कर तुरंत टोंटो में प्राथमिक उपचार करने के बाद चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया. इस संबंध में घायल साउ बानरा के पिता सिंह बानरा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से घर के बरामदे में डब्बे रखा हुआ था. कौन लाकर रखा इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है. प्लास्टिक का गंदा डब्बा रहने के कारण परिवार के कोई भी सदस्य डब्बे को नहीं छुए. बुधवार को उसका बेटा साउ बानरा दोपहर में डब्बे को देखते ही खोलने लगा तो उसमें रखा बोतल बम ब्लास्ट हो गया. इधर सूचना मिलते ही टोंटो थाना पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है.

CONGRESS के नवनियुक्त प्रखंड व नगर अध्यक्ष का हुआ अभिनंदन

निस्वार्थ भाव से देंगे अपना योगदान, कांग्रेस नेतृत्व के सपनों को साकार करने में बनेंगे सहयोगी : चंद्रशेखर

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के अनुमोदन के उपरांत बुधवार को कांग्रेस भवन में प. सिंहभूम जिला के नवनियुक्त कांग्रेस प्रखंड व नगर अध्यक्ष का जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से अभिनंदन किया गया। नवनियुक्त कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष में मंझारी प्रखंड विकास बिरुवा, कुमारडुंगी प्रखंड सुखलाल हेम्ब्रम, झींकपानी प्रखंड सिकुर गोप तथा चाईबासा नगर अध्यक्ष अजय कुमार को जिला अध्यक्ष

कांग्रेस के नवनियुक्त कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

चंद्रशेखर दास तथा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने नियुक्ति पत्र देकर माला पहनाकर तथा लड्डू खिलाकर बधाई दी।

नवनियुक्त प्रखंड व नगर अध्यक्ष को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने कहा कि आप पूरी कर्मठता एवं सक्रियता के साथ अपने प्रखंड व नगर में कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए संगठन की मजबूती हेतु निस्वार्थ भाव से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। कांग्रेस नेतृत्व के सपनों को साकार करने में सहयोगी बनेंगे। मौके पर जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय, कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष रंजीत यादव, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, जिला सचिव विश्वनाथ तामसोय, संतोष सिन्हा, कार्यकारणी सदस्य राकेश सिंह, विजय सिंह तुबिद, युवा नेता रितेश तामसोय, आफताब आलम, ईशाक अंसारी, हरीश चन्द्र बोदरा, श्याम बिरुवा, अभिषेक सुंडी, अनिल शर्मा, महेश गोप, लोपो देवगम, मो.असलम, रूपेश तरवे, बिनय विश्वकर्मा, प्रेम सागर कुमार, विष्नोंराज दास, ब्रज मोहन देवगम, गांधी सुंडी, सुशील दास आदि शामिल थे।

बीजेडी उपाध्यक्ष ने की अस्पताल की समस्याओं के समाधान की मांग

पराग हर्षद गभली से मुलाकात करते जय नारायण त्रिपाठी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ बीजू जनता दल के उपाध्यक्ष जय नारायण त्रिपाठी ने जिला कलेक्टर पराग हर्षद गभली से उनके कार्यालय में मुलाकात की और जिला प्रमुख अस्पताल की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की।

जिला अस्पताल में बेड की कमी से मरीजों का इलाज बिना बेड के फर्श, जमीन और बरामदे पर किया जा रहा है। विशेषकर मातृ एवं शिशु विभाग में नवजात शिशुओं एवं माताओं का अस्पताल में नीचे इलाज होने से दिक्कत ज्यादा है। 500 बेड वाले मेडिकल कॉलेज में हर तरह की जांच और सुविधाएं हैं, लेकिन जिला अस्पताल में कोई बेड नहीं है। कई कीमती मशीनें अनुपयोगी होने के कारण खराब हो रही हैं। अत्याधुनिक सर्जरी सेंटर की हालत खस्ता है। कलेक्टर ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान य नारायण त्रिपाठी सहित, जिला बीजेडी महासचिव सुरेंद्र कुमार उपस्थित थे।

बुर्के में घर लौट रही महिला का मर्डर

डॉक्टर को दिखाकर आ रही थी; सिर में मारी गोली, दुबई में रहता है पति

मुजफ्फरपुर । डॉक्टर दिखाकर घर लौट रही साजिदा आमरीन(37) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मर्डर का वीडियो पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। मंगलवार की रात साजिदा फिजियोथेरेपिस्ट को दिखाकर घर लौट रही थी। घर से थोड़ी दूर पर बाइक सवार बदमाशों ने उसे सिर के पीछे से सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही महिला सड़क पर गिर गई। महिला का पति दुबई में नौकरी करता है। घटना नगर थाना क्षेत्र के चंदवारा स्थित अली मिर्जा रोड की है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें साफ दिख रहा है कि महिला बुर्के में अकेले जा रही है। तभी एक युवक पीछे से आता है और उसे गोली मार देता है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। जब तक लोग अपराधी को देखते तब तक बदमाश बाइक से भाग निकले। लोगों ने मामले की जानकारी नगर थाने की पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची नगर पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। साजिदा का मायके वैशाली के हाजीपुर में है। ससुराल सीतामढ़ी के बेलसंड में है। वो मूल रूप से वैशाली की रहने वाली थी। 2014 में उसकी शादी हुई थी। वह अपनी सास के साथ अली मिर्जा रोड स्थित एक मकान में किराए पर रहती थी। कई दिनों से फिजियाथेरेपिस्ट के यहां कमर दर्द का इलाज कराने जा रही थी। वह पूरी तरह नकाब में डॉक्टर के यहां से लौट रही थी। इसी दौरान बाइक

सवार दो अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। जिस मकान में संजीदा रह रही थी, उसी मकान में रहने वाले आरिफ ने बताया कि घटना के समय हम घर में थे। गोली की आवाज सुनकर बालकनी से देखा तो वो गिरी हुई थी। घटना के बाद सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह और एएसपी अवधेश सरोज दीक्षित मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना किया। स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। बताया जा रहा है कि मृतका का पति दुबई के अबू धाबी में रहता है। मामले में एएसपी ने बताया कि मोहल्ले में लगी सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला जा रहा है। वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर छानबीन की जा रही है। मोहल्ले में लगे एक सीसीटीवी में घटना की पूरी वारदात कैद हो गई है। उसमे साफ साफ देखा जा रहा है कि एक बदमाश महिला के पीछे हेलमेट लगाकर चल रहा है। दूसरा महिला के आगे बाइक पर बैठा है। हेलमेट लगाए बदमाश महिला के पीछे तेजी से बढ़ता है। उसके सिर के पीछे सटाकर गोली मार देता है। महिला सड़क पर ही गिर जाती है। इसके बाद बदमाश बाइक पर बैठकर फरार हो जाता है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि रात करीब नौ बजे साजिदा चंदवारा चौक से पैदल ही घर लौट रही थी। घर से करीब दो सौ मीटर पहले एक फील्ड के पास बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे। एक बाइक से उनके पीछे उतर गया और दूसरा बाइक के साथ उन्हें ओवर टेक कर आगे निकला। बाइक से उतरा युवक उनके पीछे-पीछे हेलमेट पहने हुए चलता रहा। जैसे ही वह बाइक सवार के समीप पहुंची कि पैदल चल रहे बदमाश ने गोली मार दी। गोली लगते ही उसकी मौत हो गई। साजिदा आमरीन को जब बदमाशों ने गोली मारी उसके साथ दो भांजे भी थे। पुलिस के काफी दबाव के बाद भांजे ने पुलिस को साजिदा का मोबाइल सौंपा। बताया जाता है कि वह थेरेपी कराने के बाद अपने भांजे के साथ घर लौट रही थी। इससे पहले एक रिश्तेदार ने उसे डॉक्टर के पास छोड़ा था। साजिदा को संतान नहीं है। वो जेल चौक के पास अमरूद के बागान में अपना नया मकान भी बनवा रही थी। इधर, घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। इससे साफ दिख रहा है कि अपराधी उसकी सिर्फ हत्या की नीयत से ही आए थे। बदमाशों ने साजिदा से लूटपाट नहीं की है। इससे साफ है कि उसकी हत्या की नीयत से ही अपराधियों ने उसे गोली मारी है।

बेगूसराय में छात्रा ने की खुदकुशी

बेगूसराय ।पॉलिटेक्निक की तैयारी कर रही एक छात्रा ने गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।घटना चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव की है। छात्रा की पहचान चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव के रहने वाले संतोष कुमार यादव की पुत्री नीतू कुमारी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि छात्रा पॉलिटेक्निक की तैयारी कर रही थी। इसी बीच तैयारी करने के समय काउंसलिंग हुआ। उस काउंसलिंग में छात्रा को मन के मुताबिक ट्रेड नहीं मिला। इस वजह से छात्रा ने डिप्रेशन में आकर घर ही गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों ने यह भी बताया कि नीतू कुमारी पढ़ाई में तेज थी। फिलहाल, इस घटना के बाद परिजनों की ओर से इसकी सूचना चेरिया बरियारपुर थाना पुलिस को दी। वहीं, मौके पर चेरिया बरियारपुर थाने के पुलिस पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं इस मामले में चेरिया बरियारपुर थाना अध्यक्ष अमर कुमार ने बताया है कि एक छात्रा का सुसाइड का मामला सामने आया है फिलहाल पुलिस सबको अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

पटना। अवैध बालू खनन और बालू माफियाओं के खिलाफ पटना पुलिस लगातार एक्शन मोड में है। ताजा मामला मनेर थाना क्षेत्र का है। यहां मनेर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के बाजार से बालू माफिया अनीश कुमार और उसके साथी को दबोचा है। उसके पास से एक देशी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस के साथ ही एक बाइक और दो मोबाइल बरामद की। गिरफ्तार बालू माफिया अनीश कुमार व उसके साथी से पूछताछ के बाद उसके उसके द्वारा दिए गए जानकारी पर पुनः दूसरी जगह चौरासी गांव में छापेमारी की गई। यहां से एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर की दो बाइक, एक बिना रजिस्ट्रेशन की बाइक के साथ दो युवकों को

गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में एएसपी अभिनव धीमान ने मनेर थाना में में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मनेर पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बिहटा के अमनाबाद पथ लौटिया बालू खदान में रंगदारी में वर्चस्व को लेकर 22 सितंबर, 2022 को चार लोगों की हत्या व सुअरमरवा, चौरासी बालू घाट में पुलिस पर गोली चलाने का अभियुक्त मनेर की टाटा कॉलोनी का निवासी अनीश कुमार अपने लोगों के साथ रामपुर बाजार में कुछ खरीदारी करने के लिए जुटा है। सूचना मिलते ही मनेर थानाध्यक्ष संजय शंकर एवं अन्य पुलिसकर्मियों के सहयोग से रामपुर दियारा बाजार में छापेमारी कर अनीश कुमार को एक देसी कट्टा, पांच कारतूस, एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल के साथ पकड़ा गया। वहीं इसके साथी रतन टोला निवासी रितेश कुमार को भी पकड़ा गया, जिसके पास से दो मोबाइल बरामद किया गया। इसके साथ ही चौरासी गांव में छापेमारी के दौरान चंद्रदेव कुमार के यहां से एक ही निबंधन के दो मोटरसाइकिल तो वही मुकेश राय के पास से एक बिना निबंधन की मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार बालू माफिया अनीश कुमार का अपराधिक इतिहास रहा है। मनेर और बिहटा थाना में इसके खिलाफ कई मामले दर्ज है। सभी से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संक्षिप्त डायरी

गोपालगंज में बाइक के धक्के से वृद्धा की मौत: बाजार गई महिला हादसे में हो गई थी घायल

गोपालगंज । मांझागढ़ थाना क्षेत्र के कोइनी गांव के पास नेशनल हाईवे-27 पर बाइक के धक्के से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान मांझागढ़ थाना क्षेत्र के कोइनी गांव निवासी मुस्तफा मियां की 68 वर्षीय पत्नी तैबुन नेशा के रूप में की गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि कोइनी गांव की रहने वाली वृद्ध महिला तैबुन नेशा अपने घर से बाजार कुछ सामानों की खरीदारी करने के लिए जा रही थी। इस बीच एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार धक्का मार दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास के लोगों की मदद से महिला को इलाज के लिए स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में रेफर कर दिया। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में इलाज के क्रम में वृद्ध महिला की मौत हो गई।

पति के दोस्त ने किया रेप..वीडियो से करता था ब्लैकमेल

जमुई । झाझा में एक महिला ने अपने पति के दोस्त पर अपहरण कर के रेप करने का आरोप लगाया है। महिला कहना है कि पति के दोस्त ने 3 महीने तक बंधक बनाकर उसके साथ रेप किया।आरोपी ने पहले उसके साथ रेप किया फिर वीडियो बना लिया। इसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर वो दुष्कर्म करता रहा। महिला के पति ने झाझा थाने में 17 जून 2023 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसके बाद झाझा थाने की पुलिस लगातार उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। पीड़िता ने बताया कि 10 जून को आरोपी नवादा जिला निवासी सुधीर कुमार उसके पति के साथ उसके घर आया था। सुधीर का उसके घर आना-जाना लगा रहता था। 16 जून की रात सुधीर ने मौका देखते ही महिला का अपहरण कर लिया और उसे पहले बिहारशरीफ ले गया। जिसके बाद नवादा प्राथमिकी दर्ज होने के बाद झाझा थाने की पुलिस आरोपी के मोबाइल लोकेशन के आधार पर 18 जून को छापेमारी अभियान चलाया, लेकिन महिला को बरामद नहीं किया जा सका। 4 अक्टूबर को महिला उसके चंगुल से भाग निकली और अपने घर पहुंची।

फिर महिला अपने पति के साथ झाझा थाना पहुंची और पूरी घटना की जानकारी अवर अवर निरीक्षक विभांशु शेखर भास्कर को दी। देर शाम पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाया गया। झाझा थाने के अवर निरीक्षक और की के अनुसंधान कर्ता विभांशु शेखर भास्कर ने बताया कि 16 जून को एक महिला के पति ने अपहरण का मामला दर्ज करवाया गया था। जिसके आधार पर 18 जून को नवादा जिले में छापेमारी की गई थी, लेकिन लगातार अपहरणकर्ता अपना लोकेशन बदल रहा था। जिसे लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। वहीं बढ़ते दबाव के करण पीड़िता को छोड़कर आरोपी फरार हो गया। हालांकि पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना, जमुई, कटिहार और बक्सर में हुई बारिश

मधुबनी, सुपौल, अररिया समेत बिहार के 7 जिलों में भारी बारिश और बिजली का अलर्ट

पटना। बिहार में दक्षिण पश्चिम मानसून पिछले कुछ दिनों से एक बार फिर से सक्रिय हो चुका है। कई जिलों में हल्की या भारी बारिश हो रही है। बुधवार सुबह पटना, कटिहार, जमुई और बक्सर में बारिश हुई है। छपरा, शेखपुरा, समस्तीपुर समेत कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज 7 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वेस्ट चंपारण, मधुबनी, सुपौल अररिया पूर्णिया कटिहार किशनगंज में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, बिहार के अधिकांश जिलों में बारिश और मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार निम्न दबाव का क्षेत्र अब पश्चिम गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड के पास है। अगले 24 घंटे में उत्तर पश्चिम की ओर आगे बढ़ने की संभावना है। इसके साथ ही द्रोणी रेखा पश्चिम बंगाल से पूर्व उत्तर प्रदेश की ओर समुद्र तल से औसत 1 किलोमीटर ऊपर तक गुजर रही है। इन मौसमी घटकों के संयुक्त प्रभाव से अगले 24 दिनों तक राज्य में मानसून सक्रिय रहने का पूवार्नुमान है। वहीं, झारखंड में लगातार हो रही बारिश के चलते नालंदा के मध्य भाग में बहने वाली पंचाने नदी में पहली बार पानी आया है। इससे पश्चिमी इलाकों में बहने वाली लोकाइन नदी में भी पानी आ गया है। नदियों में पानी देख जहां आम लोग खुश हैं। वहीं, किसानों की खुशी का भी कोई ठिकाना नहीं है। अब फसल पटवन को लेकर बोरिंग का सहारा किसानों को नहीं लेना होगा। पटना में बुधवार सुबह बारिश हुई है। दिनभर बादलों का आना जाना लगा रहेगा। रुक-रुक कर बारिश होने की भी संभावना है। आज सूर्योदय का समय सुबह 5:43 बजे और सूर्यास्त शाम 5:34 बजे होगा। आज 10 से 17 डट/ल्ह की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आज का अधिकतम तापमान 32 डिग्री तो न्यूनतम 26 डिग्री रहने की उम्मीद जताई गई है। बिहार में देर से ही सही। लेकिन अब बारिश हो रही है। इसके कारण से धान की फसल को संजीवनी दे दी है। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से किसानों के चेहरे पर खुशी लौट आई है। बारिश नहीं होने से मर रही धान की फसल में बारिश के कारण फिर से हरियाली छा गई है। वहीं भागलपुर में बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण पीजी पुरुष छात्रावास, सहित कई छात्रावासों में कमरे के अंदर लगभग दो फीट पानी प्रवेश कर गया है। छात्र नारकीय स्थिति में रहने को मजबूर हैं।

छात्रावास जाने वाली मार्ग मे लगभग पांच फीट पानी जमा हुआ है। जिससे छात्रों को हॉस्टल तक पहुंचने में भी परेशानी हो रही है। इस जलजमाव से कई छात्र बीमार भी हो गए है। छात्र बिना भोजन पानी के कमरे के अंदर चौकी पर शरण लिए हुए हैं। उन्हें पीने का शुद्ध पानी की भी काफी किल्लत हो रही है।

निगम द्वारा जल निकासी की व्यवस्था की गई है। लेकिन बावजूद इसके स्थिति जस की तस बनी हुई है। इधर मौसम विभाग ने दो से चार अक्टूबर तक भारी बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। इसको लेकर भी छात्रों में काफी दहशत का माहौल है। कई छात्र इस समस्या को देख अपने घर चले गए। जिन छात्रों की परीक्षा हैं। इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन और कॉलेज प्रशासन भी कोई पहल करते नजर नहीं आ रहे हैं। छात्रावास में भी आधा दर्जन से अधिक छात्र जलजमाव और मच्छरों के प्रकोप से सर्दी, खांसी और बुखार से भी पीड़ित हैं। उन्हें भी डेंगू का प्रकोप सता रहा है। छात्र बताते है की बीते दो महीनों से यह जलजमाव की समस्या छात्रावास और उसके मार्ग में स्थायी बना हुआ है। नित्य क्रिया और पीने का पानी में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि बाथरूम और पंप रूम में पानी भरा हुआ है।

रात भर जग के रहना पड़ता है,क्योंकि बेड पर सांप,बिच्छू आते रहते हैं। पानी का सड़ांध से छात्रों का जीना दूभर हो गया। कई बार विश्व विद्यालय प्रशासन से लेकर नगर निगम और जिला प्रशासन के दफ्तरों के दरवाजे पर पहुंचे लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हो पाया।

कनाडा से बढ़ती तल्खी

कनाडा के 41 राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ने का अल्टीमेटम देकर सरकार ने जस्टिन ट्रुडो सरकार को एक बार फिर साफ कर दिया है कि नई दिल्ली आतंकवाद के मामले में कोई नरम रवैया नहीं अपनाने जा रही। खबरों के मुताबिक, सरकार ने स्पष्ट कहा है कि यदि ये लोग 10 अक्तूबर के बाद भी भारत में रहे, तो उन्हें जो राजनयिक रियायतें मिल रही हैं, वे वापस ले ली जाएंगी। निस्संदेह, यह बेहद सख्त रुख है और ट्रुडो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी तादाद को देखते हुए पूर्व में उसे कई तरह की छूट दी गई थीं, जिनमें से एक मान्य संख्या से अधिक राजनयिकों की नियुक्ति भी थी, लेकिन जब भारत-विरोधी तत्वों की हिमायत में ट्रुडो खुद खुलकर खड़े हैं, तब उन्हें नई दिल्ली से कूटनीतिक उदारता की अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए। भारत में इस वक्त 61 कनाडाई राजनयिक काम कर रहे हैं और नई दिल्ली पहले भी एक-दूसरे देश में राजनयिकों की संख्या के असंतुलन की तरफ ओटावा का ध्यान आकृष्ट कर चुका है। भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध आज जिस मोड़ पर है, उसके लिए पूरी तरह से ट्रुडो सरकार जिम्मेदार है। भारत के खिलाफ गोलबंद हो रहे खालिस्तानी आतंकियों और कट्टरपंथियों पर लगाम कसना तो दूर, वह उनकी गतिविधियों को कथित अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में बढ़ावा देती रही। अब यह छिपी हुई बात नहीं है कि भारत सरकार लगातार सभी स्तरों पर इस बाबत चिंता जता रही थी, मगर अपनी घरेलू राजनीति की बाध्यताओं के तहत कनाडा की मौजूदा सरकार इसकी लगातार अनदेखी करती रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओटावा में भारतीय रायनयिकों के लिए हिंसा और धमकी का माहौल बताया था, लेकिन उसके बाद भी प्रधानमंत्री ट्रुडो का अड़ियल रुख कायम रहा और बगैर किसी ठोस सुबूत के उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या का आरोप भारतीय एजेंसियों पर मढ़ दिया, और ऐसा वह लगातार कर रहे हैं। भारत सभी देशों की संप्रभुता का पूरा सम्मान करता है, बल्कि कुछ पड़ोसी देशों की कुटिल हरकतों के बावजूद उसने हमेशा इस बात का ख्याल रखा है। निज्जर की हत्या में जब पहली बार भारतीय एजेंटों का जिक्र किया गया, तभी भारत ने इसका स्पष्ट खंडन किया था कि हमारी ऐसी कोई नीति नहीं है। बावजूद इसके प्रधानमंत्री ट्रुडो का रुख भारत की वैश्विक छवि को न सिर्फ धूमिल करने वाला बना रहा, बल्कि एक तरह से भारत विरोधी तत्वों को उकसाने वाला साबित हुआ है। इसकी तस्दीक ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी के साथ ग्लासगो में खालिस्तान समर्थकों की बदसलूकी से की जा सकती है। भारत ने उचित ही ब्रिटेन सरकार से इस घटना पर अपनी नाराजगी जताई है और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम के एक खेमे को भारत की तरक्की पच नहीं रही, मगर वे भी जानते हैं कि इसको अब आगे बढ़ने से रोका नहीं जा सकता, तो वे इसकी छवि पर खरोंच मारने की कोशिश कर रहे हैं।

मालदीव से मैसेज

मालदीव के चुनाव नतीजे इस मायने में जरूर भारत के लिए निराशाजनक कहे जा सकते हैं कि विजेता के रूप में उभरे नेता मोहम्मद मुइज्जू खुले तौर पर भारत विरोधी अजेंडा चलाते रहे हैं। मुइज्जू को पूर्व राष्ट्रपति यामीन का समर्थन हासिल है जो अपनी भारत विरोधी और चीन समर्थक नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं। इस लिहाज से यह लगभग तय है कि मुइज्जू की अगुआई वाली सरकार के कार्यकाल में सामरिक तौर पर महत्वपूर्ण इस द्वीप राष्ट्र में भारत को वैसी प्राथमिकता नहीं मिलेगी जैसी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के नाते उसे मिलनी चाहिए। मगर फिर भी यह मान लेना उचित नहीं होगा कि यहां से भारत का प्रभाव पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। इसके पीछे कई ठोस वजहें हैं। पहली बात तो यह कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सरकारों के हेर-फेर से हितों के समीकरण रातों-रात पूरी तरह बदल नहीं जाते। ये समीकरण जिन हालात पर निर्भर करते हैं वे तुरंत नहीं बदलते और ये कभी-कभी सरकारों को भी अपना रुख बदलने के लिए मजबूर कर देते हैं। इसका एक अच्छा उदाहरण श्रीलंका है जहां अपने पिछले कार्यकाल में चीन का पिछलग्गू माने जाने वाले महिंदा राजपक्षे की सत्ता में वापसी भी भारत और श्रीलंका के द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई खास असर नहीं डाल सकी। आर्थिक संकट ने जहां कुछ समय में राजपक्षे को सत्ता से बाहर कर दिया वहीं भारत को 4 अरब डॉलर की आपात सहायता की बदौलत शुभचिंतक पड़ोसी की अपनी भूमिका मजबूत करने का मौका दे दिया। दूसरी बात, अगर चीन पिछले राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के पूरे कार्यकाल के दौरान मालदीव में अपने पांव जमाए रख सका तो कोई कारण नहीं कि भारत ऐसा नहीं कर सकेगा। चाहे 50 करोड़ डॉलर की लागत वाले ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रॉजेक्ट की बात हो या 38 अन्य कम्युनिटी डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट्स की, ये वहां के ट्रांसपोर्ट ही नहीं, लोकल इकॉनमी का भी स्वरूप बदलने वाले हैं। कोई भी सरकार इन प्रॉजेक्ट्स की राह में अड़ंगा डालकर अपने लोगों का गुस्सा मोल नहीं लेना चाहेगी। तीसरी बात यह कि मुइज्जू को मिले पूर्व राष्ट्रपति यामीन के समर्थन के साथ भी कई किंतु-परंतु जुड़े हैं। इसके पीछे यह समझ है कि सत्ता में आते ही मुइज्जू यामीन की रिहाई का बंदोबस्त करेंगे।

विकास की मनभावन फाग

ANALYSIS

✍ डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी अपनी रिपोर्ट में इस अभियान को बहुत लाभदायक बताया है। उसने कहा कि इससे लाखों लोगों की जान बचाना सम्भव हुआ है। पूर्वी उत्तर प्रदेश चालीस वर्षों तक मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित था। योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छ जल अपूर्ति सुनिश्चित की। स्वच्छता अभियान चलाया। इससे महामारी को समाप्त किया गया। बावजूद इसके विपक्ष का ताजा एलायंस कुआं पर राजनीति कर रहा है। कुछ दिन पहले इसके एक नेता ने राज्यसभा में काव्य पाठ किया। वह राजद के प्रवक्ता है। पढ़े-लिखे लोगों में शुमार हैं। उन्होंने किसी अन्य की कविता सुनाई- चूल्हा मिट्टी का/ मिट्टी तालाब की/ तालाब ठाकुर का/ भूख रोटी की/ रोटी बाजरे की/ बाजरा खेत का/ खेत ठाकुर का/ बैल ठाकुर का/ हल ठाकुर का/ हल की मूठ पर हथेली अपनी/ फसल ठाकुर की/ कुआं ठाकुर का/ पानी ठाकुर का/ खेत-खलिहान ठाकुर के/ गली-मोहल्ले ठाकुर के फिर अपना क्या।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चिंतन में स्वच्छता, ग्राम स्वराज, कृषि, पशुपालन, वंचितों का उत्थान आदि अनेक पहलू शामिल थे। वह देश को स्वतंत्र कराने के साथ ही साथ समरस और समृद्ध समाज का निर्माण भी चाहते थे, जिसमें किसी को भी जीवन की मूलभूत सुविधाओं का अभाव झेलना ना पड़े। जब वह स्वच्छता की बात करते थे, तब उसमें निरोग विषय भी शामिल हुआ करता था। नरेन्द्र मोदी सरकार ने हर घर नल से जल योजना शुरू की। यह अभियान सफल हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी अपनी रिपोर्ट में इस अभियान को बहुत लाभदायक बताया है। उसने कहा कि इससे लाखों लोगों की जान बचाना सम्भव हुआ है। पूर्वी उत्तर प्रदेश चालीस वर्षों तक मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित था। योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छ जल अपूर्ति सुनिश्चित की। स्वच्छता अभियान चलाया। इससे महामारी को समाप्त किया गया। बावजूद इसके विपक्ष का ताजा एलायंस कुआं पर राजनीति कर रहा है। कुछ दिन पहले इसके एक नेता ने राज्यसभा में काव्य पाठ किया। वह राजद के प्रवक्ता है। पढ़े-लिखे लोगों में शुमार हैं। उन्होंने किसी अन्य की कविता सुनाई- चूल्हा मिट्टी का/ मिट्टी तालाब की/ तालाब ठाकुर का/ भूख रोटी की/ रोटी बाजरे की/ बाजरा खेत का/ खेत ठाकुर का/ बैल ठाकुर का/ हल ठाकुर का/ हल की मूठ पर हथेली अपनी/ फसल ठाकुर की/ कुआं ठाकुर का/ पानी ठाकुर का/ खेत-खलिहान ठाकुर के/ गली-मोहल्ले ठाकुर के फिर अपना क्या?। इसके माध्यम से वह बिहार में अपनी पार्टी का जातीय समीकरण दुरुस्त करना चाहते थे। इस काव्य पाठ से लालू यादव भाव विभोर हो गए। कहा मनोज झा विद्वान आदमी हैं। उन्होंने सही बात कही है। आनंद मोहन ने कहा यदि मैं राज्यसभा में होता तो मनोज झा की जीभ खींचकर सभापति के आसन की तरफ उछाल देता। बिडम्बना देखिए मनोज झा उस पार्टी के हैं जिसके संस्थापक ने भूराबाल साफ करो को पार्टी का उद्देश्य बताया था। उसकी राजनीति एमवाई समीकरण पर आधारित थी। आज बिहार में जो ब्राह्मण-ठाकुर हो रहा है, वह तो राजद के समीकरण में शामिल ही नहीं है। ये वही नेता हैं जो बिहार के मंत्री द्वारा श्री रामचरित मानस पर अमर्यादित टिप्पणी पर मौन थे। एलायंस के अन्य दलों द्वारा हिन्दू धर्म को धोखा बताने, सनातन के उन्मूलन पर भी ये नेता विचलित नहीं हुए थे। यही इनकी राजनीति है। ये कूपमंडूक ही बने रहना चाहते हैं। सरकार स्वच्छ जल पहुंचा रही है। ये नेता ठाकुर का कुआं कविता में अटके हैं। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें विकास की दिशा में बहुत आगे निकल गई हैं। यह गठबंधन कुआं, जाति और मजहब से ऊपर ही नहीं उठ रहा। नमामि गंगे से प्रारंभ हुई यह यात्रा सिंचाई और पेयजल जैसी योजनाओं तक विस्तारित हैं। भारत सरकार ने वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की शुरूआत की थी, जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल से जल पहुंचाना है। जल जीवन मिशन के प्रारम्भ के समय देश में जहां करीब सवा तीन करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल की आपूर्ति होती थी। अब करीब 12 करोड़ घरों में नल से जल की आपूर्ति हो रही है। इस मिशन से गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। इस योजना से पानी की बबार्दी रुकी है। साथ ही उसके दूषित होने की सम्भावना नगण्य हो गई है। वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना इस क्षेत्र में बड़ी पहल है। जल संरक्षण लक्ष्यों के अनुरूप यह योजना ह्यपर ड्रॉप मोर क्रॉप सुनिश्चित करने के लिए सटीक-सिंचाई और जल संरक्षण तकनीक को अपनाने की परिकल्पना को साकार करती है। एक बार महात्मा गांधी काशी में श्रीविश्वनाथ धाम के दर्शन के लिए गए थे। उन्होंने वहां पर्याप्त स्वच्छता ना होने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज श्री काशी विश्वनाथ धाम की काया पलट दी है।अब यहां स्वच्छता है। रिकार्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सही मायने में महात्मा गांधी के रास्ते पर चलते हुए विकास की बुनियाद रखी है।भारत में संसाधन की कमी नहीं हैं। इसके बल पर विभिन्न प्रकार के उपयोगी सामान विश्व स्तर के बनाये जा सकते हैं। देश में असंख्य कुशल हाथ हैं, जिनका उपयोग करके प्राकृतिक संपदा से बहुत कुछ बनाया जा सकता है। गांधी जी ने अपने विचारों के माध्यम से राजनीतिक,दार्शनिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। उन्होंने दबे कुचले दलित वर्ग के लोगों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं छूआछूत का विरोध किया। उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किया। गांधी जी ने जनसामान्य को साफ-सफाई की महत्ता समझाई। स्वच्छता पर गांधी जी के मूलमंत्र को सही मायने में प्रधानमंत्री मोदी ने समझा है। यही वजह है कि स्वच्छता पूरे देश का अभियान बन गया है। आज देश में विकास की मनभावन फाग गा रहा है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

मेट्रो की पटरी का क्या हो गेज

दिल्ली में मेट्रो को पटरी पर दौड़ते हुए 20 साल से अधिक हो गए हैं लेकिन मेट्रो के इस पटरी पर आने से पहले इसके गेज को लेकर रेलवे और दिल्ली मेट्रो के बीच उस वक्त जमकर जंग हुई थी। हालांकि अगर पटरी के गेज का झगड़ा नहीं होता तो मेट्रो संभवतः और पहले दिल्ली में दौड़ने लगती। पटरी के गेज को लेकर चले इस झगड़े में उस वक्त तो रेलवे की जीत हुई और पहली तीन लाइनें ब्रॉड गेज की ही बनीं। लेकिन बाद में सरकार ने ऐसा नियम बनाया कि पहले फेज के बाद की जितनी भी नई मेट्रो लाइनों का निर्माण हुआ, वे सभी स्टैंडर्ड गेज की पटरियां ही थीं। 1998 में जब दिल्ली में पहली मेट्रो रेल लाइन के निर्माण का शिलान्यास हुआ तो उस वक्त दिल्ली मेट्रो के मुखिया ई.श्रीधरन थे। जब निर्माण आगे बढ़ा और पटरी बिछाने की बात आयी तो रेलवे का तर्क था कि ब्रॉडगेज की पटरी पर ही मेट्रो चलाई जाए। चूंकि जब तक गेज तय नहीं होता तो मेट्रो के कोच का आर्डर नहीं दिया जा सकता था। ऐसे में दिल्ली मेट्रो का प्रस्ताव था कि स्टैंडर्ड गेज की पटरी पर ही दिल्ली मेट्रो चलनी चाहिए। लेकिन उस वक्त रेलवे बोर्ड के चेयरमैन चाहते थे कि दिल्ली मेट्रो ब्रॉड गेज की पटरी पर चले। ये टकराव इतना बढ़ा कि दोनों ओर से जब कोई पीछे हटने को तैयार नहीं हुआ तो ये मामला उस वक्त के ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स के दरबार तक पहुंच गया। दोनों के क्या थे तर्कः मेट्रो किस गेज की पटरी पर चले, इसे लेकर रेलवे और मेट्रो दोनों के ही अपने अपने तर्क थे। रेलवे बोर्ड का कहना था कि ब्रॉडगेज पर ही मेट्रो चलनी चाहिए ताकि कभी आपात स्थिति हो तो ब्रॉडगेज पर दौड़ने वाले मेट्रो की ट्रेनें रेलवे की पटरियों पर भी चलाई जा सकें। इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। लेकिन दूसरी ओर दिल्ली मेट्रो के मुखिया ई.श्रीधरन का तर्क था कि पूरी दुनिया में मेट्रो स्टैंडर्ड गेज पर बन और चल रही है। इसकी वजह ये है कि विश्व में आधुनिक तकनीक के कोच और पटरियां स्टैंडर्ड गेज की ही हैं। सिर्फ भारतीय रेलवे और चंद अन्य देशों की ट्रेनें ही पटरियों पर दौड़ती हैं। चूंकि दिल्ली मेट्रो अब बन रही है, ऐसे में आधुनिक तकनीक को अपनाया जाना चाहिए। इससे लागत भी कम आएगी। क्यों रेलवे के पक्ष में गया सरकार का फैसलाः उस वक्त देश में पहली बार मेट्रो बन रही थी। रेलवे के अलावा सरकार के पास कोई ऐसे विशेषज्ञ नहीं थे, जो सेफ्टी के लिए अपनी सलाह दे सकें। जब ये मामला ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स के पास गया तो वहां भी दोनों तरफ के तर्क रखे गए। उस वक्त ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स के कई सदस्यों ने माना कि स्टैंडर्ड गेज का तर्क सही है लेकिन इसके बावजूद फैसला रेलवे के पक्ष में गया। उसकी एक वजह ये भी थी मेट्रो के संचालन से पहले सेफ्टी सर्टिफिकेट देने की जिम्मेदारी कमिश्नर रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) को दी गई थी और सीआरएस भले ही तकनीकी तौर पर विमानन मंत्रालय के अधीन था लेकिन वो रेलवे का ही अधिकारी होता है। ऐसे में तय किया गया कि मेट्रो बनने के बाद उसके सेफ्टी सर्टिफिकेट के वक्त कोई दिक्कत न आए इसलिए ब्रॉड गेज पर ही मेट्रो चलाई जाए। इस झगड़े की वजह से पहले फेज के पहले सेक्शन पर दिसंबर 2002 में मेट्रो दौड़नी शुरू हुई। जबकि अगर ये विवाद नहीं होता तो शायद मेट्रो ट्रेनें उससे भी कई महीने पहले दौड़ना शुरू हो सकती थीं। तीन लाइनें बनाई गईंः उस वक्त दिल्ली मेट्रो का पहला फेज बन रहा था।

न्यूजक्लिक पर तगड़ा फ्लिक

पुरकायस्थ को इससे पहले दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को नोटिस भी दिया था। याचिका में अंतरिम आदेश वापस लेने की अपील की गई थी। अंतरिम आदेश में प्रबीर के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने इस बार अपने रडार पर कई चर्चित पत्रकारों को लिया है। इनमें पुरकायस्थ के अलावा अभिसार शर्मा, उर्मिलेश, संजय राजौरा, भाषा सिंह, औनिंद्यो चक्रवर्ती और सोहेल हाशमी हैं। इसकी वजह यह है कि यह सभी न्यूजक्लिक से किसी न किसी तरह संबद्ध हैं। इनको कुछ न कुछ पैसे मिले हैं। दो साल पहले 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सात जुलाई को प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार न करने का आदेश पुलिस को दिया था। मगर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पुरकायस्थ को अधिकारियों के निदेर्शों के मुताबिक जांच में सहयोग करना होगा।

विदेश से मिले फंड खास तौर पर चीन से मिले पैसों के खुलासे के बाद विवादों से घिरे इंटरनेट समाचार सूचना प्लेटफार्म देश के न्यूजक्लिक पर दिल्ली पुलिस ने तगड़ा फ्लिक किया है। दिल्ली पुलिस ने इससे संबद्ध नोएडा और गाजियाबाद समेत कुछ स्थानों पर दबिश दी है। इसके कर्ता-धर्ता यानी प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ हैं। पुरकायस्थ को इससे पहले दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को नोटिस भी दिया था। याचिका में अंतरिम आदेश वापस लेने की अपील की गई थी। अंतरिम आदेश में प्रबीर के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने इस बार अपने रडार पर कई चर्चित पत्रकारों को लिया है। इनमें पुरकायस्थ के अलावा अभिसार शर्मा, उर्मिलेश, संजय राजौरा, भाषा सिंह, औनिंद्यो चक्रवर्ती और सोहेल हाशमी हैं। इसकी वजह यह है कि यह सभी न्यूजक्लिक से किसी न किसी तरह संबद्ध हैं। इनको कुछ न कुछ पैसे मिले हैं। दो साल पहले 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सात जुलाई को प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार न करने का आदेश पुलिस को दिया था। मगर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पुरकायस्थ को अधिकारियों के निदेर्शों के मुताबिक जांच में सहयोग करना होगा। न्यूजक्लिक के वित्तपोषण की गूंज इस साल संसद के मानसून सत्र में हो चुकी है। सात अगस्त को लोकसभा में भाजपा के निशिकांत दुबे ने न्यूजक्लिक को मिलने वाली चाइना की फंडिंग का मुद्दा जोरशोर से उठाया था। यह वही दिन है जब राहुल गांधी सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे थे। दुबे ने कहा था कि देश में पड़ोसी देश के पैसे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूजक्लिक में पड़ोसी देश से पैसा आया। इस पर कांग्रेस ने काफी बवाल किया। आखिर में दुबे की टिप्पणी के कुछ अंश हटाए गए। विरोध की लपटें शांत न होने पर केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर को सामने आना पड़ा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि 'कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूजक्लिक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की 'नकली मोहब्बत की दुकान' में पड़ोसी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम नजर आ रहा है। वे भारत विरोधी अभियान चला रहे हैं।' अनुराग ठाकुर ने कहा था कि न्यूजक्लिक को कहां-कहां से पैसा मिला, इस सबकी जानकारी है। इनकी फंडिंग का जाल देखेंगे तो नेवल रॉय सिंघम ने इसको फंडिंग की। फंडिंग उसे चीन की ओर से आई। दिल्ली पुलिस की न्यूजक्लिक पर ताजा कार्रवाई को कांग्रेस को पच नहीं रही। तीन अक्टूबर दिन मंगलवार की यह कार्रवाई 17 अगस्त को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत दर्ज मामले पर आधारित है। इसमें धारा 153ए (दो समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 120बी (आपराधिक साजिश) लगी हैं। यहां यह भी जानना जरूरी है कि न्यूजक्लिक के संबंध में न्यूयॉर्क टाइम्स ने विस्फोटक रिपोर्ट छापी थी। इसमें भी दावा किया गया था कि इस वेबसाइट को चीन से वक्त बे वक्त पर फंड मिलता है। इसके बाद यह भी आरोप लगे कि इस वेबसाइट को 'अमेरिकी टेक मुगल नेविल रॉय सिंघम' वित्त पोषित करते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि साल 2021 में जब भारत की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने मनी लॉन्ड्रिंग के पुख्ता सबूतों के आधार पर न्यूजक्लिक के खिलाफ जांच शुरू की तो कांग्रेस और पूरे वाम उदारवादी पारिस्थितिकी तंत्र ने उसका बचाव किया। उल्लेखनीय है कि दो साल पहले ईडी की जांच में पता चला था कि न्यूजक्लिक को चीन और विदेशी स्थानों से लगभग 38 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली। यह किसी से छुपा नहीं है कि नेविल रॉय सिंघम काफी उदार हैं। वह एनजीओ, शिक्षण संस्थानों और मीडिया संस्थानों को फंड करने को लेकर चर्चित हैं। 69 वर्षीय नेविल समाजवादी चिंतक और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क में प्रोफेसर रहे आर्चिबॉल्ड डब्ल्यू सिंघम के बेटे हैं। 1991 में आर्चिबॉल्ड का निधन हुआ था। उन्हें आर्चि सिंघम भी कहा जाता था। आर्चि मूल रूप से श्रीलंका के रहने वाले थे। साम्राज्यवाद के खिलाफ उन्होंने कई किताबें भी लिखीं। नेविल रॉय सिंघम ने शिकागो में आईटी फर्म खोली थी। उन पर काफी पहले से चीन सरकार को प्रमोट करने वाले संस्थानों को फंडिंग करने का आरोप लगता रहा है। न्यूजक्लिक पर हुए फ्लिक से कांग्रेस को मिर्ची लगी है। उसके नेता प्रमोद तिवारी ने टिप्पणी की है, ₹लगता है तानाशाही आ चुकी है। मीडिया पर अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता ही नहीं बल्कि उस पर आर्थिक और सामाजिक रूप से भी अंकुश लगाया जा रहा है। इस कार्रवाई पर सीताराम येचुरी ने सवाल उठाए हैं। इस पर केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर ने भुवनेश्वर में कहा है कि न्यूजक्लिक पर हुए ताजा एक्शन के औचित्य पर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मातृभूमि के सच्चे सेवक श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। उन्होंने आजादी की लड़ाई में जिस प्रकार से नई ऊर्जा भरने का काम किया था, वह देश की अमृतकाल की यात्रा के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

मौसम की सबसे ज्यादा मार पलामू और गढ़वा के मेरे किसान परिवारों को पड़ती है। जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा दंश किसानों को ही झेलना पड़ता है। इस बदलते परिवेश में, जलवायु परिवर्तन को देखते हुए आप सभी से आग्रह है कि पारंपरिक कृषि व्यवस्था के साथ-साथ अलग कृषि पद्धति को अभी अपनाने का काम करें। बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना के माध्यम से हमारे किसान भाई-बहन अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। किसान सालों भर खेती-बाड़ी से जुड़े रहें इस तरफ भी सरकार द्वारा सार्थक पहल की गयी है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

जनप्रतिनिधि की कसौटी

लोकतंत्र को वास्तव में जमीन पर उतारने के संदर्भ में लंबे वक्त से यह बहस चलती रही है कि राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त करने के लिए क्या किया जा रहा है। ऐसा कोई राजनीतिक दल नहीं है, जो लोकतांत्रिक ढांचे में आपराधिक छवि के लोगों के जगह बनाने का समर्थन करता हो। लेकिन विचित्र यह है कि अमूमन सभी पार्टियां चुनाव के वक्त सिर्फ इस बात का ध्यान रखती हैं कि किसी सीट पर उन्हें ही जीत मिले, भले ही उसके लिए उन्हें किसी दागी या आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति को टिकट देना पड़े। यह बेवजह नहीं है कि आज भी देश की विधायिका में एक खासी तादाद वैसे लोगों की है, जो किसी अपराध के आरोपी रहे हैं, लेकिन अब वे जनप्रतिनिधि के रूप में लोकसभा या फिर किसी विधानसभा में मौजूद हैं। सवाल है कि पिछले कई दशक से राजनीतिक हलकों से लेकर अदालतों तक में आपराधिक पृष्ठभूमि वालों के चुनाव लड़ने पर उठने वाली आपत्तियों के बावजूद आज भी संसद या विधानसभाओं के लिए ऐसे लोगों की उम्मीदवारी पर रोक क्यों नहीं लगाई जा सकी है! इस मसले पर चुनाव आयोग की ओर से अक्सर कई स्तर पर हिदायतें दी जाती रही हैं। नामांकन के वक्त निर्धारित प्रपत्र में उम्मीदवारों की ओर से अपने अतीत का ब्योरा दर्ज कराया जाता है, जिसमें अपने आपराधिक रिकार्ड या खुद पर आरोप होने के बारे में भी बताया जाता है। इसके अलावा, चुनाव आयोग उम्मीदवारों से अपने ऊपर आपराधिक मामले सार्वजनिक रूप से जाहिर करने के लिए कहता है, जिसमें इससे संबंधित विज्ञापन देना भी शामिल है। इसी क्रम में राजस्थान विधानसभा के लिए होने वाले चुनावों की व्यवस्था के मद्देनजर रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि उम्मीदवारों को अखबारों में विज्ञापन देकर अपने आपराधिक रिकार्ड की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। साथ ही राजनीतिक दलों को भी यह कारण बताना होगा कि पार्टी ने उस व्यक्ति को उम्मीदवार के तौर पर क्यों चुना है। यानी अगर मतदाताओं के सामने उम्मीदवारों के अतीत और चाल-चरित्र आदि के बारे में पूरी जानकारी होगी, तो वे अपने मत की कीमत समझते हुए आपराधिक छवि के लोगों को वोट नहीं देंगे। निश्चित रूप से चुनाव आयोग की मंशा राजनीति और लोकतंत्र को अपराध की छाया से मुक्त करने की है। लेकिन देश भर में पिछले कई चुनावों के मौके पर ऐसी ही घोषणाओं के बावजूद अब तक इस तस्वीर में क्या फर्क आ सका है? हालत यह है कि एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की हाल की एक रपट के मुताबिक, चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पच्चीस फीसद गंभीर अपराध से जुड़े हैं। आखिर क्या वजह है कि चुनाव आयोग की बार-बार की घोषणाएं जमीनी स्तर पर लागू होती नहीं दिखती हैं। सवाल यह भी है कि अगर आयोग की ओर से उम्मीदवारों को विज्ञापन देकर अपने अपराधों के बारे में बताने का निर्देश दिया जा रहा है तो क्या यह प्रकारांतर से राजनीति के अपराधीकरण को स्वीकृति देना है? ऐसे नियम क्यों नहीं बनाए जाते, जिसके तहत आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक हो और मतदाताओं के सामने आपराधिक छवि के उम्मीदवारों का विकल्प खत्म हो जाए? केवल अच्छी मंशा से किसी नियम की घोषणा करने से राजनीति में अपराधीकरण का जोर कम नहीं होगा। बल्कि लोकतंत्र को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों से बचाने के लिए ईमानदार और स्पष्ट इच्छाशक्ति के साथ नियमों को लागू करने की जरूरत है।

दावे के बरक्स सच

दिल्ली की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन का खूब प्रचार किया जाता है। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शिक्षा मंत्रियों को ही नहीं, विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को भी यहां का शिक्षा माडल देखने के लिए आमंत्रित किया जाता है। दिल्ली सरकार इस सबका बढ़-चढ़ कर दिखावा भी करती है। लेकिन क्या वास्तव में यहां के स्कूलों में इतना बदलाव आया है कि उन्हें उदाहरण के तौर पर देखा जा सके? सरकार के दावों के उलट सूचना का अधिकार कानून यानी आरटीआइ से मिले आंकड़े इसका निराशाजनक जवाब देते हैं। इसके मुताबिक, राजधानी के सरकारी स्कूलों में मौजूदा सत्र के दौरान विद्यार्थियों की संख्या में तीस हजार तक की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की कुल संख्या जहां सत्रह लाख नवासी हजार तीन सौ पचासी थी, वहीं वर्ष 2023 में यह घटकर सत्रह लाख अठावन हजार नौ सौ छियासी रह गई। खास बात यह है कि उत्तर-पश्चिम और मध्य दिल्ली को छोड़ पूरे शहर के स्कूलों में विद्यार्थियों की कमी का रुझान एक जैसा है। सवाल यह है कि अगर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था दूसरे राज्यों के लिए नजीर है, तो फिर यहां बच्चों का स्कूलों से मोह भंग क्यों हो रहा है। दिल्ली की आप सरकार ने लगभग तीन दर्जन स्कूलों को ह्यडाक्टर बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंसह्ल का दर्जा दिया है। ये वे स्कूल हैं, जिनमें दिल्ली शिक्षा बोर्ड के तहत विशेष विषयों की पढ़ाई होती है और इनमें आधारभूत ढांचा और सुविधाएं भी अन्य स्कूलों के मुकाबले बेहतर कही जा सकती हैं। आप सरकार इन्हीं स्कूलों को देश-दुनिया के सामने रखकर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का दम भरती है। लेकिन क्या इतने भर से पूरे शहर की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के दावे को हकीकत मान लिया जाए?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

एफआईआई की बिकवाली जारी रहेगी, तेजड़िये बैकफुट पर होंगे: विश्लेषक

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (आईएएनएस)। निकट भविष्‍य में वैश्विक बाजारों के लिए संकेत नकारात्मक हैं और अमेरिकी बॉन्ड पर ब्‍याज में निरंतर वृद्धि का सिलसिला थमने का कोई संकेत नहीं है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि एफआईआई बिकवाली जारी रखेंगे और तेजड़िये बैकफुट पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सकारात्मक पक्ष की तरफ देखें तो कुछ क्षेत्रों में वैल्‍यूएशन आकर्षक हो रहा है और यह घरेलू तथा खुदरा निवेशकों को ऐसे क्षेत्रों में स्टॉक खरीदने के लिए प्रेरित कर सकता है। इस जटिल स्थिति का एक अपरिहार्य परिणाम बढ़ती अस्थिरता है। निवेशकों को उन शेयरों पर नजर रखनी चाहिए जो कमजोर बाजार में भी मजबूत दिखते हैं। उन्होंने कहा कि बजाज फाइनेंस, एलएंडटी और जोमैटो जैसे शेयर कमजोर बाजार में भी मजबूती दिखा रहे हैं।बाजार में एक महत्वपूर्ण रुझान यह है कि बड़े पूंजी वाले निजी क्षेत्र के बैंकों जैसे बुनियादी तौर पर मजबूत स्टॉक एफआईआई की बिकवाली के कारण कमजोर हो गए हैं। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह एक अवसर है। प्रोग्रेसिव शेयर्स के निदेशक आदित्य गग्गर ने कहा कि अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में बिकवाली का दबाव देखा जा रहा है जो बाजार में और गिरावट क संकेत देता है। भारतीय बाजारों में, मंदड़ियों को अपनी पकड़ मजबूत करते देखा गया। निफ्टी 50 ने सप्ताह की शुरुआत धीमी गति से की, और ऑटो तथा ऊर्जा क्षेत्रों पर ने सूचकांक पर दबाव बनाकर दिन के निचले स्तर 19,528.75 पर बंद हुआ। दूसरी तिमाही के बिजनेस अपडेट और आज से शुरू होने वाली एमपीसी बैठक जैसे विभिन्न कारणों से बैंकिंग स्टॉक फोकस में रहेंगे। बीएफएसआई सेगमेंट में विचलन जारी रहने की संभावना है, जहां दिग्गज निजी बैंकों में उतार-चढ़ाव रहेगा और पीएसयू बैंक बीच-बीच में मामूली सुधारात्मक कदम के साथ अपनी तेजी बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑटो और ऊर्जा क्षेत्रों में गिरावट की संभावना है, जबकि रियल्टी और पावर क्षेत्र में कुछ खास कंपनियों के शेयरों में खरीदारी देखी जा सकती है। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 373 अंक गिरकर 65,138 अंक पर है। एक्सिस बैंक में 3 फीसदी से ज्यादा गिरावट है।

अमेजन ने कीमतें बढ़ाने के लिए सीक्रेट एल्गोरिदम का किया इस्तेमाल

सैन फ्रांसिस्को।

ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने कथित तौर पर यह पता लगाने के लिए सीक्रेट एल्गोरिदम तैनात किया है कि वह अपने प्लेटफॉर्म पर कीमतें कितनी बढ़ा सकती है, जिससे कथित तौर पर कंपनी को अपना मुनाफा बढ़ाने में मदद मिले।वॉल स्ट्रीट जर्नल ने ई-कॉमर्स प्रमुख के खिलाफ संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) के एकाधिकार मुकदमे के संशोधित हिस्सों का हवाला देते हुए मंगलवार देर रात रिपोर्ट दी कि अमेजन ने प्रतिस्पर्धी तरीके से कीमतें बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट नेस्सी एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अगर प्रतिस्पर्धी खुदरा विक्रेता कम कीमत बनाए रखते हैं, तो एल्गोरिदम स्वचालित रूप से अमेजन को उनकी सामान्य कीमत पर वापस ला देगा। कथित तौर पर प्रोजेक्ट नेस्सी ने अमेजन को अलग-अलग शॉपिंग कैटेगिरी में अपनी कीमतें आर्टिफिशियल रूप से बढ़ाकर अपना मुनाफा बढ़ाने में मदद की। कंपनी ने कथित तौर पर 2019 में सीक्रेट एल्गोरिदम का उपयोग बंद कर दिया। एफटीसी के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हम एक बार फिर अमेजन से कटौती को हटाने के लिए तेजी से आगे बढ़ने और अमेरिकी जनता को उनके अवैध एकाधिकारवादी व्यवहार का पूरा दायरा देखने की अनुमति देने का अनुरोध करते हैं।लीना खान के नेतृत्व वाले संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) और अमेरिका में 17 राज्य अटॉर्नी जनरल ने पिछले महीने अमेजन पर मुकदमा दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि ऑनलाइन खुदरा और प्रौद्योगिकी कंपनी एक एकाधिकारवादी है जो अवैध रूप से अपनी शक्ति को बनाए रखने के लिएइंटरलॉकिंग एंटी-कंपीटिटिव और अनुचित रणनीतियों का उपयोग करती है। एफटीसी और उनके राज्य भागीदारों ने कहा कि अमेजन की कार्रवाइयां उन्हें प्रतिद्वंद्वियों और विक्रेताओं को कीमतें कम करने से रोकने, खरीदारों के लिए गुणवत्ता को कम करने, विक्रेताओं से अधिक शुल्क लेने, नवाचार को दबाने और प्रतिद्वंद्वियों को अमेजन के खिलाफ उचित प्रतिस्पर्धा करने से रोकने की अनुमति देती हैं। एफटीसी अध्यक्ष खान ने कहा, हमारी शिकायत बताती है कि कैसे अमेजन ने अपने एकाधिकार को गैरकानूनी रूप से बनाए रखने के लिए दंडात्मक और जबरदस्त रणनीति का इस्तेमाल किया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल (क्रूड) हालांकि 90 डॉलर के करीब बना हुआ है। आज सुबह डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतें 0.17 फीसदी बढ़कर 89.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं। वहीं, ब्रेंट क्रूड भी 0.09 फीसदी ऊपर आकर 91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर नजर डालें तो छत्तीसगढ़ में आज पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 59 पैसे महंगा हुआ है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमतें करीब 1 रुपये बढ़ गयी हैं। पेट्रोल 96 पैसे और डीजल 93 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पंजाब, गोवा, जम्मू-कश्मीर व केरल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में पेट्रोल की कीममें 30 पैसे और डीजल 28 पैसे कम हुई हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 20 पैसे कम हुई हैं। नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपये और डीजल 89.94 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर पर है।

रेरा के आदेश के बाद 2 प्रमोटर्स ने 5 आवंटियों को लौटाई 62 लाख की रकम

ग्रेटर नोएडा ।

उ.प्र. रेरा के आदेश के बाद दो प्रमोटर ने मिलकर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपए की धनराशि वापस की है। रेरा के आदेश पर ग्रेटर नोएडा में आवासीय योजना समय पर विकसित न करने पर मेसर्स निवास बिल्डर व मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक ने पांच आवंटियों को 62.11 लाख रुपये भुगतान किया।यह फैसला बिल्डरों व आवंटियों के बीच आपसी सहमति बनने पर सुनाया गया। नोएडा वेस्ट के सेक्टर-10 में आवासीय वन लीफ ट्रॉय परियोजना का निर्माण व विकास कार्य कई साल से बंद पड़ा था। नियम व शर्तों के मुताबिक बिल्डर द्वारा निर्माण नहीं किया गया और रेरा में शिकायत कर जमा धनराशि वापस मांगी गई थी। इस पर रेरा ने आवंटियों को रिफंड दिलाने के लिए कई मामलों में वसूली प्रमाण पत्र भी जारी किया था। इसके पहले बिल्डरों ने इस परियोजना के आवंटियों की मांग का समाधान करते हुए 1.50 करोड़ का भुगतान किया था। रेरा ने मेसर्स निवास बिल्डर व मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के बीच आपसी समाधान कर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपये भुगतान कराया है

जो बिल्डरों ने आवंटी, दिनेश जोशी, के डी जोशी, नवरतन यादव, निरंजन कुमार व नितिन मोहन को भुगतान कर दिए हैं। सभी 5 आवंटियों को लगभग रुपये 62 लाख 11 हजार की धनराशि का भुगतान किया गया है। इसके अन्तर्गत सभी आवंटियों, दिनेश जोशी को 11.62 लाख, के डी जोशी 10.12 लाख, नवरतन यादव 7.98 लाख, निरंजन कुमार को 18.64 लाख तथा नितिन मोहन को 13.73 लाख दिए गए हैं।

हिंदुस्तान जिंक और ग्रीनलाइन ने ग्रीन लॉजिस्टिक्स के लिए ऐतिहासिक समझौता किया

मुंबई/उदयपुर ।

टिकाऊपन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिंदुस्तान जिंक ने ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड (ग्रीनलाइन) के साथ हाथ मिलाया है। ग्रीनलाइन एस्सार ग्रुप का एक हिस्सा है और यह ग्रीन मोबिलिटी समाधानों में अग्रणी है। अपने टिकाऊ लॉजिस्टिक्स भागीदार के रूप में यह परिवहन संचालन में ग्रीनलाइन के एलएनजी-संचालित बेड़े को तैनात करने के लिए तैयार है। एलएनजी से चलने वाले वाहन डीजल की तुलना में काफी कम उत्सर्जन करते हैं और दोनों कंपनियों के टिकाऊ लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं। यह पहल न केवल परिवहन से जुड़े कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगी बल्कि ग्रीन लॉजिस्टिक्स के लिए नए उद्योग मानक भी स्थापित करेगी।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा, हिंदुस्तान जिंक में हमने सभी के लिए एक हरित भविष्य बनाने के लिए अपने संचालन के हर पहलू में टिकाऊ प्रथाओं को शामिल किया है। टिकाऊपन हमारी कंपनी की पहचान का एक अभिन्न अंग है और हमारे प्रबंधन और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। एलएनजी वाहनों की तैनाती हमारे स्वीकृत एसबीटीआई लक्ष्यों के अनुरूप है, जिससे पूर्ण स्कोप 1 और 2 जीएचजी उत्सर्जन में 50 प्रतिशत की कमी आएगी और वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2030 तक स्कोप 3 जीएचजी उत्सर्जन में 25 प्रतिशत की कमी आएगी। एलएनजी वाहनों को पेश कर हम न केवल भारतीय खनन को डीकार्बोनाइजिंग करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रहे हैं, बल्कि परिवहन क्रांति का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं। यह 2050 या उससे पहले नेट-जीरो के हमारे दृष्टिकोण की दिशा में एक और कदम है, और हम आने वाले महीनों में इसे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। ग्रीनलाइन के सीईओ आनंद मिमानी ने कहा, भारतीय कॉर्पोरेट नेतृत्व अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, और हम अपने ग्रीन लॉजिस्टिक्स समाधानों के साथ उनके मिशन को सक्षम कर रहे हैं। स्वच्छ, हरित गतिशीलता समाधान से उद्योगों को उनके टिकाऊ लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमें हिंदुस्तान जिंक के चुने हुए टिकाऊ लॉजिस्टिक्स साझेदार होने पर गर्व है और हम उनके भारी माल परिवहन के डीकार्बोनाइजेशन को सक्षम करने के लिए तत्पर हैं। हिंदुस्तान जिंक 2050 तक या उससे पहले नेट जीरो

उत्सर्जन का लक्ष्य रखने के लिए प्रतिबद्ध है और यह समझौता इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में नवीनतम पहल है। कंपनी को धातु और खनन क्षेत्र के तहत एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2022 में वैश्विक स्तर पर तीसरा और एशिया प्रशांत क्षेत्र में पहला स्थान दिया गया है। ग्रीनलाइन टिकाऊ माल परिवहन में अग्रणी है और लंबी दूरी की हेवी ड्यूटी रोड लॉजिस्टिक्स में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी हिंदुस्तान जिंक के सड़क लॉजिस्टिक्स संचालन के लिए एलएनजी-संचालित ट्रकों को तैनात करने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

परागअग्रवाल और टीम ने मस्क के एक्स से कानूनी फीस में जीते 1.1 मिलियन डॉलर

सैन फ्रांसिस्को। पूर्व ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल, पूर्व-कानूनी प्रमुख विजया गड्डे और अन्य अधिकारियों ने एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कॉर्प से कानूनी फीस में 1.1 मिलियन डॉलर जीते हैं। रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि डेलावेयर चांसरी कोर्ट के जज कैथलीन सेंट जे. मैककॉर्मिक ने अग्रवाल और टीम के पक्ष में फैसला सुनाया और माना कि ट्विटर ने कंपनी के लिए उनके काम से उत्पन्न कानूनी खर्चों को कवर करने के अपने कर्तव्यों का उल्लंघन किया। भारतीय मूल के ट्विटर सीईओ अग्रवाल, पूर्व कानूनी प्रमुख गड्डे और पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सेगल ने 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा के अवैतनिक कानूनी बिलों को लेकर इस साल अप्रैल में मस्क द्वारा संचालित ट्विटर पर मुकदमा दायर किया था। पिछले साल अक्टूबर में, मस्क ने अग्रवाल, गड्डे और सेगल को सूचित किया कि कंपनी के साथ उनका एंप्लॉयमेंट समाप्त हो गया है, क्योंकि उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। मुकदमे के अनुसार, तीनों ने आरोप लगाया कि ट्विटर को उन्हें 1 मिलियन डॉलर से अधिक का भुगतान करना होगा। ये खर्च कई सुनवाई में न्याय विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा सवालों का जवाब देने के लिए किया गया। अग्रवाल और सेगल को सितंबर में सिक्योरिटीज क्लास एक्शन में प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया था, जबकि दोनों अभी भी ट्विटर पर काम कर रहे थे। मुकदमे के अनुसार, गड्डे को इस साल फरवरी में सिक्योरिटीज क्लास एक्शन में एक प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया था, जब उस कार्रवाई में वादी ने मुकदमे के अनुसार एक संशोधित क्लास एक्शन शिकायत दर्ज की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब इन तीनों शीर्ष अधिकारियों ने ट्विटर छोड़ा तो उनके पास करीब 90-100 मिलियन डॉलर का एग्जिट पैकेज था। पराग अग्रवाल को लगभग 40 मिलियन डॉलर का सबसे बड़ा भुगतान मिला, जिसका मुख्य कारण ट्विटर में उनके शेयर थे, जो नौकरी से निकाले जाने के बाद मिलने थे।

एयर इंडिया 23 अक्टूबर से कोलकाता-बैंकॉक के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी

नई दिल्ली।

एयर इंडिया ने बुधवार को घोषणा की कि वह आगामी त्योहारी सीजन के दौरान 23 अक्टूबर से कोलकाता और बैंकॉक के बीच एक नई नॉन-स्टॉप सेवा शुरू करेगी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, एआई322 कोलकाता से रात 10 बजे उड़ान भरेगा, जबकि एआई321 बैंकॉक से दोपहर 3.05 बजे वापसी उड़ान भरेगा। एयरबस परिवार के विमान से संचालित होने वाली यह उड़ान इकोनॉमी और बिजनेस क्लास की दो-श्रेणी की होगी और छह दिन चलेगी, सोमवार से शनिवार तक। प्रवक्ता ने कहा, इस नई सुविधा से दोनों शहरों में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, बैंकॉक के यात्रियों को एयर इंडिया के नेटवर्क पर थाईलैंड, लाओस और कंबोडिया के 10 लोकप्रिय गंतव्यों तक कनेक्टिंग फ्लाइट लेने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। प्रवक्ता के अनुसार, एयर इंडिया वर्तमान में दिल्ली और मुंबई से दैनिक नॉन-स्टॉप सेवाओं के साथ प्रति सप्ताह बैंकॉक के लिए कुल 14 उड़ानें संचालित करती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 286 अंक, निफ्टी 92 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निकालने से भी बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा अमेरिकी तथा एशियाई बाजारों के कमजोर रुख से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 286.06 अंक करीब 0.44 फीसदी नीचे आकर 65,226.04 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 633.33 अंक तक फिसल गया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 92.65 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी टूटकर 19,436.10 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक्सिस बैंक में सबसे ज्यादा चार फीसदी से अधिक की गिरावट रही। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, मारुति और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी गिरे। वहीं नेस्ले, हिंदुस्तान युनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहा।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी बाजारों में गत दिवस एक फीसदी से अधिक की गिरावट रही। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,034.14 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) 0.91 फीसदी की गिरावट के साथ 90.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।सेंसेक्स 431.88 अंक करीब 0.66 फीसदी नीचे आकर 65,082.45 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 122.75 अंक तकरीबन 0.63 फीसदी टूटकर 19406.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज सुबह प्री-ओपनिंग में बाजार नीचे आया। सेंसेक्स 23.10 अंक करीब 0.04 फीसदी फिसलकर 65,464.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 52.90 अंक तकरीबन 0.27 फीसदी नीचे आकर 19476.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सुबह गिफ्ट निफ्टी 100 अंकों से नीचे आकर 19,431 के स्तर पर खुला था। कुछ समय बाद ही ये और नीचे आ गया और 19,427 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में उम्मीद से अधिक अच्छी नौकरी के अवसर से 10 साल की ट्रेजरी यील्ड पिछले 16 साल के शीर्ष स्तर 4.80 फीसदी पर दा दिया

15 करोड़ डॉलर पोर्टफोलियो का एस्सार ने सफलतापूर्वक वित्तपोषण किया

स्टैनलो (यूके)। एस्सार ऑयल यूके (ईओयूके) ने पुष्टि की है कि उसने हैम्बर्ग कमर्शियल बैंक एजी (एचसीओबी) और मिजराही टेफाहोट बैंक लिमिटेड (यूएमटीबी) के साथ 150 मिलियन डॉलर रिसिवेबल पोर्टफोलियो का वित्तपोषण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस नई सुविधा का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इस वित्तपोषण का सफल समापन ईओयूके में बैंकिंग समुदाय के विश्वास को उजागर करता है, जो यूके में इसके वित्तीय प्रदर्शन और बाजार की स्थिति पर आधारित है। यह ईओयूके को अपने ग्राहकों को अधिक वित्तपोषण की पेशकश करने की क्षमता से ग्राहकों के साथ संबंध मजबूत करने और बिक्री की मात्रा बढ़ाने में भी सक्षम बनाता है। यह वित्तपोषण इस आकार और प्रकृति की सुविधा के लिए प्रतिस्पर्धी बाजार दर पर आता है, जिससे ईओयूके अपनी दीर्घकालिक वित्तपोषण रणनीति को अनुकूलित कर सकता है। एस्सार ऑयल यूके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक महेश्वरी ने टिप्पणी की, ÷यह एक सकारात्मक कदम है। ईओयूके ब्रिटेन की पहली लो कार्बन रिफाइनरी बनने की महत्वाकांक्षा के साथ भविष्य का निर्माण कर रहा है। हमारे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना और प्रतिस्पर्धी वित्तपोषण हासिल करना इस मकसद के लिए महत्वपूर्ण है। एस्सार ऑयल यूके के मुख्य वित्तीय अधिकारी सतीश वासूजा ने टिप्पणी की, हमें इस महत्वपूर्ण वित्तपोषण को पूरा करने और यूएमटीबी और एचसीओबी बैंकों के साथ संबंध बनाने में खुशी हो रही है। यह वित्तपोषण हमें अपनी पूंजी संरचना का एक हिस्सा बाजार मानक शर्तों पर वितरित करने में मदद करता है। यह ईओयूके और हमारे दीर्घकालिक वित्तीय प्रदर्शन में बैंकिंग समुदाय के विश्वास का संकेत है। जबकि यह ग्राहकों को बेहतर शर्तें प्रदान करने और समग्र बिक्री मात्रा बढ़ाने की हमारी रणनीति का भी समर्थन करेगा।

सितंबर में सार्वजनिक बैंकों के शेयरों में रही सबसे ज्यादा तेजी

नई दिल्ली-

सितंबर में पीएसयू बैंक (18 फीसदी), टेलीकॉम (नौ फीसदी), यूटिलिटीज (सात फीसदी), तेल एवं गैस (छह फीसदी) और कैपिटल गुड्स (छह प्रतिशत) के साथ सभी प्रमुख क्षेत्र बढ़त में रहे जबकि मीडिया (माइनस एक प्रतिशत) एकमात्र कमजोर क्षेत्र रहा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। निफ्टी-50 पिछले महीने 20 हजार अंक के मील के पत्थर तक पहुंच गया। निफ्टी -50 ने 18 हजार से 19 हजार तक 425 दिनों (अक्‍टूबर 2021 - जून 2023) की एक अस्थिर और लंबी यात्रा के बाद 19 हजार से 20 हजार तक का सफर केवल 52 कारोबारी दिनों (जुलाई-सितंबर) में पूरा किया। हालाँकि, प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, निफ्टी-50 अपने जून 2022 और मार्च 2023 के निचले स्तर से उबरकर 20 हजार तक पहुंचने में कामयाब रहा। इसमें सबसे ज्यादा योगदान इस साल मार्च से सितंबर के बीच 19 अरब डॉलर के विदेशी संस्थागत निवेश और 9.3 अरब डॉलर के घरेलू संस्थागत निवेश का रहा।मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, छह महीने तक शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद सितंबर में विदेशी संस्‍थागत निवेशकों ने 2.3 अरब डॉलर की शुद्ध बिकवाली की। कैलेंडर वर्ष 2023 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की तरफ से पूंजी प्रवाह क्रमशः 14.7 अरब डॉलर और 15.7 अरब डॉनर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीआईआई ने अगस्त 2023 में तीन अरब डॉलर के निवेश के बाद सितंबर 2023 में भी 2.4 अरब डॉलर का उल्लेखनीय प्रवाह दर्ज किया। रिपोर्ट में कहा गया है, हम देखते हैं कि पिछले पांच आम चुनावों (1999-2019) के दौरान, चुनाव परिणामों की घोषणा से छह महीने पहले निफ्टी-50 में 10-32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। भारत में मार्च-मई 2024 में आम चुनाव होंगे।

कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला, उज्ज्वला योजना वाले सिलेंडर पर बढ़ी सब्सिडी

(एजेंसी)

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। सरकार ने उज्ज्वला स्कीम में दी जाने वाली सब्सिडी में इजाफा किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि अब उज्ज्वला स्कीम में अब सरकार की ओर से एक सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़कर 300 रुपए मिलेगी। पहले सरकार एक सिलेंडर पर 200 रुपए सब्सिडी दे रही थी। इससे पहले 30 अगस्त 2023 को हुई कैबिनेट की मीटिंग में सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी थी। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई, आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए मौजूदा सब्सिडी को बढ़ाया था। पिछले ऐलान में सरकार ने 200 रुपए की बढ़ोतरी की थी, जिससे प्रति सिलेंडर कुल सब्सिडी 400 रुपए हो गई थी। बीते ऐलान के बाद सब्सिडी योजना के तहत नए कनेक्शन पूरी तरह से मुफ्त होंगे। सरकार की ओर से कहा गया था कि सरकार फाइनेंशियल ईयर 2024 में 7,680 करोड़ रुपए का अतिरिक्त एलपीजी सब्सिडी बोझ उठाएगी।

इस प्रदेश में देख सकते हैं भारत का सफेद रेगिस्तान

वैसे तो भारत में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है जिस तरफ (उत्तर, दक्षिण, पूरब पश्चिम) भी आप रुख करे आपको खूबसूरत नजारे ही देखने को मिलेंगे। आइए इस बार पश्चिम की ओर रुख करते हैं। सिन्धु घाटी की सभ्यता, स्वतंत्रता सेनानियों और तराशे गए हिरों के लिए प्रसिद्ध गुजरात भारत के पश्चिम भाग का एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। उद्योग के लिए विख्यात गुजरात राज्य ने पिछले कुछ वर्षो से खुद को पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित किया है। वास्तव में अगर देखें तो गुजरात में कुछ ऐसे अद्भुत पर्यटक स्थल है जो अपने खूबसूरत आकर्षण के लिए जानी जाती है। मंदिरों और वन्यजीव के अलावा इस प्रदेश में वास्तुकला की एक अनुपम कृति भी महसूस की जा सकती है।

ग्रेट रण ऑफ कच्छ: अगर आप गुजरात आएं और आपने ग्रेट रण ऑफ कच्छ नहीं देखा तो समझों की कुछ नहीं देखा। कच्छ को सफेद रेगिस्तान का नाम दिया गया है। लगभग 16 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र अपने नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। अगर आप मानसून के समय कच्छ की ओर रुख करते हैं तो आपको और ज्यादा मजा आएगा।

द्वारका: हिंदुओं के चार धामों और सप्त पुरियों में से एक गुजरात की द्वारिकापुरी मोक्ष तीर्थ के रूप में जानी जाती है। पूर्णावतार श्रीकृष्ण के आदेश पर विश्वकर्मा ने इस नगरी का निर्माण किया था जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा से सब यादवों को लाकर यहां बसाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर पूरी दुनिया से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल की ओर रुख करते हैं।

सोमनाथ: ऐतिहासिक लूट और पुनर्निर्माण की कहानी लिए गुजरात का सोमनाथ मंदिर हमेशा से विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। इस भव्य मंदिर को हम भगवान शिव के बारहवें ज्योतिर्लिग के नाम से भी जानते हैं। यह जगह केवल मंदिर के लिए नहीं बल्कि अन्य पर्यटन केंद्रों के लिए भी विश्वविख्यात है। सोमनाथ में अन्य पर्यटन और तीर्थ स्थलों में अहिल्याबाई मंदिर, सूरज मंदिर, त्रिवेणी घाट, प्रभास पाटन संग्रहालय और जूनागढ़ गेट शामिल हैं।

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान 'बाघ संरक्षित क्षेत्र' है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां देखने के लिए यह उद्यान आपके लिए उपयुक्त जगह साबित हो सकती है। गिर पश्चिमी भारत का सबसे बड़ा शुष्क पर्णपाती वन माना जाता है। यहां की वनस्पति में सागौन, साल और ढाक (ब्यूटिया फ्रोंडोसा) जैसे पर्णपाती वृक्षों सहित कांटेदार जंगल शामिल हैं।

भुज: हस्तशिल्प को लेकर आपके अंदर दिलचस्पी है तो आप गुजरात के भुज में कुछ समय बिता सकते हैं। यह जगह ठप्पे की छपाई का कपड़ा, बंधेज, चांदी का सामान और कढ़ाई वाले वस्त्रों के अलावा यह कच्छी हस्तशिल्प के लिए भी विख्यात है। भुज पहुंचते ही आप हस्तशिल्प के कलाकारों से तो मिल ही सकते हैं। साथ ही हस्तशिल्प प्रदर्शनी का फायदा भी उठा सकते हैं।

तटीय दीव में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

यह स्थान वर्ष 1961 से पहले पुर्तगाली शासन के अधीन था तथा गोवा और दमन के साथ ही इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। ठंडी समुद्री हवा के झोकों तथा प्रदूषण रहित वातावरण के कारण यहां आकर सैलानियों को काफी राहत महसूस होती है।

लंबे विदेशी शासन के कारण दीव के भवनों, किलों, भाषा व संस्कृति तथा जीवनशैली पर पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। यहां गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी तथा पुर्तगाली भाषाएं बोली व समझी जाती हैं। यहां के निवासियों को फूलों से बेहद लगाव है इसलिए लगभग हर मकान में फूलों के पौधे आपको अवश्य देखने को मिलेंगे।

दीव का प्रमुख आकर्षण यहां का किला है जोकि लगभग 5.7 हेक्टेयर क्षेत्र में बना हुआ है और सागर के अंदर समाया हुआ प्रतीत होता है। इस किले का निर्माण वर्ष 1535-41 के बीच में गुजरात के सुलतान बहादुरशाह व पुर्तगालियों द्वारा किया गया था। किले के बीच में पुर्तगाली योद्धा %डाम नूनो डी कुन्हा% की कांसे की मूर्ति भी बनी हुई है। यहां एक प्रकाश स्तंभ भी बना हुआ है जहां से पूरे दीव का नजारा दिखता है। प्रकाश स्तंभ से आवाज देने पर उसकी प्रतिध्वनि भी सुनाई देती है।

पानीकोट का दुर्ग पत्थर की विशाल शिलाओं से बना हुआ है। यह दुर्ग एक समुद्री जहाज के आकार का नजर आता है। इस सुंदर दुर्ग तक पहुंचने के लिए नाव अथवा मोटरबोट की सहायता लेनी पड़ती है क्योंकि यह खाड़ी के मुहाने पर तट से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्ग के बीचोंबीच एक गिरजाघर व प्रकाश स्तंभ भी है।

आप सेंट पाल चर्च भी देखने जा सकते हैं। वर्ष 1610 में बनी यह चर्च धार्मिक और ऐतिहासिक, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आप दीव घूमने आए ही हैं तो नगोआ बीच जरूर जाएं। इस बीच को भारत के सुंदरतम तटों में से एक माना जाता है। इसका आकार घोड़े की नाल के समान है, जिस पर सुनहरी रेत बिखरी हुई है। इसकी लंबाई दो किलोमीटर है तथा रहने के लिए यहां तंबू लगाने की सुविधा भी है।

सनसेट प्वाइंट सागर तट की गरजती लहरों के बीच एक पहाड़ी पर स्थित है। यहां पर एक उद्यान और ओपन एअर थियेटर बनाया गया है तथा स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए कमरों की भी व्यवस्था है।

दीव के अन्य दर्शनीय स्थलों की बात करें तो केवड़ी में स्थित संगीत फुहारे, सेंट थामस चर्च, नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, जामा मस्जिद, दीव संग्रहालय, गोमती माता सागर तट, घोघला सागर तट व मांडवी नगर आदि प्रमुख हैं। दीव में एक विचित्र आकार का ताड़ का पेड़ होता है जिसमें ऊपर एक के स्थान पर दो तने होते हैं, यह पेड़ अंग्रेजी के %वाई% आकार का दिखता है, इसको होक्का ताड़ भी कहते हैं।

दीव के हवाई अड्डे पर जेट एअर की मुंबई से प्रतिदिन की उड़ाने हैं। यदि यहां रेल मार्ग से आना चाहें तो आपको निकटतम रेलवे स्टेशन वेरावल पड़ेगा। जहां से आपको दीव तक के लिए बस सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

ब्यूटीफुल चंडीगढ़

अपने देश में ऐसे बहुत से पर्यटन स्थल हैं जिनकी खूबसूरती की तस्वीर ताउम्र हमारे मन में अंकित हो जाती है। लेकिन कुछ ऐसे स्थल भी हैं जो हमें प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ पर्यटन का एक नया, अलग-सा, खुशगवार और न भूलने वाला अहसास दे जाते हैं। ऐसे ही स्थलों में से एक है पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़। पूरे डिजाइन और तरतीब से बनी इस शहर की इमारतों तथा इसकी स्वच्छता को देखते हुए इस शहर को ब्यूटीफुल सिटी कहा जाता है

चंडीगढ़ के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं

➔**रॉक गार्डन:** कैपिटल परिसर और सुखना झील के बीच सेक्टर एक में बसा यह गार्डन चंडीगढ़ का एक बेहतरीन पर्यटन स्थल है। इसकी संरचना किसी भी व्यक्ति को अपने मोहपाश में बांध लेती है। इस गार्डन की नींव 1957 में ही नेक चंद ने रखी थी। नेक चंद चंडीगढ़ राजधानी परियोजना के इंजीनियरिंग विभाग में रोड इंस्पेक्टर थे। रॉक गार्डन अनोखा गार्डन है। इस गार्डन की खासियत यह है कि इसमें जितनी भी मूर्तियां और अन्य रचनाएं बनाई गई हैं, वे औद्योगिक और शहरी कचरे- जैसे संगमरमर के टुकड़े, चीनी मिट्टी के बर्तन, ऑटो पार्ट्स, टूटी चूड़ियां, स्लेट के टुकड़े, नाई की दुकान के बाल, शीतल पेय की बोतलें, धातु के तार, सीमेंट, कंक्रीट, वॉश बेसिन आदि कई बेकार चीजों से तैयार की गई हैं। ये नेक चंद की अनूठी रचनात्मकता के जीते-जागते उदाहरण हैं। पार्क को 1976 में जनता के लिए खोला गया था। 1983 में यह गार्डन भारतीय डाक टिकट पर भी छपा था।

चालीस एकड़ में फैले इस गार्डन की मूर्तिकला किसी अजूबे से कम नहीं है। रोजाना लगभग पांच हजार लोग इसे निहारते हैं। अलग-अलग हिस्सों में बंटे इस गार्डन में राजा का दरबार, न्यायालय, संगीत चैम्बर, नर्तक चैम्बर, देवी-देवताओं का चित्रण, दीवारों पर उकेरी गयी आकर्षक डिजाइन, मानव निर्मित झरने, एक खुला थियेटर, महल परिसर, ग्रामीण परिवेश, पक्षी, जानवरों की मूर्तियां आदि यहां के महत्व को दर्शाते हैं। इसे देखने के लिए टिकट लगता है जो बच्चों के लिए तीन रुपये और बड़ों के लिए पांच रुपये का है। एक अप्रैल से 30 सितम्बर के बीच आप इस गार्डन को सुबह नौ बजे से सायं सात बजे तक देख सकते हैं जबकि सर्दियों में यह एक अक्टूबर से 31मार्च तक नौ बजे से छह बजे तक का खुला रहता है।

➔**रोज गार्ड न:** चंडीगढ़ का एक अन्य आकर्षण है रोज गार्डन। इसे जाकिर हुसैन गार्डन भी कहा जाता है। इस गार्डन को पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन और डॉ. एम. एस. के मार्गदर्शन में 1967 में बनवाया गया था। इस गार्डन में 1,600 विभिन्न प्रजातियों के 50,000 गुलाबों की झाड़ियों के साथ एक वनस्पति उद्यान है। इसे एशिया का सबसे बड़ा रोज गार्डन होने का भी गौरव प्राप्त है। यह गार्डन स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक व अन्य आयोजनों का मेजबानी स्थल भी है।

➔**सुखना झील:** शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में स्थित यह कृत्रिम झील चंडीगढ़ का एक अभिन्न अंग है। झील का निर्माण स्विस वास्तुकार ली. कार्बुजियर और मुख्य अभियंता पी. एल. वर्मा ने 1958 में करवाया था। इस झील में पर्यटक फोटोग्राफी के साथ बोटिंग का मजा ले सकते हैं। इस खूबसूरत झील में रोजाना पर्यटकों और स्थानीय लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। सर्दियों में यह झील साइबेरियाई बत्तख, स्टार्क और क्रेन जैसे विदेशी प्रवासी पक्षियों के लिए एक अभयारण्य का कार्य करती है। झील को भारत सरकार द्वारा संरक्षित राष्ट्रीय आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता है। इस झील के किनारे हर वर्ष बहुत से उत्सव और समारोह आयोजित किये जाते हैं।

➔**राजकीय संग्रहालय और आर्ट गैलरी :** सेक्टर- 10 स्थित संग्रहालय और आर्ट गैलरी 1968 में निर्मित की गई थी। इस गैलरी को निहारना एक सुखद अनुभूति प्रदान करता है। यह गांधार पत्थर की मूर्तियों के साथ लघु चित्र, सजावटी कला, सिक्के तथा प्रागैतिहासिक जीवाश्मों को निहारने का एक आदर्श स्थल है।

➔**खुले हाथ स्मारक:** खुले हाथ स्मारक प्रसिद्ध वास्तुकार ली. काबरुजियर की रचना है। भारत के महत्वपूर्ण स्मारकों में से एक यह स्मारक सेक्टर एक में स्थित है। इस स्मारक में लगभग 14 फुट ऊंचा और 50 टन वजन का एक विशाल हाथ बनाया गया है जो हवा की दिशा का संकेत देता है। इसके अलावा, चंडीगढ़ गोल्फ क्लब, शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूजियम तथा चंडीगढ़ से लगभग 17 किलोमीटर दूर जिरकपुर में छतबीर चिड़ियाघर अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। छतबीर चिड़ियाघर का मुख्य आकर्षण लायन सफारी है।

➔**कब करें यात्रा :** चंडीगढ़ के लिए आप पूरे साल और किसी भी मौसम में आकर यहां का आनंद ले सकते हैं।

➔**कैसे पहुंचें :** चंडीगढ़ हर हिस्से से सड़क मार्ग से जुड़ा है। अत: यहां किसी भी वाहन द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। चंडीगढ़ में ही रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा है, जिनके चलते पर्यटकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। दिल्ली से चंडीगढ़ की दूरी लगभग 250 किमी है।

गूगल मैप ने पहुंचाया मौत के मुंह में

-एर्नाकुलम में दो डॉक्टरों को गूगल मैप ने पहुंचाया मौत के मुंह में

एर्नाकुलम । केरल के एर्नाकुलम जिले में गलत जीपीएस से दिखाए रास्ते ने दो डॉक्टरों को मौत के घाट उतार दिया। नदी में कार गिर जाने से दोनों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 29 वर्षीय अद्वैत और 29 वर्षीय अजमल हैं। दोनों पेशे से दोनों डॉक्टर थे। दुर्घटना के समय दोनों अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ साथ जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि ड्राइवर गूगल मैप्स पर दिखाए गए निर्देशों का पालन करते हुए दुर्घटना वाले क्षेत्र में पहुंच गया। वे कार से कोडुंगल्लूर लौट रहे थे और कथित तौर पर घर जाने के लिए गूगल मैप का पालन कर रहे थे। ड्राइवर नदी को पानी से भरी सड़क समझकर आगे बढ़ गया और उनकी कार पेरियार नदी में गिर गई। अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के समय भारी बारिश के कारण बहुत कम दृश्यता थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नदी पर निशानदेही के लिए कोई बैरिकेड और साइनबोर्ड नहीं लगे थे। हालांकि, स्थानीय लोग कार में सवार लोगों को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। इसके बाद फौरन अग्निशमन सेवा कर्मियों और पुलिस को सूचना दी गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों और बचावकर्मियों ने तीन यात्रियों को जीवित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने आगे बताया कि नदी से जिंदा निकाले गए तीनों लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दोनों मृतक डॉक्टर कोडुंगल्लूर के एआर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के इंमरजेंसी वार्ड में काम करते थे। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 174 (अप्राकृतिक मौत) के तहत केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

उत्तराखंड सरकार ने किया 15 हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, । उत्तराखण्ड सरकार ने बुधवार को ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जे एस डब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड के साथ 15000 करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत अल्मोड़ा में 1500 मेगावाट के दो पम्प स्टोरेज विकासित करके शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यह समझौता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में राष्ट्रीय राजधानी में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के रोड शॉ के दौरान किया गया।

दोनों पक्षों के बीच हुए आपसी सहयोग के इस समझौते (एमओयू) से 1000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस समझौते से एक बड़ी आबादी को पेयजल की आपूर्ति तथा कृषि के लिए सिंचाई की सुविधा मिलेगी। श्री धामी ने इस मौके पर कहा कि समझौते से राज्य में पंप स्टोरेज प्लांट, सीमेंट, स्पोर्ट्स, ट्रेनिंग सेंटर, पेयजल, कुमाऊं के मंदिरों के पुनरुद्धार की मानसखंड मंदिर माला योजना के सौंदर्यकरण के क्षेत्र में सहयोग मिलेगा। इसके तहत जेएस डब्ल्यू एनर्जी 1500 मेगावाट क्षमता के अल्मोडा में दो स्व-पहचान वाली पंप स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित करने की योजना पर कार्य करेगी, जिसे अगले पांच-छह वर्षों में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में अल्मोडा के जोसकोटे गांव में साइट एक में यह योजना निचला जलाश्य कोसी नदी से 8-10 किमी की दूरी पर प्रस्तावित है तथा अल्मोड़ा के कुरचौन गांव में साइट-2 में यह ऊपरी जलाश्य कोसी नदी से 16 किमी की दूरी पर प्रस्तावित है। इस योजना से एक बड़ी आबादी को पेयजल की आपूर्ति तथा कृषि के लिए सिंचाई की सुविधा मिलेगी7 इसके साथ ही इस योजना से 1000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे7

भाजपा ने बंगाल की आवाज को दबाने में सभी हदें पार की : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, 'अब केंद्र सरकार बंगाल की आवाज को दबाने के लिए सभी हदें पार कर चुकी है।' सुश्री बनर्जी ने मंगलवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'आज लोकतंत्र के लिए एक काला, भयावह दिन है, एक ऐसा दिन जब भाजपा ने बंगाल के लोगों के प्रति अपने तिरस्कार, गरीबों के अधिकारों की उपेक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूर्ण परित्याग का खुलासा किया।' उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, निर्दयतापूर्वक बंगाल के गरीबों के लिए महत्वपूर्ण धनराशि रोक दी और जब हमारा प्रतिनिधिमंडल शांतिपूर्वक विरोध करने और हमारे लोगों की दुर्दशा पर ध्यान आकर्षित करने के लिए दिल्ली पहुंचा, तो उनके साथ पहले राजघाट पर और फिर कृषि भवन में क्रूरता की गई।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'भाजपा की मजबूत भुजा के रूप में कार्य करते हुए दिल्ली पुलिस ने बेशर्मी से हमारे प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिन्हें जबरन हटा दिया गया और आम अपराधियों की तरह पुलिस वैन में ले जाया गया, क्योंकि उन्होंने सत्ता के सामने सच बोलने का साहस किया।' सुश्री बनर्जी ने कहा, 'उनके अहंकार की कोई सीमा नहीं है और उनके अभिमान और अहंकार ने उन्हें अंधा कर दिया है।'

संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लगायी रोक, विपक्ष ने उठाए थे सवाल

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने आज (4 अक्टूबर) उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें अमेठी के संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ ने कहा कि अस्पताल के खिलाफ जांच जारी रहेगी। पीठ ने राज्य को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को भी कहा। ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत के कुछ दिनों बाद 18 सितंबर को अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। संजय गांधी अस्पताल का संचालन कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाले संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा उसके सदस्य हैं। संजय गांधी अस्पताल की सभी सेवाओं पर रोक लगाए जाने के खिलाफ 400 से अधिक कर्मचारियों का धरना भी देखने को मिला। राम शाहपुर गांव की रहने वाली 22 वर्षीय दिव्या शुक्ला की मौत की जांच के बाद 17 सितंबर को अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था और इसके बाह्य रोगी विभाग व आपातकालीन सेवाओं पर रोक लगा दी थी। महिला रोगी को 14 सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके पति ने दावा किया था कि दिव्या के इलाज में लापरवाही की गई जिसकी वजह से अंतत- उसकी मौत हो गई। विपक्षी दलों ने दावा किया था कि अमेठी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद स्मृति ईरानी ने अस्पताल बंद कराया है।

कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना ने कर्नाटक की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया -राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की शक्ति योजना की सराहना करते हुए कहा कि इसने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है और 'यह गर्व की बात है कि हमारा शासन मॉडल यह सुनिश्चित कर रहा है कि राज?य की महिलाओं को उनका अधिकार मिले'। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कर्नाटक में लक्ष्मी, वंदना, पूजा और उनके जैसी लाखों महिलाओं को कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना द्वारा सशक्त बनाया गया है, जो मुफ्त बस यात्रा प्रदान कर रही है।' उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें स्कूल, कॉलेज, काम पर जाना हो या राज्य में कहीं भी यात्रा करनी हो, 'शक्ति योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है और इसके परिणामस्वरूप पर्याप्त बचत हुई है'।

बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत: राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह तैयार रहने की जरूरत है।

63वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमारी सुरक्षा चिंताएं क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण से कहीं आगे तक फैली हुई हैं और इसमें अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा सहित कल्याण के अन्य आयाम भी शामिल हैं। सशस्त्र बलों की भूमिका पारंपरिक सैन्य मामलों से परे भी विस्तारित हुई है। जटिल रक्षा और सुरक्षा परिवेश में भविष्य के संघर्षों के लिए अधिक एकीकृत बहु-राज्य और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। इसलिए एनडीसी पाठ्यक्रम भविष्य के जटिल सुरक्षा माहौल से व्यापक तरीके से निपटने के लिए सैन्य और सिविल सेवा अधिकारियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण गतिशील है और कई चुनौतियां खड़ी करता है। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों की गहरी समझ की

आवश्यकता है। हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करना है बल्कि साइबर युद्ध, प्रौद्योगिकी समर्थित आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी नई सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। व्यापक शोध पर आधारित अद्यतन ज्ञान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम अपनी तरह का एक अनूठा पाठ्यक्रम है जिसमें शासन, प्रौद्योगिकी, इतिहास और अर्थशास्त्र के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीसी में सीखने के समग्र दृष्टिकोण ने चुनौतियों का सामना करने के मामले में पाठ्यक्रम के सदस्यों को समृद्ध किया है।

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू को राहत,अब 16 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली । लैंड फॉर जॉब मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव को जमानत दे दी है। अब मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। आपको बता दे कि वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री थे इसी दौरान उन पर नौकरी के बदले जमीन लेने के आरोप लगे थे। कहा गया था कि रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए लालू परिवार ने बेरोजगारों से जमीन ली है। इसी मामले में लालू यादव और अन्य के खिलाफ समन जारी किए गए थे जिसके पालन में लालू सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए। विशेष सीबीआई न्यायाधीश, न्यायमूर्ति गीतांजलि गोयल ने लालू और अन्य को तब तलब किया था जब सीबीआई ने हाल ही में अदालत को सूचित किया था कि प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सक्षम अधिकारियों से अपेक्षित मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। समन जारी करते समय, अदालत ने कहा था कि सबूत प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी सहित विभिन्न अपराधों को अंजाम देना दिखाते हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 3 जुलाई को लालू और अन्य के खिलाफ एक नया आरोप पत्र दायर किया। इसमें उल्लेख किया गया कि रेलवे के मानदंडों, दिशानिर्देशों और प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए, मध्य रेलवे में उम्मीदवारों की अनियमित/अवैध नियुक्तियां की गईं।

वायु सेना को मिला पहला 'तेजस ट्विन सीटर' एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना को अपना पहला 2 सीटर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'तेजस ट्विन सीटर' मिल गया है। बुधवार को यह विमान आधिकारिक तौर पर भारतीय वायु सेना को सौंपा गया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल ने बुधवार को वायु सेना को पहला तेजस ट्विन सीटर ट्रेनर विमान सौंपा हैं।

तेजस ट्विन सीटर ट्रेनर विमान एक हल्का विमान है। इसकी एक बड़ी खासियत यह भी है कि यह विमान किसी भी मौसम में उड़ान भर सकता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को कुल 18 ट्विन सीटर विमान का ऑर्डर दिया गया था। भारतीय वायु सेना द्वारा दिए गए इस आर्डर में से 8 विमान अगले साल तक दे दिए जाने हैं। शेष 10 विमानों को 2026-27 तक इंडियन एयर फोर्स के सुपुर्द किया जाएगा।

गौरतलब है कि भारतीय सेना के पास एलसीए तेजस का एडवांस्ड वर्जन मार्क-1 ए विमान पहले से ही है। एयर फोर्स के पास उपलब्ध यह विमान एक फाइटर जेट है जो 2205 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवा में उड़ता है। यही नहीं एयर फोर्स का यह फाइटर जेट 6 तरह की मिसाइलों को ले जाने में भी सक्षम है। भारतीय वायुसेना ने 123 तेजस फाइटर जेट मांगे थे, जिसमें से 31 मिल चुके हैं। ये सभी तेजस मार्क -1 हैं।

जबकि बुधवार को एयरफोर्स को सौंपा गया, तेजस टू-सीटर ट्रेनिंग विमान है। हालांकि ट्रेनिंग विमान होने के बावजूद आपातकालीन स्थिति में इसे

बतौर फाइटर जेट भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पहले मंगलवार को एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बताया कि वायुसेना 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस मार्क 1ए खरीदने की अपनी योजना पर आगे बढ़ रही है। इसके अलावा एयर चीफ मार्शल चौधरी ने यह भी बताया कि भारतीय वायुसेना को रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम की तीन यूनिट मिलीं। वायुसेना को अगले साल तक मिसाइल सिस्टम की शेष दो और यूनिट मिलने की उम्मीद है। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने यह भी कहा कि भारतीय वायु सेना अगले सात-आठ वर्षों में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के सैन्य प्लेटफॉर्म, उपकरण और हार्डवेयर को शामिल करने पर विचार कर रही है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अनिश्चित जियोपोलिटिकल स्थिति ने एक मजबूत सेना की आवश्यकता को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना क्षेत्र में भारत की सैन्य ताकत को प्रदर्शित करने का आधार बनी रहेगी। अग्निपथ योजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए वायुसेना ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। थिएटराइजेशन योजना पर उन्होंने कहा कि इस पर काम चल रहा है।

आखिर मणिपुर की सुध क्यों नहीं ले रही है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर में हिंसा के कारण हालत पांच महीने में बदतर हो चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हालात पर चुप्पी साधकर राज्य के लोगों को उनके हाल पर छोड़कर उनके साथ न्याय नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा, पांच महीने पहले, तीन मई की शाम को, तथाकथित डबल इंजन सरकार की विभाजनकारी राजनीति के कारण मणिपुर में हिंसा भड़की थी। लगभग एक महीने के बाद, कर्नाटक चुनाव में अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाकर और अन्य जरूरी कार्यों से मुक्त होकर, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य का दौरा करना उचित समझा लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वास्तव में हालात और ख़राब हो गए। सामाजिक सद्भाव पूरी तरह से बिगड़ चुका है। हर दूसरे दिन हिंसक अपराधों की भयावह खबरें सामने आ रही हैं। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में फंसे हुए हैं। सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस के बीच झड़प आम बात हो गई है।

उन्होंने कहा, फिर भी पीएम मोदी इस मामले पर पूरी तरह से चुप हैं। राज्य में हालात बिगड़ने के काफी दिनों बाद उन्होंने सिर्फ दिखावे के लिए 10 अगस्त को लोकसभा में अपने 133

मिनट के भाषण में पांच मिनट से भी कम समय के लिए राज्य पर एक टिप्पणी करके औपचारिकता निभा दी। भारतीय जनता पार्टी के अधिकांश विधायक मुख्यमंत्री को पद से हटाना चाहते हैं, इसके बावजूद मुख्यमंत्री बेशर्मी से अपने पद पर बने हुए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने मणिपुर को लेकर पीएम मोदी से सवाल कर कहा, आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा कब किया था। आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के भाजपा मुख्यमंत्री से कब बात की थी। आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के भाजपा विधायकों से कब मुलाकात की थी। आखिरी बार कब प्रधानमंत्री ने राज्य के अपने कैबिनेट सहयोगी के साथ मणिपुर पर चर्चा की थी। इससे पहले कोई भी प्रधानमंत्री इस तरह किसी राज्य और उसके सभी लोगों को पूरी तरह से उनके हाल पर नहीं छोड़ा है, जैसा कि अब किया जा रहा है।

सहयोग न करने पर किसी व्यक्ति को नहीं कर सकते गिरफ्तार, ईडी को सुप्रीम कोर्ट ने दिया सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत जारी समन के जवाब में असहयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकता है। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 32 पेज के विस्तृत फैसले में कहा कि 2002 के अधिनियम की धारा 50 के तहत जारी समन के जवाब में एक गवाह का असहयोग उसे दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया जा सकता है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि ईडी की हर कार्रवाई पारदर्शी, बोर्ड से परे और कार्रवाई में निष्पक्षता के प्राचीन मानकों के अनुरूप होने की उम्मीद है और एजेंसी से अपने आचरण में प्रतिशोधी होने की उम्मीद नहीं है।

2002 के कड़े अधिनियम के तहत दूरगामी शक्तियों से संपन्न ईडी को अत्यंत ईमानदारी, निष्पक्षता और निष्पक्षता के साथ कार्य करते हुए देखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा मामले में तथ्य दर्शाते हैं कि ईडी अपने कार्यों का निर्वहन करने में विफल रही है और इन मापदंडों के भीतर अपनी शक्तियों का प्रयोग करें। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश तब आया जब उसने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रियल्टी समूह एम3एम के निदेशकों बसंत बंसल और पंकज बंसल को जमानत दे दी।

पीठ ने मामले को आगे बढ़ाने में ईडी के आचरण पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से अपीलकर्ताओं द्वारा पहले ईसीआईआर से संबंधित अंतरिम सुरक्षा प्राप्त करने के तुरंत बाद दूसरा ईसीआईआर दर्ज करना, इसे शक्ति का मनमाना प्रयोग बताया। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 22(1) का हवाला दिया, जो गिरफ्तार व्यक्ति को बिना किसी देरी के गिरफ्तारी के आधार के बारे में सूचित करने के अधिकार की गारंटी देता है। इसमें जोर देकर कहा गया कि इस मौलिक अधिकार का अपने इच्छित उद्देश्य की पूर्ति के लिए सार्थक ढंग से प्रयोग किया जाना चाहिए।

भाजपा की गारंटी लोगों का उत्पीड़न, सिर्फ उल्टा-सीधा बोलते हैं पीएम: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 'भरोसे का सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ओबीसी जनगणना चाहते हैं, क्योंकि इससे वह जानकारी मिलेगी, जिसके आधार पर कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किये जा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा की गारंटी है लोगों का उत्पीड़न करना, कांग्रेस की गारंटी है रोजगार सृजन और किसानों के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि अगर आपने गुजरात मॉडल स्वीकार किया तो परेशानी का सामना करेंगे, अगर आप छत्तीसगढ़ मॉडल अपनाएंगे तो सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि हमारे चार मुख्यमंत्री हैं और उनमें से तीन पिछड़े समुदाय से हैं। जब आपकी (भाजपा) बात आती है तो दूरी इतनी अधिक हो जाती है कि न तो मुख्यमंत्री और न ही कैबिनेट मंत्री पिछड़ों से बात करते हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में जब सबको मतदान का हक मिला वह पंडित जवाहर लाल नेहरू और डॉ. अंबेडकर की वजह से मिला। आज़ादी मिलने के बाद सभी 21 वर्ष के पुरूष-महिला को मतदान का अधिकार मिला जबकि अन्य देशों में आज़ादी मिलने के कई वर्षों के बाद लोगों को

मतदान का अधिकार मिला। क्या उस समय मोदी जी थे? या अमित शाह थे? हमने सब कुछ करके दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम इस लोकतंत्र-संविधान को नहीं बचाते तो मोदी-शाह जैसे लोग प्रधानमंत्री और गृह मंत्री नहीं बन सकते थे, यह हमारी देन है, हमारा गिफ्ट है इसलिए हमारा शुक्रिया अदा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन्हें दूर से दर्शन देते हैं... नज़दीक जाना बड़ा मुश्किल है। हमारे नेता, राहुल गांधी तो लोगों के साथ मिल रहे हैं... हमारे नेता जनता के नज़दीक है, वे दूरदर्शन नहीं देते हैं।

खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार में मुख्यमंत्रियों और राज्य सरकारों को धमकी दी जाती है- अगर हमारी बात नहीं सुनी तो आपके पीछे ईडी, आईटी, सीबीआई लगाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईडी, आईटी, सीबीआई से ही सरकार चलानी है तो फिर आपकी क्या जरूरत है, आप घर बैठिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लोगों की आमदनी 38प्र. बढ़ी है। पीएम मोदी को इसकी प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन वह सिर्फ उल्टा-सीधा बोलते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ आकर जल, जंगल, जमीन के बारे में कोई बात नहीं की। सिर्फ छत्तीसगढ़ सरकार को बदनाम करने की कोशिश की। लेकिन कांग्रेस सरकार हमेशा गरीबों की मदद करती है। छत्तीसगढ़ में 5 साल में 1 लाख 75 हजार करोड़ रुपए डायरेक्ट बेनिफिट द्वारा लाभार्थियों को मिले हैं। 5 साल में 40 लाख लोग गरीबी से ऊपर उठे हैं। पीएम मोदी को ये सहन नहीं होता, वे सिर्फ कांग्रेस सरकार को गिराने में लगे रहते हैं।

केजरीवाल के इशारे पर सीएम आवास पर बैठकर वसूली करते हैं संजय सिंह : गौरव भाटिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह के आवास पर जांच एजेंसी ईडी के छापे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास को घोटाले और वसूली का अड्डा बना दिया है जहां बैठकर उनके इशारे पर उनकी पार्टी के सांसद संजय सिंह वसूली करते हैं।

गौरव भाटिया ने भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि शराब घोटाले के एक आरोपी दिनेश अरोड़ा ने यह कबूल किया है कि सीएम आवास पर केजरीवाल के इशारे पर संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी के कोष में 32 लाख रुपये देने को कहा। उन्होंने कहा कि यह 32 लाख रुपये की रिश्वत चेक से ली गई है तो करोडों रुपये का लेन-देन कैश में भी हुआ होगा। भाटिया ने केजरीवाल को चुनौती देते हुए कहा कि वह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह बताएं कि यह 32 लाख रुपये लिया था या नहीं। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के शराब घोटाले का किंगपिन बताते हुए कहा कि वह अपने जिस दाहिने हाथ मनीष सिसोदिया को कट्टर ईमानदार बताते थे, वह साढ़े 7 महीनों से जेल में हैं और अदालत से सिसोदिया को जमानत तक नहीं मिल पा रही है और अब दूसरे हाथ संजय सिंह के घर भी जांच एजेंसी की रेड हो गई है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का दायां और बायां दोनों हाथ भ्रष्टाचार में लिप्त है लेकिन यह दस सर वाला रावण कौन है? यह केजरीवाल की सोच है जो अपने मंत्रियों और सांसदों से भ्रष्टाचार कर अपनी तिजोरी भरने को कहती है। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है, इसलिए यह स्पष्ट है कि जांच एजेंसियों के पास ठोस सबूत है।

दुबारा एलियन को ढूंढने का अभियान शुरू कर रही नासा

वाशिंगटन । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने कहा है कि वह दोबारा, एलियन को ढूंढने का अभियान शुरू कर रही है। इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मार्क मैक्नर्नी को सौंपी है। उन्हें प्रोजेक्ट का डायरेक्टर बनाया गया है। नासा ने यूएफओ का नाम भी बदल दिया है और इसे यूएपी नाम दिया है। मार्क मैक्नर्नी, लंबे वक्त से अमेरिकी स्पेस एजेंसी के साथ जुड़े हैं। पहले डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस के साथ लाइजनिंग का काम देखते थे। मैक्नर्नी, को नासा के पुराने यूएफओ प्रोजेक्ट्स की भी अच्छी जानकारी है। उनके अनुभव को देखते हुए ही उन्हें यह अहम जिम्मा सौंपा गया है। जानकारी के मुताबिक, 'मार्क, नासा की कम्युनिकेशन टीम से क्रार्डिनेट करेंगे और एक विस्तृत डाटाबेस तैयार करेंगे। ताकि यूएपी के बारे में कोई ठोस सबूत हासिल किया जा सके'। नासा ने अपने स्टेटमेंट में कहा है कि मार्क मैक्नर्नी, एजेंसी की अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से यूएफओ के बारे में और डाटा हासिल करेंगे। नासा के प्रशासनिक अधिकारी बिल नेल्सन ने कहा कि इस बार हमारा अभियान साफ है। हम ब्रह्मांड में जीवन की खोज पर फोकस करेंगे। नेल्सन ने कहा कि मुझे लगता है कि ब्रह्मांड में जीवन की संभावना मौजूद है। लगातार इसके संकेत मिलते रहे हैं, लेकिन कोई ठोस सबूत नहीं है। इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और सैटेलाइट डाटा के जरिए ठोस जानकारी हासिल करने की कोशिश है। नासा के मुताबिक पिछले दो दशक यानी 20 सालों में 120 एलियन ऑब्जेक्ट्स देखे गए हैं। अमेरिकी सेना के तमाम पायलट ने भी ऐसे ऑब्जेक्ट्स देखने का दावा किया है। हालांकि ये ऑब्जेक्ट क्या हैं, कहां से आए? इसके बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है। नासा को उम्मीद है कि नए प्रोजेक्ट के जरिये इन सवालों का कोई ठोस जवाब निकलेगा। नासा ने हाल ही में यूएफओ से जुड़ी एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की। 36 पेज की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 'अभी तक जो सैकड़ों यूएफओ देखे गए हैं, उनके पीछे कोई और शक्ति है, इस बात के ठोस सबूत नहीं हैं। लेकिन यह साफ है कि ये चीजें हमारी सौर प्रणाली से गुजरने के बाद ही धरती तक आई होंगी'। रिपोर्ट में इस बात से भी इनकार नहीं किया गया है कि हमारे सौरमंडल में कोई एलियन टेक्नोलॉजी हो सकती है।अभी तक जो एलियन ऑब्जेक्ट्स दिखे हैं, उनका विश्लेषण करेंगे और पता लगाएंगे कि क्या इनका संबंध किसी दूसरे ग्रह से है? ये किसी दूसरे ग्रह की सेना का हिस्सा तो नहीं हैं?

बुशरा बीबी को डर, इमरान को जेल में दिया जा सकता हैं जहर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने जेल में अपने पति के लिए अधिक सुरक्षा की मांग के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) का दरवाजा खटखटाया। उन्हें डर हैं कि उन्हें जहर दिया जा सकता है। 5 अगस्त को तोशाखाना मामले में दोषी साबित होने के बाद से इमरान जेल में बंद हैं। यह मामला सरकार में रहते हुए उन्हें मिले उपहारों का उचित तरीके से खुलासा करने में उनकी कथित विफलता से संबंधित है। जेल में अपने पति की सुरक्षा पर चिंता जताकर बुशरा बीबी ने आईएचसी में एक याचिका दायर की। बुशारा ने चिंता व्यक्त की कि खाने में छेड़छाड़ के द्वारा इमरान खान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा सकती है, उन्होंने कहा कि उनके पति को जेल मैनुअल में उल्लिखित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अपनी याचिका में बुशरा बीबी ने पिछले उदाहरणों का उल्लेख किया जहां अन्य कैदियों को घर का बना भोजन जैसे कुछ विशेषाधिकार प्रदान किए गए थे, लेकिन उनके पति को इसतरह के विशेषाधिकारों से वंचित कर दिया गया है। जेल मैनुअल के मुताबिक, इमरान खान को जेल में टीवी, अखबार, नौकर, गद्दा, कुर्सी और टेबल जैसी सुविधाएं दी जानी थीं। उन्होंने आईएचसी से हस्तक्षेप करने और जेल में उसके पति को उचित सुविधाओं के प्रावधान के संबंध में अदालत के आदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बाल्टीमोर में विश्वविद्यालय परिसर के पास गोलीबारी में चार घायल

न्यूयॉर्क । अमेरिका में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में कम से कम चार लोग घायल हो गए है। बाल्टीमोर पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनबीसी न्यूज ने बाल्टीमोर पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा, 'आज रात कम से कम चार लोगों को गोली मार दी गई।' प्रवक्ता ने कहा कि चोटों को जानलेवा नहीं माना जा रहा है। बाल्टीमोर पुलिस ने एक्स पर कहा कि इस घटना को अब सक्रिय शूटर की स्थिति नहीं माना जाता है। यूनिवर्सिटी ने एक्स पर लिखा, यूनिवर्सिटी कैंपस में शेल्टर-इन-प्लेस आदेश हटा दिया गया है। गन वायलेंस आर्काइव ने कहा कि अमेरिका में पिछले वर्षों की तुलना में 2023 में बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाओं में वृद्धि हुई है। पिछले एक दशक में चार या अधिक लोगों के मारे जाने या घायल होने वाली सामूहिक गोलीबारी के मामलों की संख्या लगभग तीन गुना हो गई है। 2014 में अमेरिका में ऐसे 272 मामले दर्ज किए गए। गोलीबारी के मामलों की संख्या 2020 में 610 हो गई और तब से यह बढ़ रही है।

लोन धोखाधड़ी मामले में भारतीय मूल के 2 लोग दोषी, हो सकती है 5 साल की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका मे भारतीय मूल के दो लोगों को पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम (पीपीपी) लोन में धोखाधड़ी से लाखों डॉलर प्राप्त करने और मनी लौंडरिंग करने के मामले में दोषी ठहराया गया है। न्याय विभाग के एक बयान में सोमवार को कहा गया कि 41 वर्षीय निशांत पटेल, 49 वर्षीय हरजीत सिंह और तीन अन्य लोग झूठे और फर्जी पीपीपी लोन आवेदन जमा कर एसबीए और कुछ एसबीए-अप्रूव्ड पीपीपी ऋणदाताओं को धोखा देने की साजिश में शामिल थे। सभी पांच प्रतिवादियों ने ब्लैंक चेक प्रदान कर धोखाधड़ी से प्राप्त पीपीपी लोन फंड को वैध बनाने में भी सहायता की, जो उन लोगों को देय थे जो पीपीपी लोन प्राप्त करने वाली कंपनियों के कर्मचारियों के रूप में प्रस्तुत किए गए थे, लेकिन जो वास्तव में कर्मचारी नहीं थे। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, इन फर्जी पे-चेक को कैशिंग स्टोर्स पर भुनाया गया, जिन पर साजिश के अन्य सदस्यों का नियंत्रण था। साजिश के हिस्से के रूप में, पटेल ने लगभग 474,993 डॉलर की राशि वाला पीपीपी लोन प्राप्त किया और सिंह ने लगभग 937,379 डॉलर की राशि वाले दो झूठे और धोखाधड़ी वाले पीपीपी लोन प्राप्त किए। अन्य तीनों द्वारा प्राप्त कुल राशि 1.4 मिलियन डॉलर से अधिक थी। उन सभी पांचों को वायर धोखाधड़ी की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया, और 4 जनवरी, 2024 को सजा सुनाई जानी है। उन्हें कुल अधिकतम पांच साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ेगा।

अवैध अफगानियों को बाहर निकालने के अल्टीमेटम से भड़का तालिबान, कहा- ये अस्वीकार्य है

काबुल में तालिबान प्रशासन के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि अवैध अफगान प्रवासियों को जबरन बाहर निकालने की पाकिस्तान की धमकी अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याओं के लिए अफगान जिम्मेदार नहीं हैं। यह अनुमान लगाते हुए कि पाकिस्तान में 1.73 मिलियन अफगान अप्रवासी बिना किसी कानूनी स्थिति के रह रहे हैं, पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने उन्हें छोड़ने या जबरन निष्कासन का सामना करने के लिए 1 नवंबर की समय सीमा तय की है। काबुल में तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अफगान शरणार्थियों के प्रति पाकिस्तान का व्यवहार अस्वीकार्य है। कार्रवाई को सही ठहराने में मदद के लिए पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने आरोप लगाया कि इस साल पाकिस्तान में 24 आत्मघाती बम विस्फोटों में से 14 को अफगान नागरिकों ने अंजाम दिया था। तालिबान प्रवक्ता ने उस दावे को खारिज कर दिया। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष को अपनी योजना पर पुनर्विचार करना चाहिए। अफगान शरणार्थी पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याओं में शामिल नहीं हैं। जब तक वे स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ते हैं, देश को उन्हें बर्दाश्त करना चाहिए। अप्रवासियों के लिए पाकिस्तान का अल्टीमेटम, जिनमें से अधिकांश देश में वर्षों से रह रहे हैं, शुक्रवार को दो आत्मघाती बम विस्फोटों के बाद कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए नागरिक और सैन्य नेताओं की एक बैठक के बाद आया, जिसमें कम से कम 57 लोग मारे गए। बुगती ने कहा कि आत्मघाती हमलावरों में से एक अफगान नागरिक था, और उन्होंने भारत की खुफिया एजेंसी पर भी शामिल होने का आरोप लगाया।

चीन से आ रही आर्थिक सुनामी में डूब जाएगा अमेरिका

-अमेरिकी विशेषज्ञों में जाहिर की चिंता

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका सहित कई देश क्रिसमस का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन उन्हें मालूम है इस बार क्रिसमस की छुट्टियां आसान नहीं होने वाली हैं। आर्थिक विशेषज्ञों ने कहा है कि इस बार की सर्दियां तंगी लेकर आने वाली होगी जिसकी वजह होगा चीन। अमेरिका को चीन के आर्थिक पतन में अब अपना भविष्य दिख रहा है। कई विशेषज्ञों के मुताबिक प्रशांत महासागर की ओर से आ रही बर्बादी अमेरिका में दस्तक दे उससे पहले देश को अपना रास्ता सुधारने की सख्त जरूरत है।

एक आर्टिकल में कहा गया है कि मीडिया में यह बात सामने आ चुकी है कि चीन का 40 सालों से चला आ रहा जो स्वर्ण काल चल रहा था, वह अब खत्म हो चुका है। यह सोचने की जरूरत है कि ऐसा क्यों हो रहा है। इसके बाद इस तबाही से बचना बहुत जरूरी है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर चीन की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है। यह दशकों से इसकी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधारर हा है और अब खस्ताहाल है। दूसरी ओर खरबों डॉलर वाला रीयल एस्टेट मार्केट भी अस्थिर कर्ज दरों की वजह से ढह रहा है। साथ ही जिस इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री को असाधारण माना जाता था अब वह भी बुरे दौर में है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भी जिस तरह से डरी हुई है, उससे स्टॉक मार्केट में चीनी युआन की कीमतों पर भी असर पड़ रहा है।

सीसीपी ने आर्थिक आंकड़ों को जारी करना भी बंद कर दिया है। साथ ही ऐतिहासिक रूप से युवा बेरोजगारी भी उच्च स्तर है और इस समस्या को भी नजरअंदाज कर दिया जा रहा है। कई आर्थिक विशेषज्ञ इस राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अक्षमता का नतीजा बता रहे हैं। उनकी पार्टी राजनीतिक रूप से पसंदीदा उद्योगों और सरकार के नियंत्रण वाले उद्यमों के लिए खरबों डॉलर भेजती है। जबकि उन उद्यमियों और बाजारों को दबाने में लगी रही जिन्होंने 40 साल पहले चीन को प्रमुखता से आगे बढ़ाना शुरू किया था। जिनपिंग के शासन में अब चीन पांच फीसदी की वृद्धि दर भी बमुश्किल हासिल कर पा रहा है। यह एक विकासशील देश के लिए औसत दर्जे का है।

चीन के नागरिक जो पिछले काफी सालों से चमत्कारिक विकास के आदी थे, उन्हें यह आंकड़ा निराश करने वाला है। नागरिकों का भरोसा भी सीसीपी पर से खत?म हो रहा है। वे अब खर्च और निवेश से पीछे हटने लगे हैं। अमेरिकी विशेषज्ञों ने स्थिति को निराशाजनक बताया है। उनका कहना है कि कोई भी चीन की गलतियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। वहीं गलतियां अमेरिका में भी हो रही हैं। अर्थव्यवस्था में अमेरिकी सरकार का दखल बढ़ने लगा है और इस वजह से देश में हड़ताल संस?कृति भी चीन की तर्ज पर आगे बढ़ रही है। उच्च करों और व्यापार के लिए सख्त नियम अब आम बात हो गई है। बाइडन प्रशासन भी जिनपिंग की तरह ही राजनीतिक रूप से पसंदीदा व्यवसायों और वोटिंग ब्लॉकों में खरबों का निवेश कर रहा है। यह बड़े खतरे की घंटी है जिस पर अलर्ट होना होगा। वहीं अर्थव्यवस्था में नई मुद्रा को डालकर इस को प्रोत्साहित करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसका नतीजा है कि महंगाई 40 सालों में उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि कमजोर विकास ने अमेरिकियों को निराश कर दिया है।

वेनिस ओवरपास से गिरी बस, 21 लोगों की मौत

रोम। इटली के नहरों वाले शहर वेनिस के पास एक बस के ओवरपास से ट्रेन की पटरियों के पास गिरने और फिर उसमें आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुये हैं, हालांकि स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों में उनकी संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। अनुमान है कि 12 से 40 लोग घायल हुए हैं जिनमें से कम से कम दो की हालत गंभीर है। इसके अतिरिक्त, 'कई' अन्य के लापता होने की भी सूचना है। मंगलवार को आई रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों की संख्या अभी भी बढ़ सकती है। घायलों का इलाज क्षेत्रीय अस्पतालों में चल रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एक बस वेनिस के मेस्त्रे क्षेत्र में वेम्पा ओवरपास पर लगी बाड़ को तोड़ते हुए लगभग 10 मीटर नीचे रेल की पटरियों के पास एक खाली क्षेत्र में गिर गई। कथित तौर पर गिरते ही बस में आग लग गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने 'व्यक्तिगत और सरकार की ओर से गहरी संवेदना' व्यक्त की और कहा कि वह घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही हैं। रोम के क्विरिनले पैलेस ने कहा कि इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेल्ला ने वेनिस के मेयर लुइगी ब्रुगनारो को फोन करके इस त्रासदी पर दुःख व्यक्त किया है। ब्रुगनारो ने सोशल मीडिया पर कहा, 'आज शाम हमारे समुदाय में एक बड़ी त्रासदी हुई।' उन?होंने कहा कि 'बस गिरने से मरने वाले अनेकों लोगों की याद में' आधिकारिक शोक का आह्वान किया गया है। ब्रुगनारो ने इसे 'एक सर्वनाशकारी दृश्य' कहा। वेनिस शहर ने सोशल मीडिया पर कहा कि वेम्पा ओवरपास, जहां त्रासदी हुई थी, यातायात के लिए बंद कर दिया गया है, और पुलिस तथा फायरफाइटर जीवित बचे लोगों की तलाश करने, घायलों की मदद करने और स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर हैं।

संबंध सुधारने के लिए निजी बातचीत करना चाहते हैं... मोदी का तगड़ा एक्शन देख गिड़गिड़ाने लगे ट्रूडो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा कथित तौर पर कनाडा से अपने 41 राजनयिकों को भारत से वापस बुलाने के लिए कहने के बाद कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि देश राजनयिक संकट को हल करने के लिए नई दिल्ली के साथ निजी बातचीत करना चाहता है। कनाडाई मंत्री ने कहा कि हम भारत सरकार के संपर्क में हैं। हम कनाडाई राजनयिकों की सुरक्षा को बहुत गंभीरता से लेते हैं और हम निजी तौर पर बातचीत करना जारी रखेंगे क्योंकि हमारा मानना ??है कि राजनयिक बातचीत तब सबसे अच्छी होती है जब वे निजी रहती हैं।

भारत ने कथित तौर पर कनाडा से 10 अक्टूबर तक लगभग 40 राजनयिकों को वापस लेने के लिए कहा। रिपोर्टों के अनुसार, सरकार ने समय सीमा के बाद देश में रहने वाले किसी भी कनाडाई राजनयिक की राजनयिक प्रतिरक्षा छीनने की भी धमकी दी है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने कनाडा से भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति 62 से घटाकर 41 राजनयिकों तक करने का अनुरोध किया है। हालाँकि, अभी तक, न तो भारत और न ही कनाडा ने आधिकारिक तौर पर रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी है। एक अन्य घटनाक्रम में कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश भारत के साथ स्थिति को आगे बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है।

कनाडा नई दिल्ली के साथ जिम्मेदारीपूर्वक और रचनात्मक रूप से जुड़ना 'जारी रखेगा। ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार 'कनाडाई परिवारों की मदद के लिए भारत में ज़मीन पर रहना चाहती है। ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर, एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाने के बाद हाल ही में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए, जिनकी 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में दो नकाबपोश बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राष्ट्रपति अल्वी ने क्या कर दिया ऐसा, नाखुश हैं इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस बात से नाखुश हैं कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल नहीं किया कि नेशनल असेंबली के डिसॉल्व होने के 90 दिनों के भीतर आम चुनाव हों। इमरान खान की बहन ने बुधवार को इस बात का खुलासा किया है। जिन्ना हाउस हमले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अलीमा ने कहा कि उनके भाई और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इस बात से नाराज थे कि राष्ट्रपति ने घोषणा करने के बजाय केवल चुनाव के लिए कट-ऑफ तारीख की घोषणा की।

अलीमा ने यह भी कहा कि 70 वर्षीय खान जेल में वजन कम होने के बावजूद जेल में बहुत उत्साहित थे। पिछले महीने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) प्रमुख को लिखे एक पत्र में पीटीआई के संस्थापक सदस्य अल्वी ने सुझाव दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 48(5) के अनुसार, राष्ट्रपति के पास चुनाव कराने का अधिकार है। नेशनल असेंबली के विघटन के 90 दिनों के भीतर आयोजित किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति का पत्र जाहिर तौर पर उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया।

अमेरिकी संसद के इतिहास में पहली बार स्पीकर को पद से हटाया गया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर रिपब्लिकन पार्टी के केविन मैक्कार्थी को देश के इतिहास में पहली बार एक ऐतिहासिक विधायी वोट में पद से हटा दिया गया। मैक्कार्थी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि वह दोबारा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे और उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह कांग्रेस से इस्तीफा देंगे या नहीं। मैक्कार्थी को हटाने के प्रयास का नेतृत्व साथी रिपब्लिकन मैट गेट्ज़ ने किया था, जो कट्टरपंथियों के एक समूह के सदस्य हैं और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ जुड़ाव के लिए अक्सर 'एमएजीए' विंग कहा जाता है, जिनके अभियान का नारा 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) है। मैक्कार्थी की विदाई की कहानी का सूत्र उसके स्पीकर बनने की कहानी में ही रख दिया गया था। उन्हें जनवरी में अपनी ही पार्टी के भीतर एक लंबी लड़ाई में अध्यक्ष पद हासिल हुआ जो उनकी जीवन भर की महत्वाकांक्षा थी। उन्होंने 15वें दौर के मतदान में कट्टरपंथियों के साथ एक समझौते में जीत हासिल की, जिन्होंने यह रियायत ली थी कि कोई भी एक सदस्य उन्हें हटाने की पहल कर सकता है। गेट्ज़ ने स्पीकर के पद से उन्हें हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए उस शर्त का उपयोग किया। उन्हें हाटने के पक्ष में 216 और विरोध में 210 मत पड़े जिसमें आठ रिपब्लिकन ने डेमोक्रेट के साथ मतदान किया। मतदान की अध्यक्षता करने वाले रिपब्लिकन ने कहा, 'अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष का पद रिक्त घोषित किया जाता है।' उत्तरी कैरोलिना के प्रतिनिधि पैट्रिक मैकहेनरी ने रिपब्लिकन द्वारा नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। मैक्कार्थी की परेशानी का मौजूदा दौर संघीय सरकार की फंडिंग को लेकर शुरू हुआ।

कर्मचारियों को लेकर टिप्पणी करने पर कोर्ट ने ट्रंप को चुप रहने को कहा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। एक अमेरिकी न्यायाधीश ने धोखाधड़ी के एक मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शिकंजा कसते हुए उनके खिलाफ कोर्ट के कर्मचारियों के बारे में कुछ भी नहीं बोलने का आदेश जारी किया है। ट्रंप पर आरोप है कि उन?होंने एक अदालत के क्लर्क के बारे में ÷अपमानजनक÷ टिप्पणी की थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट का यह आदेश केवल कर्मचारियों पर की गई टिप्पणियों तक ही सीमित है। मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ पर एक कार्यक्रम में डेमोक्रेटिक सीनेट के नेता चक शूमर के साथ प्रिंसिपल क्लर्क एलीसन ग्रीनफील्ड की एक तस्वीर पोस्ट की थी।

पोस्ट में उन्होंने ग्रीनफील्ड को 'शूमर की गर्लफ्रेंड' कहा और कहा कि उनके खिलाफ मामला खारिज कर दिया जाना चाहिए। न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन ट्रुथ सोशल पोस्ट का संदर्भ दिया और कहा कि एक प्रतिवादी ने ÷सोशल मीडिया अकाउंट पर मेरे स्टाफ के एक सदस्य के बारे में अपमानजनक, असत्य और व्यक्तिगत पहचान वाली पोस्ट पोस्ट की'। उन्होंने कहा, 'मेरे कोर्ट स्टाफ के सदस्यों पर व्यक्तिगत हमले अस्वीकार्य करता हैऔर मैं इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं करूंगा।' बीबीसी ने न्यायाधीश के हवाले से कहा, 'इस आदेश का पालन नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।' न्यायमूर्ति एंगोरोन ने कहा कि उनके बयान को उनके स्टाफ के सदस्यों के बारे में किसी भी पोस्ट, ईमेल या सार्वजनिक टिप्पणी पर रोक लगाने वाला एक आदेश माना जाना चाहिए।

आदेश के तुरंत बाद ट्रंप के पोस्ट को हटा दिया गया। ट्रंप ने मुकदमे को 'धोखाधड़ी' और 'घोटाला' कहा है और अपने बचाव में खड़े होने का वादा किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह मामले में गवाही देंगे, उन्होंने कहा, 'हां, मैं गवाही दूंगा। उचित समय पर, मैं गवाही दूंगा।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति, उनके दो बेटों और ट्रंप संगठन के लिए लोन लेने के लिए अपनी संपत्तियों का मूल्य बढ़ा चढ़ा कर पेश करने का आरोप है। अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स 250 मिलियन डॉलर और ऐसे प्रतिबंधों की मांग कर रहे हैं जो ट्रम्प परिवार को न्यूयॉर्क राज्य में व्यापार करने से रोक सकें। दोषी पाए जाने पर किसी भी प्रतिवादी को जेल की सजा नहीं होगी, क्योंकि यह एक दीवानी मामला है, आपराधिक नहीं।

अब लंदन जाना होगा और महंगा, ब्रिटिश सरकार ने बढ़ा दी वीजा फीस, भारतीय श्रमिकों, छात्रों पर क्या पड़ेगा असर?

लंदन (एजेंसी)। क्या आप लंदन जाने की प्लानिंग कर रहे हैं? तो आज से वीज़ा के लिए आपको और ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। ब्रिटिश सरकार ने वीजा फीस बढ़ा दी है। ब्रिटिश सरकार की वीजा फीस में बढ़ोतरी 4 अक्टूबर से लागू हो गई है। वीज़ा आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए गृह कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि वीज़ा आवेदन शुल्क में वृद्धि करना सही और उचित है ताकि हम महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं को वित्त पोषित कर सकें और सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन में योगदान करने के लिए व्यापक वित्त पोषण की अनुमति दे सकें। जैसे-जैसे बढ़ोतरी लागू होती है, आइए शुल्क संरचना में बदलावों पर करीब से नज़र डालें और यह उन भारतीयों को कैसे प्रभावित करेगा, जो काम करना, अध्ययन करना या यहां तक कि देश की यात्रा करना चाहते हैं।

फीस में बदलाव

4 अक्टूबर से भारतीयों समेत सभी विदेशियों को ब्रिटेन का वीजा हासिल करने के लिए अधिक भुगतान करना होगा। छात्रों, कुशल श्रमिकों और अप्रवासियों के लिए यूके वीजा की लागत बढ़ा दी गई है। गृह कार्यालय की वेबसाइट के अनुसार, परिवार, निपटान और नागरिकता वीजा की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कार्य और यात्रा वीजा की लागत में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो लोग अध्ययन करना चाहते हैं उन्हें और भी अधिक खर्च करना पड़ेगा। छात्र वीजा शुल्क में 35 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसके अलावा, छात्रों के लिए आव्रजन स्वास्थ्य अधिभार 66 प्रतिशत बढ़ाकर ू624 (62,716 रुपये) प्रति वर्ष से ू1,035 (1.04 लाख रुपये) (और ू470 (47,243 रुपये) से ू776 (78,000 रुपये) कर दिया गया है। संशोधित शुल्क संरचना के अनुसार, छात्रों के लिए वीजा की कीमत अब ू490 (49,234 रुपये) होगी। वहीं, छह महीने से कम के विजिट वीजा की पूर्व लागत ू100 (10,039 रुपये) से बढ़कर ू115 (11,545 रुपये) हो गई है। हालाँकि, दो साल तक के लिए वीज़ा ू376 (37,738 रुपये) से ू400 (40,150 रुपये) हो गया है। इसी तरह पांच साल की अवधि के लिए विजिट वीजा ू670 (67,255 रुपये) से बढ़ाकर ू771 (77,390 रुपये) कर दिया गया है और 10 साल तक की अवधि के लिए वीजा ू837 (84,015 रुपये) से बढ़ाकर ू963 कर दिया गया है।

भारतीयों पर प्रभाव

यूके वीजा के लिए शुल्क संरचना में बदलाव से भारतीयों पर काफी असर पड़ेगा। इसका एक मुख्य कारण यह है कि ब्रिटेन द्वारा जारी किए जाने वाले कुशल श्रमिकों और छात्र वीजा के मामले में भारतीय शीर्ष पर हैं। यह कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों को दिए गए कुशल श्रमिक

वीजा में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2021-22 में 13,390 से बढ़कर 2022-23 में 21,837 हो गई। इसी तरह, हेल्थकेयर वीजा श्रेणी में, भारतीयों ने 14,485 से 29,726 तक 105 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इसके अलावा, 2022 में विदेश पढ़ने गए 770,000 भारतीय छात्रों में से 140,000 यूके गए। दरअसल, इस साल फरवरी में, भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा था कि भारतीय नागरिकों को सबसे अधिक संख्या में छात्र वीजा प्राप्त हुए हैं, जिससे देश में प्रायोजित अध्ययन वीजा जारी करने वाले सबसे बड़े राष्ट्रीयता के रूप में चीन को पछाड़ दिया गया है। ब्रिटेन के वीज़ा शुल्क में बढ़ोतरी के फैसले की कुछ ओर से आलोचना हो रही है। कुछ लोगों ने इसे प्रवासियों के खिलाफ ब्रिटेन का युद्ध करार दिया है।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम कोरिया को हराकर फाइनल में

– सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराया

हांगझोउ (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम टीम ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश किया है। इस प्रकार भारतीय टीम अब खिताब के बेहद करीब पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने बुधवार को सेमीफाइल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा। भारतीय टीम ने अभी तक यहां सभी मुकाबले जीते हैं। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने इन टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कोई अवसर नहीं दिया है। भारत की ओर से इस मुकाबले में हार्दिक सिंह ने पांचवें मिनट में एक गोल किया। वहीं मनदीप सिंह ने 11वां मिनट और ललित उपाध्याय ने 15वें मिनट में गोल दागा। इस प्रकार भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही तीन गोल दागकर अच्छी बढ़त ले ली।

दूसरे क्वार्टर में कोरियाई टीम ने वापसी का प्रयास किया। उसकी ओर से माने जुंग ने 17वें और 20वें मिनट में दो गोल करके बढ़त कम करने का प्रयास किया। इसके बाद भारतीय टीम ने एक बार फिर हमला बोलते हुए 24वें मिनट में एक और गोल कर दिया। ये गोल अमित रोहिदास ने किया। वहीं कोरिया की ओर से जुंग ने फिर 47वें मिनट में गोल कर दिया पर भारत के ने 54वें मिनट में गोल करके भारत की जीत तय कर दी। अब खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम सात अक्टूबर को जापान से टकरायेगी।

एशियाई खेल: भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने थाईलैंड को हराया

हांगझोऊ (एजेंसी)। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में बुधवार को थाईलैंड की टीम को 63-26 से हरा दिया। इसी के साथ ही सात बार की विजेता भारतीय टीम की नजरें अब स्वर्ण पर है। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता के ग्रुप ए में थाईलैंड के खिलाफ 63-26 की आसान जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने थाईलैंड को 'ऑल आउट' कर जी दर्ज की। थाईलैंड के प्रमोत साइसिंग अंतिम खिलाड़ी बचे थे और जब वे रेड के लिए गए तो भारतीय टीम ने तीसरी बार 'ऑल आउट' किया।

भारतीय टीम ने इस मुकाबले में शानदार शुरुआत करते हुए हाफ टाइम क 37-9 की बढ़त बनाई। भारत ने मुकाबले की शुरुआत में ही कुछ मिनटों में थाईलैंड की टीम को पहली बार 'ऑल आउट' कर दिया। भारत ने जल्द ही दूसरी बार भी थाईलैंड की टीम को 'ऑल आउट' किया। थाईलैंड के प्रमोत साइसिंग अंतिम खिलाड़ी बचे थे और जब वे रेड के लिए गए तो भारतीय टीम ने तीसरी बार उसे 'ऑल आउट' कर दिया। भारत ने दूसरे हाफ में चौथी बार थाईलैंड को 'ऑल आउट' करके 53-17 की बढ़त बनाई। थाईलैंड ने दूसरे हाफ मे वापसी के प्रयास किये पर विफल रही। लेकिन भारत ने यह हाफ 26-17 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

एशियाई खेल: दीपिका-हरिंदर की जोड़ी स्कवॉश मुकाबले के फाइनल मे पहुंची

-अनाहत-अभय को सेमीफाइनल में हार के साथ मिला कांस्य

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत की दीपिका पल्लीकल और उनके जोड़ीदार हरिंदर पाल सिंह संधू ने बुधवार को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्कवॉश मुकाबले के फाइनल में जगह बनायी है। इसी के साथ ही जोड़ी ने भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। दीपिका और हरिंदर की जोड़ी ने हांगकांग की ली का यी और वोंग ची हिम की जोड़ी को सेमीफाइनल में 2-1 (7-11 11-7 11-9) से हराया। इस मुकाबले में शुरुआत में पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। दीपिका और हरिंदर को सेमीफाइनल के पहले गेम में हार मिली पर इसके बाद वापसी करते हुए इस जोड़ी ने अगले दो गेम जीतकर मुकाबले को 38 मिनट में अपने नाम कर लिया। भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम केवल नौ मिनट में जीता जबकि तीसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और यह गेम 15 मिनट चला।

वहीं एक अन्य मुकाबले में भारम की ही अनाहत सिंह और अभय सिंह की दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय जोड़ी को मलेशिया की आइफा बिंटी अजमान और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमाल की जोड़ी ने 1-2 (11-8, 2-11, 9-11) से हराया जिससे। इन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान अनाहत और अजमान आपस में टकरा भी गईं। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम आसानी से जीता पर मलेशिया की जोड़ी ने अगले दोनों गेम जीतकर भारतीय जोड़ी की उम्मीदें तोड़ दीं।

सुनील कुमार ने 2010 के बाद एशियाई खेलों में ग्रीको रोमन में भारत को पहला पदक दिलाया

हांगझोऊ(एजेंसी)। सुनील कुमार ने 87 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर बुधवार को यहां भारत को एशियाई खेलों में 13 साल बाद ग्रीको रोमन में पहला पदक दिलाया, लेकिन देश के अन्य पहलवान शुरू में ही बाहर हो गए। किर्गिस्तान के अताबेक अजीसबेकोव के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में सुनील कुमार ने रणनीतिक रवैया अपनाया तथा अपने प्रतिद्वंदी को अंक नहीं बनाने दिए। उन्होंने आखिर में यह मुकाबला 2-1 से जीता। वह अजीसबेकोव थे जिन्होंने सुनील की निष्क्रियता के कारण पहला अंक हासिल किया।

भारतीय पहलवान में जल्द ही इसी तरह से अंक बनाकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इस बीच अजीसबेकोव को दो अंक दे दिए गए थे लेकिन सुनील ने इस फैसले को चुनौती दी जिसमें वह सफल रहे। भारतीय पहलवान ने आखिर में एक और अंक बनाकर जीत दर्ज की। भारत ने 2010 में गुआंगझो एशियाई खेलों में ग्रीको रोमन में दो पदक जीते थे। तब रविंदर सिंह (60 किग्रा) और सुनील कुमार राणा (66 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता था।

सुनील ने अपने अभियान की शुरुआत चीन के फेइ पिंग के खिलाफ 4-3 की करीबी जीत के साथ की और फिर ताजिकिस्तान के सुखरोब अब्दुलखाएव को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल मुकाबला पहले ही पीरियड में जीत लिया। एशियाई चैंपियन 2020 सुनील का सामना इसके बाद गत एशियाई चैंपियन ईरान के नासिर अलिजादेह से हुआ जिन्होंने भारतीय पहलवान को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर कर दिया। भारत ने 2010 ग्वांग्झू खेलों में ग्रीको रोमन में रविंदर सिंह (60 किग्रा) और सुनील कुमार राणा (66 किग्रा) के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे।

भारत के अन्य दावेदार ज्ञानेंद्र (60 किग्रा), नीरज (67 किग्रा) और विकास (77 किग्रा) एक दौर का मुकाबला भी नहीं जीत पाए। ज्ञानेंद्र को अपने पहले मुकाबले में ईरान के मेसाम दलखानी के खिलाफ 1-7 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि नीरज को उज्बेकिस्तान के माखमुद बाखशिलोव ने 5-3 से हराया। विकास को चीन के रुइ ल्यु के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर शिकस्त झेलनी पड़ी। गुरुवार को बाकी बचे दो भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान नरेंद्र चीमा (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) चुनौती पेश करेंगे। गुरुवार को ही महिला स्पर्धाएं भी शुरू होंगी जिसमें अंतिम पंघाल (53 किग्रा), पूजा गहलोत (50 किग्रा) और मानसी अहलावत (57 किग्रा) चुनौती पेश करेंगी।

नीरज चोपड़ा ने जैवलिन में दिलाया गोल्ड, 88.88 मीटर थ्रो फेंकी

हांगझोऊ । भारतीय जैवलिन थ्रोयर नीरज चोपड़ा ने 19वीं एशियाई गेम्स में जैवलिन थ्रो स्पर्धा में एक बार फिर से गोल्ड मेडल जीत लिया। नीरज गेम के दौरान अपने पर्सनल बैस्ट रिकॉर्ड तक तो पहुंच नहीं पाए लेकिन उन्होंने इतनी थ्रो जरूर फेंक दी जिसने उन्हें गोल्ड मेडल दिला दिया। स्टार थ्रोयर ने 88.88 मीटर की बैस्ट थ्रो फेंकी। नीरज 2018 में जकार्ता में हुई एशियाई खेल के दौरान भी गोल्ड जीतने में सफल रहे थे।

हरमिलन बैंस ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में रजत जीता

हांगझोउ । भारत की हरमिलन बैंस ने अपनी मां के प्रदर्शन को 21 साल बाद दोहराते हुए एशियाई खेलों में बुधवार को महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। पंजाब की 25 वर्ष की हरमिलन ने 2:03.75 सेकंड का समय निकाला। श्रीलंका की तारूषी दिसानायका ने 2:03.20 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। चीन की चुंयु वांग को कांस्य पदक मिला। बैंस ने महिलाओं की 1500 मीटर रेस में भी रजत पदक जीता था। भारत की चंदा 800 मीटर में सातवें स्थान पर रही।

आईसीसी ने विश्वकप के लिए सचिन को बनाया ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को विश्व कप के लिए ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। सचिन अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार को होने वाले उद्घाटन मैच से पहले विश्व कप ट्रॉफी के साथ मैदान पर आएंगे और टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा करेंगे। तेंदुलकर ने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि विश्व कप के आयोजन से युवा लड़कों और लड़कियों का इस खेले के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। इससे उन्हें ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इतनी सारी विशेष टीमें और खिलाड़ी यहां भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में कड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं, मैं इस शानदार टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। साथ ही कहा, मुझे उम्मीद है कि यह संस्करण भी युवा लड़कियों और लड़कों को खेल चुनने और उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं आईसीसी के महाप्रबंधक, विपणन और संचार, क्लेयर फर्लांग ने कहा, यह प्रशंसकों को करीब लाएगा और हम इसके शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, सचिन को हमारे ब्रांड एम्बेसडर के रूप में रखना एक वास्तविक सम्मान की बात है क्योंकि हम एकदिवसीय का जश्न मनाते हैं और हम जानते हैं कि अब तक का सबसे बड़ा पुरुष क्रिकेट विश्व कप होने वाला है। उनके साथ खेल के नौ साथी दिग्गज भी शामिल हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने भी उन्हें सम्मानित किया। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने विश्व कप के शुरु होने पहले उन्हें गोल्ड टिकट देकर सम्मानित किया था। इससे अलावा सचिन को विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए गोल्ड बैट से नवाजा गया था। इस महान बल्लेबाज ने क्रिकेट विश्व कप के 6 टूर्नामेंट खेले हैं और 2011 संस्करण में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में वह शामिल रहे थे।

एकदिवसीय विश्वकप 2023 की शुरुआत आज इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच से होगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में शुरु हो रहे आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2023 का पहला मुकाबला गत विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार को यहां के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए सभी टिकट पहले ही बिक गये थे। ऐसे में स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा रहेगा।

इस मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इस मैच में जहां इंग्लैंड टीम एक बार फिर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। वहीं कीवी टीम पिछले विश्वकप की हार का बदला लेने के इरादे से उतरेगी। स्टार खिलाड़ियों से भरी इंग्लैंड की टीम जहां इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं न्यूजीलैंड ने अभ्यास मैचों में शानदार प्रदर्शन से दिखाया है कि वह कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है।

इंग्लैंड की टीम जोस बटलर की कप्तानी में विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है। टी20 विश्व कप भी इंग्लैंड ने ही जीता था। दूसरी ओर अभी तक आईसीसी विश्व कप नहीं जीत सकी न्यूजीलैंड टीम के सामने कई समस्यायें हैं। कप्तान केन विलियमसन अभ्यास मैच खेलने के बावजूद फिट नहीं हुए हैं, ऐसे में टीम को उनके बिना ही उतरना होगा। टॉम लाथम को विलियमसन के नहीं होने के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं तेज गेंदबाज टिम साउदी भी पहले मैच में उपलब्ध नहीं हैं। विलियमसन ओर साउदी सर्जरी के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। इन दोनो अहम खिलाड़ियों के बिना कीवी टीम कमजोर नजर आती है। विलियमसन जहां प्रमुख बल्लेबाज हैं। वहीं साउदी अनुभवी गेंदबाज है।

दूसरी ओर इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसे ऑलराउंडर हैं जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण मैच विजेता माने जाते हैं।

अहमदाबाद की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है ओर ऐसे में इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाने का अच्छा अवसर है क्योंकि उसके पास जो रूट , लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक सहित कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। स्टोक्स घुटने की दिक्कत के कारण गेंदबाज शायद ही करें पर बल्लेबाजी में वह कभी भी बाजी पलट देते हैं।पिछले दो विश्व कप फाइनल (2019 और 2022) में उन्होंने ये साबित किया था।

उनके अलावा इंग्लैंड के कप्तान लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक, डेविड मलान और जो रूट जैसे बल्लेबाज भी हैं। उसके कई खिलाड़ियों ने आईपीएल में खेला है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। इसके अलावा मोईन अली, क्रिस वोक्स और सैम कुरेन के रूप में उनके पास काफी अच्छे ऑलाराउंडर हैं। गेंदबाजी में मार्क वुड के पास तेजी और आईपीएल का अनुभव है। स्पिन की जिम्मेदारी रशीद के पास रहेगी। इंग्लैंड को 2019 विश्व रूप में टीम में हैं। दूसरी ओर विलियमसन और साउदी के अनुभव की न्यूजीलैंड को कमी खलेगी पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से उसके हौसले बुलंद होंगे। न्यूजीलैंड टीम 2015 और 2019 वनडे विश्व कप तथा 2021 टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची। उसके पास शीर्षक्रम में डेरिल मिशेल और डेवोन कॉवे जैसा आक्रामक बल्लेबाज हैं। टीम के लिए हालांकि कप्तानी कर रहे टॉम लाथम का खराब फॉर्म परेशानी का कारण बन सकता है। उनके पास जिम्मी नीशाम और ग्लेन फिलिप्स जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। विल यंग ने इस साल वनडे में 14 मैचों में 578 रन बनाये वह तीसरे नंबर पर वह काफी प्रभावी रहे हैं। गेंदबाजी में साउदी की कमी मैट हेनरी, अनुभवी ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्युसन पुरी कर सकते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो किवी टीम भी कम नहीं है। उसके पास भी अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। ऐसे में उसकी दावेदारी भी कमजोर नहीं है। कुल मिलाकर दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), जो रूट, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, बेन स्टोक्स, मोईन अली, क्रिस वोक्स, सैम कुरेन, डेविड विली, आदिल रशीद, मार्क वुड, रीसे टॉपली, गुस एटकिंसन।

न्यूजीलैंड - टॉम लाथम (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कॉवे, विल यंग, केन विलियमसन (पहले मैच में उपलब्ध नहीं), मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनेर, ईश सोढी, टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी।

विश्वकप में बड़ी पारियों खेल सकते हैं रोहित : बांगड़

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा विश्वकप में बड़े शतक लगा सकते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच रहे बांगड़ का मानना है कि रोहित शुरुआत में समय लेने के बाद तेजी से खेल सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि रोहित ने हाल के दिनों में इसी को देखते हुए अधिक आक्रामक रुख अपनाया होगा। साथ ही कहा कि उन्हें मैदान पर समय बिताने के बाद लय हासिल होने पर शतकीय पारी खेलने का भी अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एकदिवसीय खिलाड़ी के रूप में भारी सफलता मिली है। उसने अपना शतक 30वें ओवर के आसपास बनाया है। इसके साथ ही उन्होंने तीन दोहरे शतक भी लगाये हैं। इन शतकों के दौरान देखा गया कि उनकी बल्लेबाजी में तेज अंतिम 10-12 ओवरों में आई। उन्होंने कहा, रोहित अगर 35 ओवर तक खेल जाते है, तो भारत का स्कोर 350 के आसपास होना तय है। वह उस तरह के मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो कभी भी रुख पलट सकते हैं। मुझे पता है कि वह कुछ अन्य चीजें करने की कोशिश कर रहा है। जिससे मुकाबले को गेंदबाजों से दूर ले जाया जा सके। उनके पास सलामी जोड़ीदार के तौर पर शुभमन गिल जैसा खिलाड़ी है। वह रोहित के साथ मिलकर भारत के लिए एक बड़ा स्कोर बनाने में एक शानदार साझेदार साबित होंगे। उनके रहने से रोहित को जोखिम उठाने का भी अवसर मिलेगा।

विश्वकप में शुभमन तोड़ सकते हैं सचिन का एक रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के पास पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप में महान बल्लेबाज सचिन के एक रिकार्ड को तोड़ने का अवसर है। शुभमन ने अब तक के अपने सफर में शानदार प्रदर्शन किया है। इस युवा ने तीनों ही प्रारुपों में ईशान किशन, शिखर धवन और केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में अब उम्मीद है कि शुभमन विश्वकप में तेंदुलकर का 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। शुभमन ने साल इस साल अब तक एकदिवसीय क्रिकेट में एक हजार से ज्यादा रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने इस साल अब तक पांच शतक लगाये हैं। इसमें एक एक दोहरा शतक भी शामिल है। इस साल शुभकन ने अब तक 1230 रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज के पास अब सचिन का एक साल में सबसे अधिक रनों का रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। तेंदुलकर के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 1998 में एकदिवसीय में कुल 1894 रन बनाए थे। वहीं शुभमन को सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए अब केवल 664 रन की ही जरुरत है। वहीं उनके पास इस साल अभी 12 से 14 एकदिवसीय मैच बचे हुए हैं। भारतीय टीम विश्व कप में ही कम से कम 9 मैच खेलेगी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है। शुभमन ने इस साल अबतक 20 एकदिवसीय में 1230 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 72.35 रहा है। वह यदि 868 या 1008 रन बनाते हैं तो फिर वह इस प्रारुप में 2000 का आंकड़ा छू सकते हैं।

विश्वकप में खिलाड़ियों पर दबाव को हावी नहीं होने देंगे : रोहित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में पूरे उत्साह से उतरेगी। रोहित ने कहा कि पिछले एक दशक में कोई आईसीसी खिताब नहीं जीतने के कारण टीम पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर होने वाले इस विश्वकप में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम ने हालांकि पिछले एक दशक से कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है जिससे माना जा रहा है कि उसपर दबाव होगा पर रोहित ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार किया है। रोहित ने कहा कि वह खिलाड़ियों पर किसी भी प्रकार के दबाव को हावी होने नहीं देंगे।

भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम कोई खिताब नहीं जीत पायी है। भारतीय टीम साल 2017 में भी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची पर तब उसे पाकिस?तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। आईसीसी टेस?ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी टीम इंडिया दो बार पहुंची थी पर वहां भी उससे विफलता मिली। रोहित ने कहा, 'यह सही है कि हम 2013 से कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीते हैं लेकिन मैं एक व्यक्ति के रूप में इस बारे में ज?यादा विचार कर बिना बात के दबाव में नहीं आता। . इंग्लैंड टीम ने भी अभी-अभी जीतना शुरू किया है, कई सालों के बाद उन?होंने विश्वकप जीता है। ऐसा होता है। ऑस?ट्रेलिया ऐसी एकमात्र टीम है जिसने लगातार जीत हासिल की है। साल 2007 के बाद उन्होंने 2015 में भी एकदिवसीय वर्ल्डकप जीता, दुबई में उन्होंने टी20 वर्ल्डकप भी जीता।

रोहित ने साथ ही कहा, 'ऐसे में विश्वकप कौन जीतेगा, मेरे पास इसका जवाब नहीं है। मैं केवल यह जानता हूं कि हमारी टीम अच्छी स्थिति में है और हर कोई फिट है, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता। वैसे यदि प्रशंसकों की उम्मीदें बहुत ऊंची न हों तो मुझे खुशी होगी। लोग जैसी उम्मीद लगाए हैं, हम उस पर नियंत्रण नहीं कर सकते। हम जहां भी जाते हैं, वे कहते हैं विश्वकप जीतना है। यह सिलसिला सब जगह होता है और ये रुकने वाला नहीं है।

मुझे लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है : सलमान खान

हिंदी सिनेमा में 35 साल पूरे कर चुके बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का कहना है कि उन्हें लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है। सलमान ने कहा, 'जिन लोगों ने मुझे मेरे डेब्यू के बाद से प्यार किया है, उन्होंने सोशल मीडिया पर मुझे एहसास कराया कि मैंने सिनेमा में 35 साल पूरे कर लिए हैं! यह मेरे लिए एक बहुत ही खास पल है, पुरानी यादें, प्यार, खुशी और उस दर्द से भरा हुआ जब चीजें प्लान के अनुसार नहीं हुईं। लेकिन मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी यात्रा का हर मिनट पसंद आया।' उन्होंने आगे कहा, 'टाइगर 3 की रिलीज के साथ इसका जश्न मनाते हुए मुझे खुशी हो रही है! मुझे पता है कि मेरे प्रशंसक मुझे एक्शन करते हुए देखना पसंद करते हैं और मुझे उम्मीद है कि टाइगर 3 एक परफेक्ट गिफ्ट है जिसका वे इंतजार कर रहे है!' सलमान 'टाइगर 3' के पहले वीडियो एसेट 'टाइगर का मैसेज' को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं।यशराज फिल्म्स ने पिछले हफ्ते 'टाइगर का मैसेज' जारी किया। सलमान खान यशराज फिल्म्स की 'टाइगर 3' ' में सुपर एजेंट टाइगर उर्फ अविनाश सिंह राठौड़ के रूप में अपनी भूमिका को दोहराने के लिए वापस आ गए हैं।उनका कहना है कि इस तरह के जीवन से भी बड़े किरदार निभाना मजेदार है। सलमान ने कहा, 'मुझे एक्शन शैली पसंद है, मुझे लार्जर दैन लाइफ एक्शन स्टार बनना पसंद है। मजा आता है! मुझे बड़े एक्शन शो करना पसंद है और 'टाइगर 3' जितना बड़ा हो सकता है उतना बड़ा है। फिल्म की कहानी कुछ ऐसी है जो मुझे बहुत पसंद आई और मुझे यकीन है कि हम इससे सभी को हैरान कर देंगे।' वाईआरएफ के घरेलू फिल्म निर्माता मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित 'टाइगर 3' दिवाली पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

कास्टिंग काउच को लेकर नीना गुप्ता के बयान ने फिर मचाई खलबली

एक्ट्रेस नीना गुप्ता का एक पुराना बयान इन दिनों फिर सुर्खियों में है। उन्होंने कास्टिंग काउच को लेकर कभी एक इंटरव्यू दिया था, उसके बाद न्यू कमर्स के लिए दिए बयान से काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब उनकी अपकमिंग फिल्म काफी चर्चा में है। नीना गुप्ता की फिल्म 'मेट्रोज इन दिनों' को लेकर मीडिया में खूब मसाला आ रहा है। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार शामिल हैं। आने वाली ये फिल्म अगले साल मार्च में रिलीज होगी। हालांकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट बनाने के लिए सितारे लगातार फैंस के बीच जाकर फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब सारी बातें भी शेयर कर रहे हैं। इन्हीं सब के बीच नीना गुप्ता का एक पुराना इंटरव्यू काफी सुर्खियां बटोर रहा है, जिसमें उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच के मुद्दे अपना विचार साझा किया था। हालांकि अब उन्हें अपने उस पूराने बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी अलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि साल 2021 के एक इंटरव्यू में नीना ने कहा था कि किसी भी न्यू कमर एक्ट्रेस को फिल्म की भूमिका के लिए किसी के साथ सोने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है कि वे कितना समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में आए नए कलाकारों को एक खास सलाह देते हुए एक वीडियो इंटरव्यू में कहा था, 'यहां, कोई भी आपको किसी के साथ सोने के लिए मजबूर नहीं करता है। यह आपको ही तय करना है कि आप कितना समझौता करना चाहते हैं। यह बहुत सरल है। यदि आप 'नहीं' कहते हैं, तो 10 अन्य लड़कियां 'हां' कहने को तैयार हैं। यह जरूरी नहीं है कि आप उनके साथ सोएं और वे आपको कोई रोल दे दें। नीना के इस बयान के करीब 2 साल बाद अब सोशल मीडिया पर आग लगा रही है। कोई उनके विचारों को 'बीमार मानसिकता' करार दे रहा है तो कोई उनके कास्टिंग काउच की तुलना घरेलू हिंसा से कर रह रहा है।

अनुराग बसु की फिल्म आशिकी 3 में तारा सुतारिया के साथ रोमांस करेंगे कार्तिक आर्यन?

आशिकी सुपरहिट फिल्म फ्रेंचाइजी में से एक है और आशिकी 3 को लेकर भी उत्साह है। इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की हीरोइन कौन होगी इसको लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। कई लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें फिल्म में दीपिका पादुकोण और कार्तिक आर्यन देखने को मिलेंगे। बाद में सारा अली खान का नाम खूब चर्चा में रहा। अब, ऐसा लगता है कि तारा सुतारिया को यह भूमिका मिल गई है। अभिनेत्री को आखिरी बार फिल्म तड़प में देखा गया था। हाल ही में, कार्तिक आर्यन और तारा सुतारिया को एक प्रोजेक्ट के लिए एक साथ देखा गया था, जिससे अटकलें तेज हो गईं।

आशिकी 3 : तारा सुतारिया को मिला बड़ा ब्रेक!

आशिकी 3 तारा सुतारिया के लिए एक बड़ा ब्रेक होगी। अभिनेत्री कुछ समय से एक्शन से गायब हैं। उनकी आखिरी फिल्म एक विलेन रिटर्न्स ने औसत बिजनेस किया था। वह आदर जैन के साथ अपने रिश्ते को लेकर ज्यादा चर्चा में रहीं। जनवरी 2023 में खबरें आईं कि आदर जैन और उन्होंने सौहार्दपूर्ण और परिपक्व तरीके से अपने प्रेम संबंध को खत्म करने का फैसला किया है। ऐसा लगता है कि वे अभी भी अच्छे दोस्त हैं। बाद में, उसने एक नोट पोस्ट किया जिसमें संकेत दिया गया कि वह अभी भी प्यार में पागल थी। तारा सुतारिया की झोली में अपूर्वा भी हैं। फिल्म में वह एक छोटे शहर की लड़की का किरदार निभा रही हैं, जिसके बारे में उनका मानना है कि हर कोई इससे प्रभावित होगा।

आशिकी 3 एक भावनात्मक कहानी है

फैंस को यह जानकर हैरानी हुई कि लव आज कल के बाद सारा अली खान और कार्तिक आर्यन एक बार फिर साथ नजर आ सकते हैं। पिछले कुछ समय से उन्हें इवेंट्स में बॉन्डिंग करते देखा गया है। लेकिन सारा अली खान अनुराग बसु के साथ लाइफ इन ए मेट्रो 2 कर रही हैं। आशिकी 3 एक भावनात्मक और दिल तोड़ने वाली कहानी मानी जा रही है। सिनेमा प्रेमियों को आज भी आशिकी 2 याद है जिसमें आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान थे। इस दुखद प्रेम कहानी में कालजयी गीत थे। आशिकी 3 भी एक भावनात्मक फिल्म होने का वादा करती है, यह देखते हुए कि अनुराग बसु अपनी प्रेम कहानियों के लिए जाने जाते हैं।

सोफिया अंसारी ने व्हाइट ब्रालेट में शेयर कीं किलर फोटोज, वायरल हुई तस्वीर

इंटरनेट सेंसेशन बन चुकी डिजिटल क्रिएटर एंड एक्ट्रेस सोफिया अंसारी अपनी बोल्ड अदाओं की वजह से चर्चा में रहती हैं। अदाकारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर खासा एक्टिव रहती हैं। अब हाल ही में अदाकारा सोफिया अंसारी ने जालीदार व्हाइट ब्रालेट में अपनी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अदाकारा सोफिया अंसारी बोल्डनेस के साथ मस्ती भरे अंदाज में फैंस को रिझाती दिखीं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही सुर्खियों में आ गईं। सोफिया अंसारी की इन तस्वीरों पर फैंस भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। सोफिया अंसारी ने हाल ही में अपना बोल्ड अवतार सामने आईं लेटेस्ट तस्वीरों में दिखाया हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपनी बोल्डनेस से फैंस को हैरान करती दिखीं। अदाकारा सोफिया अंसारी अपनी इन बोल्ड तस्वीरों में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट किया है। जिस पर फैंस की भी नजरें टिकी रह गईं। जालीदार व्हाइट ब्रालेट टॉप में एक्ट्रेस सोफिया अंसारी ने किलर पोज मारे। इन तस्वीरों में वो खूब मस्ती करती भी दिखीं। अदाकारा सोफिया अंसारी ने ब्रालेट टॉप में ढेर सारी बोल्ड तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। जिनकी तस्वीरें आप यहां देख सकते हैं। अदाकारा सोफिया अंसारी अपनी बोल्ड तस्वीरों से अक्सर फैंस का ध्यान खींच लेती हैं। अदाकारा की ये तस्वीरें आग की तरह वायरल होती हैं। अदाकारा सोफिया अंसारी ने रेड एंड ब्लैक ब्रालेट में भी बोल्ड और कातिलाना फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आईं। अदाकारा की ये तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं। अदाकारा सोफिया अंसारी एक टैटू गर्ल है। एक्ट्रेस ने अपनी बॉडी पर कई टैटूज बनवाए हैं। जिसकी तस्वीरें आते ही वायरल हो गईं। सोफिया अंसारी इंटरनेट सेंसेशन बन चुकी हैं। अदाकारा की फोटोज सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगती हैं। अदाकारा सोफिया अंसारी के फॉलोअर्स की संख्या कई लाखों में हैं। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छाने लगती हैं।

अमिताभ बच्चन ने वहीदा रहमान के जीनियस मेकअप हैक के बारे में किया खुलासा

केबीसी के एक शो में मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हिंदी सिनेमा की बेहद सफल अभिनेत्री वहीदा रहमान की मेकअप तकनीक का खुलासा किया है। उन्होंने वहीदा रहमान की तारीफ करते हुए उनकी पसंदीदा मेकअप एसेसरी के बारे में बताया। बता दें कि क्विज-बेस्ड रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 के एपिसोड 36 में, होस्ट अमिताभ बच्चन ने दिल्ली की ऋचा कुसुम सिंह का हॉट सीट पर स्वागत किया। उनसे 1000 रुपये के लिए सवाल पूछा गया कि इनमें से कौन सा शब्द एक छोटे गोल धातु के डिब्बे को को संदर्भित करता है, जिसमें दर्पण और पाउडर होता है? ऑप्शन थे, ब्रीफ, कॉम्पैक्ट, बैकपैक और काजल। सही उत्तर कॉम्पैक्ट था। इस दौरान बिग बी ने कहा, जब भी कोई आम तौर पर महिलाएं जल्दी मेकअप करना चाहती हैं तो वे कॉम्पैक्ट निकाल लेती हैं। उनके बैग में लिपस्टिक, काजल और कॉम्पैक्ट जरुर होता है। बिग बी ने कंटेस्टेंट से मजाकिया अंदाज में पूछा, महिलाएं इससे बहुत जुड़ी हुई हैं। आपको इसे लाने की जरुरत क्यों है? इस पर कंटेस्टेंट ने कहा, सर, सुंदर दिखने के लिए टचअप की जरूरत होती है।

इस पर बिग बी ने कहा कि मुझे कुछ बताओ मैडम, इसमें इतना छोटा मिरर है, आपकी एक आंख भी इसमें नहीं समा सकती, आप इसमें अपना पूरा चेहरा कैसे देख सकती हैं? इसके बाद अमिताभ ने अपनी कभी-कभी की को-स्टार वहीदा रहमान के बारे में एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा वहीदा जी अपना पूरा मेकअप इसी से करती हैं। उनके पास उनका पसंदीदा कॉम्पैक्ट है जिसे वह अपने सभी मेकअप के लिए इस्तेमाल करती हैं। वह उस छोटे कॉम्पैक्ट को हर समय अपने साथ रखती हैं। जब?कि ऐसी कई अभिनेत्री हैं जो सिर्फ अपने मिरर को पकड़ने के लिए 4 लोगों को साथ रखती हैं क्योंकि वे हमेशा एक बड़े साइज के मिरर में सब कुछ देखना होता है, मेकअप, ड्रेस और सब कुछ सही है।

विक्की ने पहले गोली अब पत्नी कैटरीना को कहा मॉन्स्टर

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ अक्सर किसी न किसी वजह से खबरों में रहते हैं। अक्सर दोनों मीडिया के सामने एक-दूसरे के बारे में कुछ ऐसा कह जाते हैं, जिसे सुनने के बाद उनके फैंस खुश होते हैं। हालांकि कई बार वे दोनों ट्रोल हो जाते हैं। इस बीच विक्की ने कैटरीना को मॉन्स्टर कहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि उनके घर में सबसे ज्यादा आलसी कौन है। विक्की कौशल से सवाल किया गया है कि दोनों (विक्की-कैट) में सबसे अधिक आलसी कौन है। इस पर विक्की ने खुद अपना नाम लिया और कहा, 'अगर मैं काम नहीं कर रहा हूं और अगर मैं घर पर हूं, तब मैं आलसी हूं।

आगे विक्की अपनी वाइफ कैटरीना की तारीफें करते हुए उन्हें मॉन्स्टर तक कह डाला। हालांकि उन्हें डिसिप्लिन लेडी भी कहा। रिपोर्ट के अनुसार, विक्की ने कहा, जब दोनों घर पर कूल होकर आराम फरमा रहे होते हैं, तब उस समय वे दोनों ही आलसी होते हैं। यह विक्की के एक पार्टी की तरह होता है। वहीं जब बात डिसिप्लिन होने की आती, तब वहां कैट उस टाइम पर एकदम राक्षस (मॉन्स्टर) की तरह बन जाती हैं। विक्की कौशल ने बताया कि कैटरीना कैफ को कुछ चीजों के मामले में खुश करना बहुत मुश्किल है। उस टाइम वह बहुत नखरेबाज होती है। जैसे कि जब उसके खाने की बात आती है या जब उसके कपड़ों की बात आती है तब। कभी-कभी, वह कपड़े पहनने में बहुत सहज होती है, लेकिन उसमें टेस्ट है। वह बहुत अजीब है। बता दें कि इसके पहले विक्की कौशल ने कैटरीना को गोली कहा था। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया था कि वह उनकी सबसे बड़ी आलोचक हैं। विक्की ने बताया था कि कैटरीना का रवैया इससे ठीक उल्टा है। वह बिना इधर-उधर बातों को घुमाए वह सीधे मुद्दे पर बात करती हैं। उन्होंने कहा था, मेरी वाइफ सीधी है.. मतलब कि कैटरीना एक सीधी गोली है।